UGC : NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

अर्थशास्त्र

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. अर्थशास्त्र परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम ---------- 3-4
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2004 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 5-12
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 13-18
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 19-23
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 24-30
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 31-37
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 38-45
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 46-54
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 55-61
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 62-68
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 69-76
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 77-84
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 85-92
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 93-100
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 101-107
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 108-114
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 115-123
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 124-135
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 136-143
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 144-156
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 157-165
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 166-180
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 181-187
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 188-199
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 200-207
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 208-221
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 222-230
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 231-242
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 243-249
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 250-259
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 260-266
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 267-278
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जुलाई-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 279-285
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जुलाई-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 286-296
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जनवरी-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 297-303
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जनवरी-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 304-316
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र नवम्बर-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 317-324
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र नवम्बर-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 325-336
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 337-356
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 357-377
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 378-395
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 396-412
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2020 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 413-429
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2020/जून-2021 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 430-453
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2021/जून-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 454-480
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2022 Shift-I द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 481-512
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2022 Shift-II द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 513-544
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र जून-2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 545-576
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, अर्थशास्त्र दिसम्बर-2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल ---------- 577-608

UGC NTA NET Economics New Syllabus

NTA UGC NET/JRF/SET/SLET Syllabus for Economics /Rural Economics/Co-operation/Demography/ Development Planning / Development Studies / Econometrics / Applied Economics / Development Economics / Business Economics.

UGC NET Paper-2 Syllabus

1. Micro – Economic Analysis

Demand Analysis – Marshallian, Hicksian and Revealed preference approaches.
Theory of Production and Costs.
Pricing and output under different forms of market structure.
Factor Pricing analysis.
Elements of general equilibrium and new welfare economics.

2. Macro – Economic Analysis

Determination of output and employment – Classical approach, Keynesian approach, Consumption hypotheses.
Demand for Money–Fisher and Cambridge versions, Approaches of Keynesian, Friedman, Patinkin, Baumol and Tobin.
Supply of Money, Determinants of money supply, High – powered money, Money multiplier. Phillips Curve analysis.
Business cycles – Models of Samuelson, Hicks and Kaldor.
Macro – economic Equilibrium – Relative roles of monetary and fiscal policies

3. Development and Planning

Economic Growth, Economic Development and sustainable Development – Importance of institutions – Government and markets – Perpetuation of underdevelopment – Vicious circle of poverty, circular causation, structural view of underdevelopment – Measurement of development conventional, HDI and quality of life indices.
Theories of Development – Classical, Marx and Schumpeter; Economic Growth – Harrod – Domar model, instability of equilibrium, Neoclassical growth – Solow's model, steady state growth. Approaches to development: Balanced growth, critical minimum effort, big push, unlimited supply of labour, unbalanced growth, low income equilibrium trap.
Indicators and measurement of poverty.
Importance of agriculture and industry in economic development – choice of techniques and appropriate technology – Investment criteria – Elementary idea of cost – benefit analysis.
Trade and Aid – International trade as 'engine of growth' – Globalization and LDC's Objectives and role of monetary and fiscal policies in economic development Techniques of planning; Plan Models in India; planning in a market – oriented economy.

4. Public Finance

Role of the Government in Economic activity – Allocation, distribution and stabilization functions; Private, Public and Merit goods.
The Public Budgets – Kinds of Budgets, Zero – base budgeting, different concepts of budget deficits; Budgets of the Union Government in India Public Expenditure – Hypotheses; effects and evaluation.
Public Revenue – Different approaches to the division of tax burden, incidence and effects of taxation; elasticity and buoyancy; taxable capacity Public Debt – Sources, effects, burden and its management.
Fiscal Federalism – Theory and problems; Problems of Centre – State Financial relations in India.
Fiscal Policy – Neutral and compensatory and functional finance; balanced budget multiplier.

5. International Economics

Theories of International Trade: Empirical verification and Relevance International Trade under Imperfect competition Terms of Trade and Economic Growth – Secular Deterioration of Terms of Trade Hypothesis – a critical review.
Equilibrium/disequilibrium in Balance of Payment – Traditional, Absorption and Monetary approaches for adjustment in the Balance of Payments, Foreign Trade multiplier.
Impact of Tariffs, Partial and general equilibrium analysis; Political economy of Non-Tariff Barriers.
Theory of regionalism at Global level – Collapse of Bretton – Wood System – Recent.
Monetary reforms.
Trade Policy and Reforms in India.

6. Indian Economy

Basic Economic indicators – National income, performance of different sectors Trends in prices and money supply.
Agriculture – Institutional and technological aspects, new agricultural policy Industry – New industrial policy and liberalization.
Money and banking – Concepts of money supply, inflation, monetary policy and financial sector reforms.
Public finance – Trends in revenue and expenditures of the Central and State Governments, Public debt; analysis of the Union Budget.
Foreign trade – Trends, Balance of payments and trade reforms.
Poverty, unemployment, migration and environment.

7. Statistical Methods

Measures of Central tendency, dispersion, skewness and kurtosis.
Elementary theory of probability – Binomial, Poisson and Normal distributions.
Simple correlation and regression analysis.
Statistical inferences – Applications, sampling distributions (t, x2 and F tests) sampling of attributes, testing of Hypothesis.
Index numbers and time series analysis.
Sampling and census methods, types of sampling and errors.

UGC NET Paper-2 Syllabus Continues

The following part of the UGC NET syllabus were previously under UGC NET Paper-3 (Part-A), however, as UGC has now only two papers i.e. UGC NET Paper-1 which is general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 on the specific subject (including all electives, without options) instead of previous three papers i.e. UGC NET Paper-1 which was general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 and Paper-3 on the specific subject, so, now-a-days, the following part is also considered as part of the UGC NET Paper-2 syllabus.

[Core group]

Unit–I

Theory of Demand – Axiomatic approach, Demand functions, Consumer behaviour under conditions of uncertainty.
Theory of production.
Collusive and non – collusive oligopolies.
Different models of objectives of the firm – Baumol, Morris and Williamson.
Factor pricing.
General equilibrium and Welfare Economics.

Unit – II

Keynesian and post – Keynesian approaches to theory of output and employment; concept of investment multiplier; consumption hypotheses Theories of investment and accelerator.
Theories of demand for money – Keynesian and post – Keynesian.
Different approaches to money supply; money supply; components and determinants; money multiplier.
Output – price determination (aggregate supply and aggregate demand curve analysis).
Fleming – Mundell open economy model.

Unit – III

Development and Growth – Role of institutions.
Theories of growth and development – Models of growth of Joan Robinson and Kaldor; Technical Progress – Hicks, Harrod and learning by doing, production function approach to the determinants of growth : Endogenous growth : role of education, research and knowledge – explanation of cross country differentials in economic development and growth.
Theories of development – Classical, Marx, Schumpeter and structural analysis of development – Imperfect market paradigm, Lewis model of development, Ranis – Fei model, Dependency theory of development.
Factors in economy development – natural resources, population, capital, Human Resource Development and infrastructure.
Trade and development – trade as engine of growth, two – gap analysis, Prebisch, Singer and Myrdal views; gains from trade and LDCs.

Unit – IV

Theories of taxation, types, incidence and effects.
Theories of public expenditure – effects on savings, investment and growth Burden of public debt.
Union Finance – Trends in Revenue and Expenditure of the Government of India.
State finance – Trends in Revenue and Expenditure of the State Governments.
Public Debt – India's Public debt since 1951 – growth composition, ownership pattern and debt management.
Union – State Financial Relations – Horizontal and vertical imbalances; the Finance Commissions.
Fiscal Policy and Fiscal Reforms in India.

Unit – V

Monetary approach' and adjustment in the balance of payments.
Regional blocs – multilateralism and world trading system.
The Political Economy of imposition of non – tariff barriers.
International trade under conditions of imperfect competition in goods market.
Theory of International reserves.
Optimum Currency Areas – Theory and impact in the developed and developing countries.
WTO and its impact on the different sectors of the economy.

Unit – VI

Components of money supply.
Role, constituents and functions of money and capital markets.
RBI – recent monetary and credit policies.
Commercial banks and co – operative banks.
Specialized financial and investment institutions.
Non – Bank financial institutions and Regional Rural Banks.

Unit – VII

Industrial structure and economic growth.
Pattern of industrialization – Public and Private; large and small industries.
Theories of Industrial location – Indian experience.
Industrial productivity – measurement, partial and total trends Industrial Finance in India.
Industrial Labour – Problems, policies and reforms in India Economic Reforms and industrial growth.

Unit – VIII

Population and Economic development – interrelation between population, development and environment, sustainable development.
Malthusian theory of population, Optimum theory of population, theory of demographic transition, population as 'Limits to Growth' and as 'Ultimate Source'.
Concepts of Demography– Vital rates, Life tables, composition and uses, Measurement of fertility – Total fertility rate, gross and net reproduction rate– Age pyramids, population projection – stable, stationary and quasi – stationary population; characteristics of Indian population through recent census.
Poverty in India – Absolute and relative; analysis of poverty in India.
Environment as necessity – amenity and public goods; causes of environmental and ecosystem degeneration – policies for controlling pollution – economic and persuasive; their relative effectiveness in LDCs; Relation between population, poverty and environmental degradation – microplanning for environment and eco – preservation – water sheds, joint forest management and self – help groups.
Role of State in environmental preservation – Review of environmental legislation in India.

Unit – IX

Role of Agriculture in Indian Economy – Share of Agriculture, interrelationship between agriculture and industry.
Institutional aspects – Land reforms, Green revolution.
Technological aspects – Agricultural inputs and shifts in production function.
Capital formation in the rural sector – Savings, assets and credits.
Strategies for rural development.
Regional disparities in Indian agriculture.
Cooperative movement in India – Organization, structure and development of different types of cooperatives in India.

Unit – X

Application of Differential and Integral Calculus in theories of consumer behaviour, Production and pricing under different market conditions.
Input – output analysis and linear programming.
Application of Correlation and Regression.
Testing of Hypothesis in Regression Analysis.

UGC NET Paper-2 Syllabus Continues

The following part of the UGC NET syllabus were previously under UGC NET Paper-3 (Part-B), however, as UGC has now only two papers i.e. UGC NET Paper-1 which is general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 on the specific subject (including all electives, without options) instead of previous three papers i.e. UGC NET Paper-1 which was general and compulsory for all subjects and UGC NET Paper-2 and Paper-3 on the specific subject, so, now-a-days, the following part is also considered as part of the UGC NET Paper-2 syllabus.

[Elective / Optional]

Elective – I

Single Equation Linear Model:
Assumption and properties of OLS.
Multiple Regression Model – Estimation and Interpretation.
Multi – collinearity – Auto – correlation and heteroscedasticity – Causes, detection, consequences and remedy.
Dummy variables, distributed lags – Need, limitations and interpretation.
Applications in Economics.
Simultaneous Equation models :
Structural and reduced forms.
Endogenous and exogenous variables.
Identification problems and conditions.
Single equation methods of estimations – TSLS, indirect least squares and least variance ratio.
Techniques of Forecasting :
ARMA, ARIMA.
Econometric properties of time series, Unit root, integrated series, random walk and white noise.

Elective – II

Theory of Consumer Behaviour and Theory of Firms.
Theory of Pricing – Monopoly, Monopolistic competition, Duopoly and Oligopoly.
Theory of Games – Two – person, Zero – sum Game, Pure and Mixed strategy, Saddle point solution, Linear programming and input output analysis.
Static and Dynamic Multiplier and Accelerator, Samuelson – Hicks trade cycle model.
Growth Models – Harrod and Domar, Neoclassical models – Solow, Meade, Kaldor's Model with technological progress, endogenous growth models.
Employment and output determination with fixed and flexible prices (IS–LM, Aggregate demand and aggregate supply analysis).

Elective – III

The Rise and Fall of Bretton – Wood and emerging International Monetary System.
World Trading System – Evolution and Distortions.
Globalization – Developments in Exchange Markets, Euro – Currency Markets, and International Bond Markets, International Debt crisis.
Theory of Foreign Exchange Markets – Exchange Trading, Arbitrage and Market Hedging.

Elective – IV

Growth and Productivity trends in Indian Agriculture.
Development of distributive institutions – Costs and price policies.
Agricultural marketing and credit.
Trends in migration and labour markets. Minimum Wages Act.
WTO and sustainable agricultural development.
Reforms in Indian agriculture.

Elective – V

Planning and Economic Development.
Costs, Prices, WTO and Indian Agriculture.
Globalization, Liberalization and the Indian Industrial Sector.
Infrastructure and Economic Development.
Social Sector, Poverty and Reforms in India.
Women, Environment and Economic Development.
Trade Reforms and Liberalization.
Financial sector reforms.
Fiscal policy and fiscal reforms.

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2004
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट-इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पैमाने के प्रतिफल किन अवधारणाओं पर आधारित है?

(a) उत्पादन की तकनीक अपरिवर्तित है।
(b) साधनों की सभी इकाइयाँ समान है।
(c) प्रतिफल भौतिक रूप में नापे जाते हैं।
(d) उपरोक्त सभी

Ans. : (d) – दीर्घकाल में उत्पाद में वृद्धि उत्पादन के सभी साधनों की वृद्धि के द्वारा लायी जा सकती है क्योकि दीर्घकाल में सभी साधन परिवर्तनीय होते है। सभी साधनों की वृद्धि होने पर उत्पादन का पैमाना ही बड़ा होता है इसीलिए इस स्थिति को पैमाने का प्रतिफल कहते है। पैमाने का प्रतिफल निम्नलिखित अवधारणाओं पर आधारित है-
1. उत्पादन की तकनीक अपरिवर्तित है
2. सभी साधनों की सभी इकाइयां समान हैं
3. प्रतिफल भौतिक रूप में नापे जाते है।

Page- 136, S.N. lal Micro Eco.

2. साधन के पुरस्कार के रूप में ब्याज का भुगतान किस सिद्धान्त से स्पष्ट होता है

(a) उत्पादकता सिद्धान्त (b) उपयोग स्थगन सिद्धान्त
(c) समय अधिमान सिद्धान्त (d) उपरोक्त सभी

Ans. : (d) – साधन के पुरस्कार के रूप में ब्याज का भुगतान अग्रलिखित सिद्धांत से स्पष्ट होता है-
1. उत्पादकता सिद्धांत 2. उपभोग का स्थगन सिद्धांत
3. समय अधिमान सिद्धांत।

3. प्रकट अधिमान सिद्धान्त के संदर्भ में निम्नलिखित मान्यताओं पर विचार कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

(a) तर्कसंगत (b) संगीत
(c) संक्रामकता (d) अपूर्ण से तुष्टि

Ans. : (c) – प्रकट या व्यक्त अधिमान सिद्धांत (Revealed Pruference Approch) का प्रतिपादन पॉल सेमुएलसन ने 1948 में किया। सेमुएलसन यह प्रतिपादित करते है कि बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह संस्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा। अर्थात् यह दृष्टिकोण उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है, सेमुएलसन के अनुसार- जब कोई उपभोक्ता बाजार से वस्तुओं के एक संयोग के क्रय का निर्णय करता है, इस निर्णय के दो कारण हो सकते है-
1. वह वस्तुओं के अन्य संयोगों की अपेक्षा उस विशिष्ट संयोग को अधिक चाहता है।
2. वह संयोग अन्य संयोगों की तुलना में सस्ता है।

जैसा कि रेखाचित्र से स्पष्ट है कि उपभोक्ता बाजार क्षेत्र POL के A बिन्दु को वरीयता देता है जहां आपको अधिकतम संतुष्टि मिलती है।

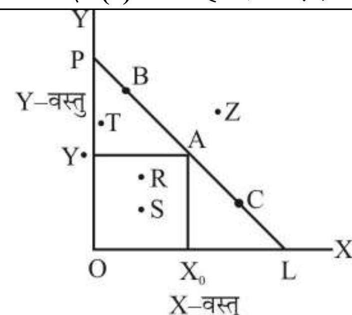

यह सिद्धांत निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है-
1. विवेकपूर्ण व्यवहार।
2. सकर्मकता - A > B तथा B > C तो निश्चित रूप से A > C होगा
3. उपभोक्ता की रूचि दी हूई हैं
4. व्यक्त अधिमान की अवधारणा
5. सबल क्रमबद्धता की मान्यता
6. स्थिर व्यवहार की अवधारणा
7. मांग की धनात्मक आय लोच

Page - 78, S.N. lal micro eco.

4. निम्नलिखित समूहों की इकाईयों में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

समूह - I	**समूह - II**
(a) विकुंचित माग वक्र	(i) बॉमल
(b) पूर्ण लागत मूल्य निर्धारण	(ii) बेन
(c) अधिकतम बिक्री	(iii) स्वीजी
(d) सीमा मूल्य प्रारूप	(iv) हाल एवं हिच
	(v) मोदिगिल्यानी

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(v)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)

Ans. : (c) – विंकुचित मांग वक्र - स्वीजी
पूर्ण लागत मूल्य निर्धारिण - हाल एवं हिच
अधिकतम बिक्री - बॉमोल
सीमा मूल्य प्रारूप - बेन

5. मांग सिद्धान्त के विकास में निम्नलिखित सिद्धान्तों के उदय को समय के आधार पर क्रमबद्ध कीजिये :

(i) प्रकट अधिमान
(ii) न्युमान-मार्गेस्टर्न उपयोगिता सिद्धान्त
(iii) क्रमसूचक उपयोगिता
(iv) मापनीय उपयोगिता

Code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

Ans. : (d) – मांग सिद्धांत के विकास में सिद्धांतों के उदय को समय के आधार पर निम्न प्रकार से क्रमबद्ध किया गया है-
मापनीय उपयोगिता - मार्शल
क्रमसूचक उपयोगिता - हिक्स एवं एलेन (Ellen)
प्रकट अधिमान - सेमुएलसन
न्यूमॉन - मार्गेस्टर्न– उपयोगिता सिद्धांत

6. उत्पादन फलन का विचार निम्नलिखित में किस से सम्बन्धित है?
(a) आर्थिक दक्षता (b) तकनीकी दक्षता
(c) आबंटन दक्षता (d) उपरोक्त सभी

Ans. : (b) – उत्पादन फलन का विचार तकनीकी दक्षता से सम्बनिधत है। यदि किसी देश को तकनीकी दक्षता प्राप्त नहीं है, तो वह देश विकास नहीं कर सकता है।

7. एक अर्थव्यवस्था के कोर में निम्न अन्तर्निहित है।
(a) सभी पैरेटो अनुकूलतम आबंटन
(b) सभी प्रतिस्पर्धात्मक आबंटन
(c) पैरेटो अनुकूलतम आबंटन में वृद्धि करने वाले आबंटन
(d) सभी सम्भाव्य आबंटन

Ans. : (d) – एक अर्थव्यवस्था के कोर में सभी संभाव्य आबंटन अन्तर्निहित है।

8. उपरोक्त मांग के किस अर्थशास्त्री के सिद्धान्त में स्थायी उपभोग वस्तुओं मानव पूँजी को सम्मिलित किया गया?
(a) फ्रीडमैन (b) टोबिन
(c) रोजस्टीन-रोडान (d) बोमोल

Ans. : (a) – फ्रीडमैन ने अपने मुद्रा परिमाण सिद्धांत विश्लेषण को सैद्धांतिक एवं अनुभवगम्य दोनों आधारों पर दिया है। सैद्धांतिक रूप में उन्होंने मुद्रा की मांग तथा उसको प्रभावित करने वाले कारको का विश्लेषण किया तथा अनुभवगम्य अध्यनों में आय-प्रचलन वेग के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण किया मुद्रा मांग से सम्बन्धित विश्लेषण को यद्यपि केन्स ने भी दिया था पर फ्रीडमैन ने मानवीय तथा गैर-मानवीय सम्पत्तियों जैसी नयी संकल्पनाओं का मांग फलन में प्रयोग किया।

फ्रीडमैन ने मुद्रा की मांग को दो रूपों में दिखाया कि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की मांग करने वाले दो तरह के लोग होते है- एक तो, व्यापारिक समुदाय के लोग तथा दूसरे अंतिम धन संग्रहकर्ता/अर्थव्यवस्था में इस तरह-
कुल धन = मानवीय धन + गैर-मानवीय धन

या मानवीय धन = $\frac{\text{गैर - मानवीय धन}}{\text{कुल धन}}$

फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा मांग फलन को निम्न रूप लिख सकते है-

$$\frac{Md}{P} = F\left(w, r_m, r_b, r_e, \frac{1}{P}.\frac{dp}{dt}, u\right)$$

जहां r_m = मुद्रा पर प्रतिफल की दर
w = गैर मानवीय धन के रूप में अनुपात
v_b = बॉण्ड पर प्रतिफल की प्रत्याशित दर
r_e = इक्विटी पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर
$\frac{1}{P}.\frac{dP}{dt}$ = कीमत-स्तर में प्रत्याशित परिवर्तन की दर।
u = रूचि एवं अधिमान ।

9. मुद्रा गुणांक द्वारा किसका निर्धारण होता है?
(a) अर्थव्यवस्था में मुद्रा की कुल पूर्ति
(b) उच्च शक्ति मुद्रा
(c) मुद्रा पूर्ति के अंग
(d) अर्थव्यवस्था में रोजगार एवं उत्पादन

Ans. : (b) – मुद्रा गुणांक द्वारा उच्च शक्ति मुद्रा का निर्धारण होता है इसको निम्न प्रकार से स्पष्ट कर सकते है-
मुद्रा पूर्ति (M) = D + C ——— (i)
उच्च शक्ति मुद्रा (H) = C + RR + ER ——— (ii)

$$\frac{M}{H} = \frac{D+C}{C+RR+ER}$$

D से भाग देने पर-

$$\frac{M}{H} = \frac{D/D + C/D}{\frac{C}{D} + \frac{RR}{D} + \frac{ER}{D}}$$

जहाँ $\frac{C}{D} = Cr, \frac{RR}{D} = RR_r, \frac{ER}{D} = ER_r$

या $$\frac{M}{H} = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}$$

या $$M = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}.H$$

$$M = \frac{C_r + RR_r + ER_r}{1+C_r}.H$$

$M = m.H$ $\quad \therefore m = \frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}$

अतः मुद्रा गुणक (M) = $\frac{1+C_r}{C_r + RR_r + ER_r}$ है।

Page - 342, डिवंगन Monitary Eco.

10. समूह-I एवं समूह-II की इकाइयों को सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर छांटियेः

समूह - I	समूह - II
(a) MV =PT	(i) मार्शल
(b) MV = KPY	(ii) फ्रीडमैन
(c) MV =f(r,y,w)	(iii) फिशर
(d) $\frac{Md}{P} = \sqrt[\frac{1}{2}]{\frac{2bT}{r}}$	(iv) बॉमेल
	(v) एण्डों

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

Ans. : (d) – MV = PT - फिशर

MV = KPY - मार्शल

MV = F(r,y,w) - फ्रीडमैन

$\frac{Md}{P} = \sqrt[\frac{1}{2}]{\frac{2bT}{r}}$ - बॉमोल

11. फ्रीडमैन के अनुसार एक परिवार का उपभोग किस पर निर्भर करता है :

(a) अस्थिर आय (b) स्थायी आय

(c) दोनों स्थायी एवं अस्थिर आय (d) सापेक्ष आय

Ans. : (b) – फ्रीडमैन के अनुसार एक परिवार का उपभोग स्थायी आय पर निर्भर करता है फ्रीडमैन ने स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन किया। फ्रीडमैन के अनुसार- किसी परिवार की स्थायी आय उसकी उस वर्ष की चालू आय से ही प्रभावित नहीं होती है बल्कि दीर्घकाल में प्राप्य प्रत्याशित आय से भी होती है। स्थायी आय या दीर्घकालीन प्रत्याशित आय ''मानवीय तथा गैर मानवीय धन'' दोनों रूपों से अर्जित की जाती है।

फ्रीडमैन ने आय का विभाजन तीन भागों में किया है-

1. मापित आय (y_m)
2. स्थायी आय (y_p)
3. अस्थायी आय (y_t)

और बताया कि मापित आय, स्थायी व अस्थायी आय का योग होता है-

$$\boxed{y_m = y_p + y_t}$$

उसी प्रकार फ्रीडमैन ने उपभोग का विभाजन भी तीन भागों में किया -

1. मापित उपभोग (C_m)
2. स्थायी उपभोग (C_p)
3. अस्थायी उपभोग (C_t)

जहां मापित उपभोग या वास्तविक उपभोग,स्थायी व अस्थायी उपभोग का योग है-

$$\boxed{C_m = C_p + C_t}$$

फ्रीडमैन ने बताया कि स्थायी उपभोग का निर्धारण अस्थायी आय द्वारा होता है अर्थात् स्थायी उपभोग स्थायी आय का फलन होता है-

$$\boxed{C_p = K.Y_p}$$

जहां K, Cp और Yp के बीच आनुपातिक गुणांक है इसका मान 0 और 1 के बीच होता है अर्थात $O < K < 1$.

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सभी उत्तर छांटिये :

कथन (A) : **कीन्स के अनुसार कम ब्याज की दर पर निवेश की प्रवृत्ति अधिक होती है :**

कारण (R) :**निम्न ब्याज की दर पर पूँजी का पूर्ति मूल्य कम होता है।**

कूट :

(a) (A) एवं (R) दोनों सही है तथा (R), (A) का सही कारण है।

(b) (A) एवं (R) दोनों सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।

(c) (A) सही है पर (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

Ans. : (b) – कीन्स ब्याज को एक विशुद्ध मौद्रिक घटना मानते है उनके अनुसार ब्याज दर का निर्धारण मुद्रा की मांग एवं पूर्ति की सापेक्ष शक्तियों द्वारा होता है। मुद्रा को नकद रखने की इच्छा को कीन्स ने तरलता अधिमान नाम दिया है। कीन्स के अनुसार कम ब्याज की दर पर निवेश की प्रवृत्ति अधिक होती है और ब्याज की दर जब अधिक हो तो ठीक इसके विलोमशः। इसका कारण निम्न ब्याज की दर पर पूंजी का पूर्ति मूल्य कम होता है।

13. दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का आकार कौन सा होता है?

(a) क्षैतिज पड़ी रेखा (b) उर्ध्वगामी खड़ी रेखा

(c) उर्ध्वगामी वक्र (d) अधोगामी वक्र

Ans. : (b) – फ्रीडमैन ने दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र का प्रतिपादन किया। फ्रीडमैन के अनुसार स्फीति और बेरोजगारी के बीच विनिमय का वर्णन करने के लिए एक स्थिर नीचे दाई ओर ढालू फिलिप्स वक्र मानने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में यह सम्बन्ध एक अल्पकालीन घटना है परन्तु कई चर होते है। जिसके कारण फिलिप्स वक्र दीर्घकाल में सरकता है इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण दर स्फीति की प्रत्याशित दर है। जब तक स्फीति की वास्तविक दर और प्रत्याशित दर के बीच अंतर है तब तक नीचे दाई ओर ढालू फिलिप्स वक्र होगा। परन्तु जब यह अन्तर दीर्घकाल में समाप्त हो जाता है तो फिलिप्स वक्र अनुलम्ब (Vertical) हो जाता है। इसकी व्याख्या करने के लिए फ्रीडमैन ने बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की धारणा को प्रस्तुत किया। दीर्घकाल में, बेरोजगारी की प्राकृतिक दर पर फिलिप्स वक्र एक अनुलम्बन रेखा होती है।

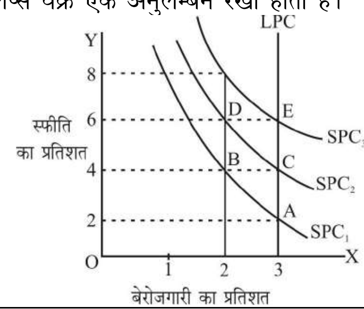

14. निम्नलिखित में किसका प्रभाव मुद्रा पूर्ति के परिमाण पर नहीं पड़ता है?

(a) पारिवारिक नकद मुद्रा

(b) बैंको के केन्द्रीय बैंक में जमा

(c) बैंको के पास नकद कोष

(d) नकद सुरक्षा अनुपात

Ans. : (d) नकद सुरक्षा अनुपात का प्रभाव मुद्रा पूर्ति के परिमाण दर पर नहीं पड़ता है। शेष अन्य का प्रभाव मुद्रा पूर्ति के परिमाण पर पड़ता है।

15. निम्नलिखित में मेल बिठाइये एवं दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

समूह-I	**समूह-II**
(a) एशियन ड्रामा	(i) ए.के. सेन
(b) च्वाईस आफ टेकनीक	(ii) डब्लू.डब्लू रोस्टोव
(c) स्टेजेस ऑफ इकनामिक ग्रोथ	(iii) गुन्नार मिर्डाल
(d) स्ट्रैटिजी आफ इकानामिक डेवलेपमेन्ट	(iv) ए.ओ. हर्षमैन
	(v) लीवन्सटीन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

Ans. : (b) – एशियन ड्रामा - गुन्नार मिर्डाल
च्वाईस ऑफ टेकनीक - ए.के. सेन
स्टेजेस ऑफ इकोनॉमिक्स ग्रोथ - डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टोव
स्ट्रैटिजी ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट - ए.ओ. हर्षमैन

16. जिस क्रम में विकास के सूचक के रूप में निम्न सूचकों का प्रयोग हुआ उसको दर्शाइये :

(a) प्रति व्यक्ति आय, HDI, PQLI
(b) HDI प्रति व्यक्ति आय. PQLI
(c) PQLI, HDI प्रति व्यक्ति आय
(d) प्रति व्यक्ति आय, PQLI, HDI

Ans. : (c) – विकास के सूचकों का प्रयोग उनके विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कालक्रम में हुआ है-
1. PQLI - 1976 को जॉन टिनवर्जन दर इसे मॉरिश-डी-मॉरिश ने लोकप्रिय बनाया।
2. HDI - UNDP के अर्थशास्त्रियों महबूब उल हक, अमर्त्यसेन व सिंगर हंस ने 1990 में।
इस प्रकार वक्र होगा - PQLI, HDI, प्रति व्यक्ति आय।

17. निर्म्नांखित में कौन सा समीकरण हैरॉड़-होमर प्रारूप में स्थिर वृद्धि की शर्त को पूरा करता है :

(a) वास्तविक वृद्धि दर = वांछित वृद्धि दर
(b) वास्तविक वृद्धि दर = प्राकृतिक वृद्धि दर
(c) वांछित वृद्धि दर = प्राकृतिक वृद्धि दर
(d) वास्तविक वृद्धि दर = वांछित वृद्धि दर = प्राकृतिक वृद्धि दर

Ans. : (d) – हैरड-डोमर का आर्थिक संवृद्धि माडल उन्नत पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं के अनुभवों पर आधारित है। हैरोड-डोमर मॉडल में कीन्सीय मॉडल का प्राबैगिक विस्तार किया गया है तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों व कीन्सवादियों की कमियों को दूर करते हुए निवेश प्रक्रिया के दोनों पक्षों मांग पक्ष एवं पूर्ति पक्ष को समहित किया गया है।

मान्यतायें:-

1. आय का एक प्रारंभिक पूर्ण रोजगार संतुलन है
2. सरकारी हस्तक्षेप का अभाव होता है।
3. यह माडल बन्द अर्थव्यवस्था में कार्य करता है
4. APS = MPS
5. सीमांत बचत प्रवृत्ति स्थिर रहती हैं
6. पूंजी गुणांक अर्थात पूंजी -स्टॉक का आय से अनुपात स्थिर मान लिया जाता है।
7. सामान्य कीमत स्तर स्थिर रहता है अर्थात् मौद्रिक आय तथा वास्तविक आय समान होती है।
8. निवेश तथा उत्पादक क्षमता निर्माण के बीच समायोजन में देर नहीं लगती है
9. उत्पादक प्रक्रिया में पूंजी तथा श्रम का अनुपात स्थिर होता है।
10. व्याज की दरों में परिवर्तन नहीं होतें।

हैरॉड-डोमर का मॉडल सतत् संवृद्धि के विश्लेषण से सम्बन्धित है जिसमें उन्होंने उत्पादक वर्ग की संस्थिति, अर्थव्यवस्था की पूर्ण संस्थिति तथा संस्थिति से विचलन की व्याख्या किया।

हैरॉड ने अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता को सदैव संस्थिति में माना है। $S_t = sY_t$ तथा $I_t = (y_t - y_{t-1})$

संस्थिति में - $S_t = I_t$

इसके अतिरिक्त अपने माडल में तीन संवृद्धि दरों की व्याख्या की है-
1. वास्तविक वृद्धि दर (G)
2. वांछित वृद्धि दर (Warranted growth rate G_w)
3. प्राकृतिक वृद्धि दर (Gn)

पूर्ण रोजगारीय संतुलन की स्थिति में-

G = Gw = Gn

18. निम्नलिखित में कौन सा कारण सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण की आवश्यकता का सही स्पष्टीकरण नहीं करता है

(a) जब व्यक्तिगत लाभ एवं सामाजिक लाभ में अन्तर होता है।
(b) जब व्यक्तिगत लागत एवं सामाजिक लागत में अन्तर होता है
(c) जब बाजार मूल्य साधनों की अवसर लागत परिलक्षित नहीं करते हैं
(d) अर्थ व्यवस्था में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र साथ-साथ विद्यमान होते हैं।

Ans. : (c) – सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण की आवश्यकता का सही कारण का स्पष्टीकरण तब नहीं करते है, जब बाजार मूल्य साधनों की अवसर लागत परिलक्षित नहीं करते है।

19. भारतीय नियोजन में किस योजना के निर्माण में प्रथम बार उपभोग उप-प्रारूप का प्रयोग किया गयाः

(a) तृतीय योजना (b) चतुर्थ योजना
(c) पंचम योजना (d) छठी योजना

Ans. : (c) – भारतीय नियोजन में पंचम योजना के निर्माण में प्रथम बार उपभोग उप-प्रारूप का प्रयोग किया गया। पांचवी योजना की समयावधि 1974-78 तक थी, जिसमें स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण को प्राथमिकता दी गई। यह योजना आयोग का अधिगम मॉडल था।

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

कथन (A) :राष्ट्रों में उन्मुक्त व्यापार विश्व उत्पादन तथा आय में वृद्धि करता है।

कारण (R) :अल्पविकसित देश व्यापार से समान रूप से लाभ प्राप्त नहीं करते हैं।

कूट :

(a) दोनों (A) तथा (R) सही है तथा (R), (A) का सही कारण है।
(b) दोनों (A) तथा (R) सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) कथन (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) कथन (R) सही है, पर (A) गलत है।

Ans. : (d) – राष्ट्रों में उन्मुक्त व्यापार विश्व उत्पादन तथा आय में वृद्धि नहीं करता है अतः यह कथन गलत है जबकि व्यापार में संलग्न सभी देशों को समान रूप से लाभ प्राप्त नहीं होता है विकसित देशों को व्यापार से अधिक लाभ तथा अल्प विकसित देशों

को कम लाभ (या हानि) प्राप्त होता है। इनमें से भी जो अल्पविकसित देश व्यापार में संलग्न है, व्यापार से प्राप्त लाभ समान रूप से नहीं होता है, बल्कि किसी को सामान्य लाभ, किसी को कम लाभ या किसी को हानि भी हो सकती है।

21. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

समूह-I	**समूह-II**
(a) सम्भाव्य आय में वृद्धि	(i) X - अदक्षता
(b) साधन की प्रति इकाई पर उत्पादकता	(ii) सन्तुलित विकास
(c) उत्पादन सम्भावना सीमा के भीतर उत्पादन	(iii) आर्थिक वृद्धि
(d) अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की वृद्धि सहित विकास	(iv) आबंटन अदक्षता
	(v) उत्पादकता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(B)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(v)

Ans. : (b) – सम्भव्य आय में वृद्धि - आर्थिक वृद्धि
साधन की प्रति इकाई - उत्पादकता
उत्पादन संभावना सीमा के भीतर उत्पादन - X अदक्षता
अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की वृद्धि सहित विकास-संतुलित विकास।

22. नीचे एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख क्रियायें दी गयी हैं :

(i) आबंटन (ii) उत्पादन
(iii) वितरण (iv) स्थायीकरण

मसग्रेव के अनुसार उपरोक्त में कौन सी क्रिया में सरकार के कार्य क्षेत्र में आती है।

(a) (i) तथा (ii) (b) (i), (ii) तथा (iii)
(c) (i) (iii) तथा (iv) (d) उपरोक्त चारों

Ans. : (b) – मसग्रेव के अनुसार एक अर्थव्यवस्था में सरकार के कार्य क्षेत्र में निम्न क्रियाएं आती है-
1. उत्पादन 2. वितरण 3. आबंटन।

23. लाफर वक्र का स्वरूप कैसा होता है?

(a) U आकार का (b) उल्टे U आकार का
(c) L आकार का (d) J आकार का

Ans. : (b) – आय कर की दर की संरचना के संबंध में आर्थर लाफर का कहना है कि कर की सीमांत दर एक है। इसे लाफर ने एक वक्र द्वारा समझाया है-

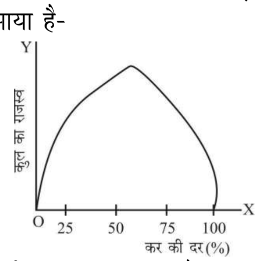

इस वक्र के आकार से यह पता चलता है कि कर की सीमांत दर के शून्य होने पर कर राजस्व भी शून्य है। और जब कर की सीमांत दर 100% हो जाती तब उस स्थिति में भी कर राजस्व शून्य हो जाता है।

24. निम्नलिखित में कौन सी विशेषता सार्वजनिक वस्तुओं में नहीं पायी जाती है?

(a) गैर-स्पर्धात्मकता (b) गैर-बहिष्करणात्मकता
(c) प्रतिद्वन्दिता (d) मुफ्त-सैर

Ans. : (c) – सार्वजनिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और इनकी पूर्ति समाज के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है। इन वस्तुओं का संयुक्त उपभोग होता है अर्थात् इनके संबंध में अपवर्जन सिद्धांत (Exclusion Principle) प्रतिद्वन्द्विता का नियम (Rivalness) का नियम लागू नहीं होता है इस प्रकार सार्वजनिक वस्तुओं का सभी लोग समान रूप से करते है, चाहे उनसे इसके लिए भुगतान किया हो या न किया हो।

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

25. कथन (A) :राष्ट्र की सुरक्षा एक सार्वजनिक वस्तु है।
कारण (R) :देशवासी विदेशी आक्रमण के विरुद्ध सुरक्षित होना चाहते हैं।

कूट :

(a) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।
(b) दोनों (A) तथा (R) सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) कथन (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) कथन (A) गलत है, पर (R) सही है।

Ans. : (d) – राष्ट्र की सुरक्षा करना देश के सभी नागरिकों का कर्तव्य है। अतः राष्ट्र की सुरक्षा एक सार्वजनिक वस्तु है, सही है परन्तु देशवासी सिर्फ विदेशी आक्रमण के विरूद्ध ही सुरक्षित होना नहीं चाहते है बल्कि आंतरिक अनेक कारण है, जिनसे सुरक्षित होना चाहते है, जैसे- लूट-मार, हत्या, अकाल, स्वास्थ्य सुविधाएं, परिवहन की पहुंच, भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, अपहरण इत्यादि अनेक जिनसे सुरक्षित होना चाहते है।

26. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

समूह - I	समूह - II
(a) राजस्व घाटा	(i) RBI से प्राप्त सरकारी ऋण
(b) राजकोष घाटा	(ii) राजस्व व्यय-राजस्व आय
(c) प्राथमिक घाटा	(iii) राजकोषीय घाटा-ब्याज का भुगतान
(d) मौद्रीकृत घाटा	(iv) कुल व्यय- गैर ऋण आय

कूट :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

Ans. : (a) – राजस्व घाटा - राजस्व व्यय- राजस्व आय
राजकोषीय घाटा - कुल व्यय - गैर ऋण आय
प्राथमिक घाटा - राजकोशीय घाटा- ब्याज का भुगतान
मौद्रीकृत घाटा - R.B.I. से प्राप्त सरकारी ऋण।

27. यदि किसी वस्तु की मांग की लोच उसकी पूर्ति की लोच से अधिक होती है, तो :

(a) कर भार विकेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर अधिक पड़ेगा
(b) कर भार विक्रेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर कम पड़ेगा
(c) कर भार क्रेताओं और विक्रेताओं पर समान रूप से पड़ेगा
(d) कर भार का विवर्तन नहीं किया जा सकता है

Ans. : (b) – यदि किसी वस्तु की मांग की लोच उसकी पूर्ति की लोच से अधिक होती है, तो कर भार विक्रेताओं की अपेक्षा क्रेताओं पर कम पड़ेगा।

28. जब उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति 0.75 हो, तो सन्तुलित बजट गुणांक का मूल्य कितना होगा :

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

Ans. : (d) – उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति MPC = 0.75

$$K = \frac{1}{1-\text{MPC}}$$

बजट गुणक = $= \frac{1}{1-0.75}$

$= \frac{1}{0.25}$ $\left[\frac{100}{25} = 4\right]$

$= 4$

संतुलित बजट गुणांक मूल्य = 4

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : **व्यापार की आय शर्तों में सुधार केवल यह इंगित करता है कि एक देश अपने निर्यात के द्वारा पहले से अधिक मात्रा में आयात कर सकता है।**

कारण (R) : **व्यापार की आय शर्तों में परिवर्तन को व्यापार से लाभ का सूचक नहीं माना जा सकता है।**

कूट :
(a) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।
(b) दोनों (A) तथा (R) सही है पर (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(c) कथन (A) सही है पर (R) गलत है।
(d) कथन (A) सही है, पर (R) सही है।

Ans. : (c) – व्यापार की शर्ते उस दर को बताती है जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय होता है। व्यापार की आय शर्ते किसी देश के नियातों में परिवर्तन के अनुपात में उसकी परिवर्तित होती हुई आयात क्षमता को प्रदर्शित करता है। व्यापार की आय शर्तों में सुधार यह इंगित करता है कि एक देश अपने निर्यात के द्वारा पहले से अधिक मात्रा में आयात कर सकता है। व्यापार की आय शर्तों में परिवर्तन को व्यापार से लाभ का सूचक माना जाता है।

व्यापार की आय शर्ते $(T_y) = T_c . Q_x$

$$T_y = \frac{p_x}{p_m} . Q_x$$

जहां T_c = वस्तु विनिमय व्यापार- शर्ते
Q_x = निर्यात मात्रा

30. लिओनतीफ के अध्ययन के अनुसार :

(a) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका पूँजी गहन वस्तुओं का निर्यात करता था
(b) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका श्रम गहन वस्तुओं का निर्यात करता था।
(c) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका श्रम गहन वस्तुओं का आयात करता है।
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

Ans. : (b) – हैक्शर-ओलिन मॉडल के सत्यापन के संदर्भ में पहला व्यापक प्रत्यय लियोनटिफ ने 1951 में किया था लियोनटिफ अपने अध्ययन के आधार पर इस विरोध मूलक निष्कर्ष पर पहुंचा कि यद्यपि बाकी दुनिया के मूकाबले संयुक्त राज्य अमेरिका में पूंजी की सापेक्ष तथा बड़ी मात्रा और श्रम की सापेक्षतया थोड़ी मात्रा है, फिर भी अमरीका ने श्रम गहन वस्तुओं का निर्यात और पूंजी गहन वस्तुओं का आयात किया। इस निष्कर्ष को लियोनटिफ विरोधाभास कहा जाता है।
Page= 75, झिंगन Inyrtnatinal Eco.

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और सही कूट छांटियेः

31. अनुकूलतम तट कर सिद्धान्त के अनुसार :

(i) जितना एक देश का विदेशी व्यापार का हिस्सा होता है, उतना ही अनुकूलतम तट कर परिवर्तन की सम्भावना अधिक होती है
(ii) जितना सापेक्ष मूल्य परिवर्तनों का मांग व पूर्ति पर प्रभाव अधिक होता है, उतना देश को अनुकूलतम तट कर नीचा रखना चाहिये।
(iii) यदि दूसरे देश की मूल्य लोच अधिक है तो एक देश को तट कर परिवर्तन से लाभ कम होगा।
(iv) जब तक दूसरे देश की 'आफर' वक्र की लोच इकाई के बराबर या उससे कम है, एक देश तट कर में वृद्धि कर सकता है।

कूट :
(a) (i) तथा (ii) सही है
(b) (i), (ii) तथा (iii) सही है।
(c) (i) (iii) तथा (iv) सही है
(d) उपरोक्त चारों सही है

Ans. : (c) – अनूकूलतम तट कर के अनुसार-
1. जितना एक देश का विदेशी व्यापार का हिस्सा होता है उतना ही अनुकूलतम तट कर परिवर्तन की संभावना अधिक होती है।
2. यदि दूसरे देश की मूल्य लोच अधिक है तो एक देश को तट कर परिवर्तन से लाभ कम होगा।
3. जब तक दूसरे देश की 'ऑफर' वक्र की लोच इकाई के बराबर या उससे कम है, एक देश तट कर में वृद्धि कर सकता है।

32. निम्नलिखित समूहों में मेल बिठाइये तथा सही कूट का चयन कीजिए :

समूह - I	**समूह - II**
(a) केन्द्र परिधि सिद्धान्त	(i) मार्शल
(b) साधन अनुपात प्रमेय	(ii) हैक्शर ओहलिन
(c) पारस्परिक मांग	(iii) राउल प्रेबिश
(d) अधिरेक निकास सिद्धान्त	(iv) ऐल्सवर्क
	(v) जे. वाईनर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(v)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(v)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

Ans. : (a) –
केन्द्र-परिधि सिद्धांत - राउल प्रेबिश
साधन अनुपात प्रमेय - हैक्शर-ओहलिन
पारस्परिक मांग - मार्शल
अधिरेक निकास सिद्धांत - जे. बाइनर।

33. यदि मांग की सीमान्त प्रवृत्ति 0.8 है तथा आयात की सीमान्त प्रवृत्ति 0.3 है तो निर्यात में 100 रु. की स्वायत वृद्धि राष्ट्रीय आय में कितनी वृद्धि करेगी :
(a) 100 रु. (b) 200 रु.
(c) 300 रु. (d) 400 रु.

Ans. : (*)

34. मुण्डेल माडल के अनुसार एक देश को :
(a) बाह्य संतुलन प्राप्ति हेतु मौद्रिक नीति का प्रयोग करना चाहिये
(b) आन्तरिक संतुलन के लिये मौद्रिक नीति का प्रयोग करना चाहिए
(c) बाह्य संतुलन की प्राप्ति के लिये राजकोषीय नीति का प्रयोग करना चाहिये
(d) विनिमय नियन्त्रण का प्रयोग करना चाहिये न कि मौद्रिक अथवा राज कोषीय नीति का

Ans. : (b) – आंतरिक और बाह्य संतुलन के लिए मौद्रिक और राजकोषीय नीति के प्रभावी प्रयोग का मुण्डेल का नियम है जिसे वह प्रभावी बाजार वर्गीकरण सिद्धांत कहते है। मुण्डेल मॉडल के अनुसार आंतरिक संतुलन प्राप्त करने के एक देश को मौद्रिक नीति का प्रयोग करना चाहिए।
Page- 278, झिंगन Inyrtnatinal Eco.

35. 2002-03 के बजट में तट करो की उच्चतम दर को किस सीमा तक घटाया गया है?
(a) 20% (b) 25%
(c) 30% (d) 35%

Ans. : (d) – 2002-03 के बजट में तट करो की उच्च दर को 35% तक घटाया गया है।

36. भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का अंश :
(a) लगभग 40% है (b) लगभग 45% है
(c) लगभग 50% है (d) लगभग 55% है

Ans. : (b) – भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का अंश 45% है। (प्रश्नकाल के अनुसार)। 2015-16 के अनुसार GDP में सेवा क्षेत्र का अंश 66.1% है।

37. हरित क्रान्ति के विषय में नीचे लिखे कथनों में से कौन सही है?
(a) हरित क्रान्ति भूमि सुधारों से हुई
(b) हरित क्रान्ति HYV बीजों के उपयोग से हुई
(c) हरित क्रान्ति उर्वरकों के बढ़ते प्रयोग से हुई
(d) उपरोक्त सभी सही है

Ans. : (d) – भारत में हरित क्रांति 1966-67 को हुई। हरित क्रांति का प्रभाव निम्न हुआ -
1. हरित क्रांति भूमि सुधारों से हुई।
2. हरित क्रांति HYV बीजों के उपयोग से हुई।
3. हरित क्रांति उर्वरकों के बढ़ते प्रयोग से हुई।

38. सही कूट चुनिए :
कथन (A) : भारत में सुधारोत्तर काल अन्तर्राज्यीय विषमताएँ बढ़ी हैं।
कारण (R) : औद्योगिक लाइसेन्स व्यवस्था जो धनी राज्यों में उद्योगों के संकेन्द्रण को बाधित करती थी, 8 को समाप्त कर दिया गया है।
कूट :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

Ans. : (b) – भारत में सुधारोत्तर काल में अन्तर्राज्यीय विषमताएं बढ़ी है। यह कथन सही है। आर्थिक सुधारोपरान्त औद्योगिक लाइसेन्स व्यवस्था जो धनी राज्यों में उद्योगों के संकेन्द्रण को बाधित करती थी, 8 को समाप्त कर दिया गया है। अतः दोनों कथन R सही है, लेकिन सही स्पष्टीकरण नहीं है

39. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छाँटिये :

समूह - I	समूह - II
(a) रंगराजन समिति	(i) कर सुधार
(b) नरसिंहन् समिति	(ii) बीमा सुधार
(c) केलकर समिति	(iii) अनिवेश
(d) मलहोत्रा समिति	(iv) वित्तीय क्षेत्र सुधार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

Ans. : (a) – रंगराजन समिति - अनिवेश
नरसिंह्न समिति - वित्तीय क्षेत्र सुधार
केलकर समिति - कर सुधार
मल्होत्रा समिति - बीमा सुधार।

40. इनमें से किस वर्ष में भारत के चालू खाते (BOP) में आधिक्य था?
(a) 1998-99 (b) 1999-2000
(c) 2000-2001 (d) उपर्युक्त कोई नहीं

Ans. : (c) – भारत के चालू खाते में (BOP) अधिक्य 2000-2001 में था।

41. पिछले तीन वर्षों में, इनमें से किन देशों के साथ भारत को व्यापार आधिक्य था?
(a) यू.एस.ए. (b) रूस
(c) यू.के. (d) जापान

कूटः

(a) a तथा b (b) a तथा c

(c) b तथा c (d) c तथा d

Ans. : (b) – पिछले तीन वर्षों में (प्रश्नकाल के दौरान) यू.एस.ए. तथा यू.के. देशों के साथ भारत को व्यापार अधिक्य था।

42. केन्द्र सरकार के सम्पूर्ण कर राजस्व में प्रत्यक्ष करों का अंश आजकल कितना है?

(a) लगभग 17% (b) लगभग 27%

(c) लगभग 33% (d) लगभग 37%

Ans. : (d) – केन्द्र सरकार के सम्पूर्ण कर राजस्व में प्रत्यक्ष करों का अंश आजकल 37% (प्रश्नकाल के समय) है।

43. ब्याज भुगतान आजकल केन्द्र सरकार के राजस्व व्यय काः

(a) लगभग 15% अंश है (b) लगभग 25% अंश है

(c) लगभग 30% अंश है (d) लगभग 35% अंश है

Ans. : (b) – ब्याज भुगतान आजकल केन्द्र सरकार के राजस्व व्यय का लगभग 25% अंश है।

44. जब दो समय- श्रेणियों के उतार-चढ़ाव ऋणात्मक सहसंबंधित हों, तब :

(a) प्रवृत्ति भी उसी दिशा में हो सकती है

(b) प्रवृत्ति विपरीत दिशा में हो सकती है

(c) प्रवृत्ति अनुपस्थित है

(d) एक सार्थक प्रवृत्ति आंकलन करना कठिन है

Ans. : (b) – जब दो समय-श्रेणियों के उतार-चढ़ाव ऋणात्मक सहसम्बन्धित हो, तब प्रवृत्ति विपरीत दिशा में हो सकती है।

45. कथन (A) : बहुसंख्यक प्रतिदर्श के लिए माध्य के परीक्षण के लिए मानक प्रसामान्य बंटन का प्रयोग किया जा सकता है।

कारण (R) : जब मूल्य समष्टि का प्रसामान्य बंटन हो, तब उस समष्टि से निकाल प्रतिदर्श का t-बंटन (t-डिस्ट्रीब्यूशन) होता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(b) (A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R) सही स्पष्टीकरण है।

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

Ans. : (c) – बहुसंख्यक प्रतिदर्श के लिए माध्य के परीक्षण के लिए मानक प्रसामान्य बटन का प्रयोग किया जा सकता है। यह कथन सही है।

जब मूल्य समष्टि का प्रसामान्य बंटन हो, तब उस समष्टि से निकाले प्रतिदर्श का t - बंटन नहीं होता है।

46. दो विकल्पों X तथा Y का प्रत्याशित मूल्य एक समान है लेकिन Y का प्रसरण X के प्रसरण से अधिक है। एक ऐसा व्यक्ति जो X के मुकाबले Y को चुनता है, वह :

(a) जोखिम- प्रेमी है (b) जोखिम -विमुख है

(c) जोखिम-उदासीन है (d) सट्टेबाज है

Ans. : (b) – दो विकल्पों x तथा y का प्रत्याशित मूल्य एक समान है लेकिन y का प्रसरण x के प्रसरण से अधिक है। एक ऐसा व्यक्ति जो x के मुकाबले y को चुनता है, वह जोखिम-विमुख है।

47. इनमें से कौन प्रतिदर्श आबंटन नहीं है :

(a) मानक प्रसामान्य बंटन

(b) पॉयसन बंटन

(c) t- बंटन

(d) Y^2 -बंटन

Ans. : (a) – मानक प्रसामान्य बंटन प्रतिदर्श आबंटन नहीं है, शेष अन्य प्रतिदर्श आबंटन है।

48. दो घटनाओं A और B के लिए P(A या B)=P(A)+P(B), तब सत्य है, जब :

(a) A और B स्वतंत्र घटनाएं हैं

(b) A और B एक साथ हो सकती है

(c) A और B परस्पर अपवर्जित घटनाएं हैं

(d) ऊपर में कोई सही नहीं है

Ans. : (c) – दो घटनाओं Aऔर B के लिए P, (A या B) = P (A)+P (B) तब सत्य है जब A और B परस्पर अपवर्जित घटनाएं है।

48. निम्नलिखित में मेल बिठाइये तथा दिये गये कूट से सही उत्तर छांटिये :

समूह - I	समूह - II
(a) अल्पसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	(i) काई-वर्ग सांख्यिक
(b) बहुसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	(ii) t- सांख्यिक
(c) स्वतंत्रता का परीक्षण	(iii) F- सांख्यिक
(d) प्रसरणों का तुलनात्मक परीक्षण	(iv) Z सांख्यिक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans. : (c) –

अल्पसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	- t - सांख्यिक
बहुसंख्य प्रतिदर्श में माध्य-परीक्षण	- z -सांख्यिक
स्वतंत्रता का परीक्षण	- काई-वर्ग सांख्यिक
पसरणों का तुलनात्मक परीक्षण	- f- सांख्यिक

50. X पर Y की और Y पर X की प्रतीपगमन रेखाएं एक दूसरे को :

(a) मूल बिन्दु पर काटती है

(b) $\overline{X}, \overline{Y}$ पर काटती है

(c) X - अक्ष पर काटती है

(d) Y - अक्ष पर काटती है

Ans. : (b) – x पर y की और y पर x की प्रतीपगमन रेखाएं एक-दूसरे को $\overline{x}, \overline{y}$ पर काटती है।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2005
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यदि मदों के एक सेट में प्रत्येक मद का अपना एक निश्चित स्थान हो तब वहः

(a) कमजोर क्रमण है
(b) सशक्त क्रमण है
(c) (a) तथा (b) दोनों सही हैं
(d) उपरोक्त में से कोई सही नहीं है

Ans. (b) : यदि मदों के एक सेट में प्रत्येक मद का अपना एक निश्चित स्थान हो तब वह सशक्त क्रमण (strong ordering) होता है। इसका उल्लेख 'प्रो. सैम्युल्शन' अपने 'प्रकट अधिमान सिद्धान्त' में करते हैं।

2. बैरोमैट्रिक नेतृत्व का निहितार्थ है :

(a) कम कीमत फर्म का नेतृत्व
(b) उच्च कीमत फर्म का नेतृत्व
(c) सर्वाधिक अनुभवी फर्म का नेतृत्व
(d) न्यूनतम अनुभवी फर्म का नेतृत्व

Ans. (c) : अल्पाधिकारी बाजार में फर्मों की संख्या कम होती है और वे अपने लाभ को अधिकतम करना चाहती है जिससे वे आपस में एक संघ बना लेती है जिसमें एक नेता को चुनती हैं जो कीमत का निर्धारण करता है। सर्वाधिक अनुभवी फर्म को बैरोमैट्रिक फर्म कहते हैं।

3. सीमित मूल्य निर्धारण के साईलोस मॉडल में मांग की लोचः

(a) ऐकिक लोच (b) पूर्णरूपेण अलोच
(c) पूर्णरूपेण लोच (d) अस्थिर

Ans. (a) : 'साईलोस लाबिनी' के 'सीमा कीमत निर्धारण' मॉडल में मांग की लोच इकाई के बराबर होती है।

4. रिज लाइन वह बिन्दु पथ है जहाँ समुचित साधन की सीमान्त उत्पादकता हैः

(a) एक के बराबर (b) शून्य के बराबर
(c) एक से अधिक (d) एक से कम

Ans. (b) : रिज लाइन विभिन्न बिन्दुओं का वह बिन्दुपथ होता है जिस पर सम्पूर्ण साधनों की सीमान्त उत्पादकता शून्य (0) होती है। रिज रेखाएँ उत्पादन क्षेत्र की तकनीकी सीमाओं का निर्धारण करती हैं कोई भी उत्पादक इससे बाहर उत्पादन नहीं करता है।

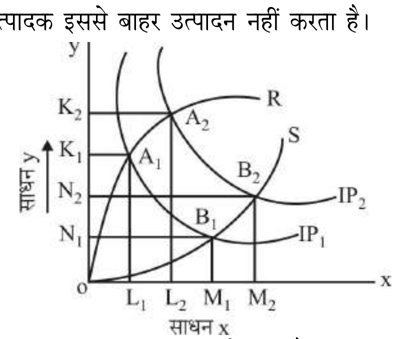

उपरोक्त चित्र में OR, OS रिज रेखायें हैं।

5. उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम का संबंध किससे है?

(a) जे.एम. केन्स (b) मिलटन फ्रिडमैन
(c) जे.आर. ड्युसेनबरी (d) एफ. मोडीग्लियानी

Ans. (a) : उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम का सम्बन्ध जे.एम. केन्स से है। केन्स कहते हैं कि जब आय में वृद्धि होती है तो उपभोग में भी वृद्धि होती है परन्तु उपभोग में होने वाली वृद्धि आय में होने वाली वृद्धि की तुलना में कम होती है। आय में होने वाली वृद्धि उपभोग तथा बचत में बँट जाती है।

$$\boxed{\Delta y = \Delta c + \Delta s}$$

Δy = आय में वृद्धि
Δc = उपभोग में वृद्धि
Δs = बचत में वृद्धि

6. केन्स के अनुसार रोजगार का स्तर निर्भर करता हैः

(a) समग्र माँग पर
(b) समग्र आपूर्ति पर
(c) माँग एवं आपूर्ति का संतुलन
(d) प्रभावी माँग

Ans. (d) : केन्स के अनुसार अर्थव्यवस्था में रोजगार का स्तर उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है तथा कुल उत्पादन की मात्रा प्रभावपूर्ण मांग पर निर्भर करती है अर्थात् रोजगार की मात्रा प्रभावपूर्ण मांग पर निर्भर करती है। पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में प्रभावपूर्ण मांग अथवा समर्थ मांग में कमी से बेरोजगारी उत्पन्न होती है।
केन्स के अनुसार जिस बिन्दु पर समग्र मांग एवं समग्र पूर्ति वक्र एक-दूसरे को काटते हैं वहीं रोजगार के सन्तुलन स्तर का निर्धारण एवं प्रभावपूर्ण मांग का बिन्दु होता है।

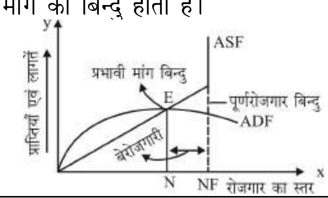

7. यदि मुद्रा की आपूर्ति $\overline{M}$ के बराबर है तथा मुद्रा के लिए मांग ky - hi द्वारा दी गई है, तब ब्याज दर (i) के परिप्रेक्ष्य में LM का समीकरण होगा :

(a) $i = \frac{k}{h}y - \frac{\overline{M}}{h}$ (b) $i = \frac{k}{h}y + \frac{\overline{M}}{h}$
(c) $i = ky + \overline{M}$ (d) $i = ky - \overline{M}$

Ans. (a) : मुदा आपूर्ति $= \overline{M}$
मुद्रा की मांग $= ky - hi$
सन्तुलन अवस्था में मुद्रा की मांग = मुद्रा की पूर्ति

$$\overline{M} = ky - hi$$
$$hi = ky - \overline{M}$$
$$\boxed{i = \frac{ky}{h}\ y - \frac{\overline{M}}{h}}$$

यह ब्याज पर i के परिपेक्ष में LM वक्र का समीकरण है।

8. गुणक तथा प्रवर्धक के बीच अंतरव्यवहार अनवरत चक्रिक उतार-चढ़ाव उत्पन्न करता है, यह किसने कहा है?

(a) हैरोड - डोमार (b) कालडर - मिरलिस
(c) सैमुएल्स - हिक्स (d) जॉन - रोबिन्स - स्राफा

Ans. (*) : हिक्स एवं सैम्युल्सन के व्यापार चक्र का सिद्धान्त गुणक एवं त्वरक की परस्पर अन्तर्क्रिया पर आधारित है जिसमें वे बताते हैं कि गुणक तथा प्रवर्धक (त्वरक) के बीच अन्तरव्यवहार अनवरत चक्रिक उतार-चढ़ाव को उत्पन्न करता है।

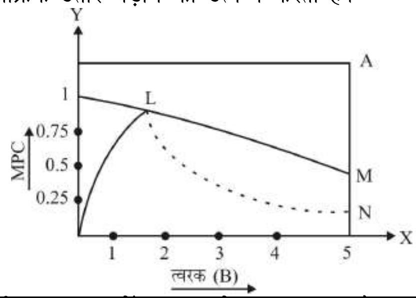

9. वर्तमान समय में HDI को मापा जाता है :

(a) स्वतंत्रतावादी परिपेक्ष्य (b) आदर्शवादी परिपेक्ष्य
(c) अधिप्राप्ति परिपेक्ष्य (d) वंचनकारकारी परिपेक्ष्य

Ans. (c) : वर्तमान समय में HDI को अधिप्राप्ति परिप्रेक्ष से मापा जाता है।

10. आतिवादियों के लिए विकास तथा अल्पविकास है :

(a) आनुक्रमिक (b) सह उपस्थित
(c) सह जातिय (d) सह अंक

Ans.(b): अतिवादियों के लिए विकास तथा अल्पविकास सहउपस्थित है।

11. IRR ह्रास की वह दर है जो बनाती है :

(a) PVC = PVB (b) PVC > PVB
(c) PVC < PVB (d) $PVB/PVC > 1$

Ans. (a) : IRR ह्रास की वह दर है जो PVC = PVB बनाती है।

12. निम्नलिखित में से कौन सा स्थाई अवस्था वृद्धि के अनुरूप नहीं है?

(a) हैरोड तटस्थता (b) हिक्स तटस्थता
(c) हैरोड अतटस्था (d) हिक्स अतटस्थता

Ans. (a) : हैरोड तटस्थता स्थायी अवस्था वृद्धि के अनुरूप नहीं है।

13. वास्तविक 'छुरी की धार' समस्या से अभिप्राय है :

(a) $g_n \neq g_w$
(b) g_n और g_w की स्वतंत्रता
(c) g_n और g_w की अस्थिरता
(d) स्वयं g_w की अस्थिरता

Ans. (c) : वास्तविक छूरी धार समस्या से अभिप्राय यह है कि g, gw, gn में अत्यधिक अस्थिरता पायी जाती है। पूर्णरोजगार सन्तुलन के लिए g = gw = gn होना चाहिए जो कि 'छूरी धार के सन्तुलन' की स्थिति है एक बार यदि अर्थव्यवस्था इस मार्ग से दूर हटती है तो पुनः वापस नहीं आती है।

14. भारत के प्रथम वित्त आयोग का गठन किसकी अध्यक्षता में किया गया था?

(a) के.सी. नियोगी (b) के. सन्थानम
(c) ए.के. चन्दा (d) सी. रंगराजन

Ans. (a) : भारत में प्रथम वित्त आयोग का गठन के. सी. नियोगी की अध्यक्षता में वर्ष 1951 में हुआ था।

15. भारत के संविधान के प्रावधानों के अंतर्गत निम्नलिखित में कौन सा केन्द्रीय वित्त में आय का स्त्रोत नहीं है?

(a) निगम कर (b) सीमा शुल्क अधिभार
(c) आयकर (d) भू-राजस्व

Ans. (d) : भू-राजस्व पर राज्य सरकार द्वारा कर लगाया जाता है तथा वसूल किया जाता है अतः यह भारतीय संविधान के प्रावधानों के अन्तर्गत केन्द्रीय वित्त में आय का स्रोत नहीं है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रनियम एडम स्मिथ से संबंधित है?

(a) लोच का प्रनियम (b) उत्पादकता का प्रनियम
(c) निश्चितता का प्रनियम (d) समीचीनता का प्रनियम

Ans. (c) : निश्चितता का सिद्धान्त एडमस्मिथ द्वारा दिया गया है।

17. स्वर्ण मानकों के अंतर्गत, निम्नलिखित में से किसके परिवर्तन द्वारा भुगतान संतुलन में स्वयं समायोजन लाया जाता है?

(a) कीमतों का सामान्य स्तर
(b) विनिमय की दरें
(c) कीमतों का सामान्य स्तर तथा विनिमय की दरें
(d) आय

Ans. (b) : स्वर्ण मानकों के अन्तर्गत विनिमय की दरों में परिवर्तन करने से निर्यात में वृद्धि एवं आयात में कमी लाया जा सकता है जिससे किसी देश का भुगतान सन्तुलन देश के अनुकूल हो जाता है।

18. नवीन उद्योग नीति का प्रमुख बल _______ की अधिकतम भागीदारी आमंत्रित करता है।

(a) सार्वजनिक क्षेत्र (b) स्टॉक क्षेत्र
(c) निजी क्षेत्र (d) बैंक

Ans. (c) : नवीन औद्योगिक नीति 1991 के आर्थिक उदारीकरण जो विशेष रूप से LPG Model (Liberlization, Globlization, Privatization) पर आधारित थी जिसका प्रमुख उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के हिस्से को कम करना तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना था।

19. वर्ष 2003–04 में निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय राज्य गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक था?

(a) पंजाब (b) हरियाणा
(c) उत्तर प्रदेश (d) मध्य प्रदेश

Ans. (c) : वर्ष 2003–04 में उत्तर प्रदेश गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक था।

20. यदि दो चरों के बीच सहसंबंध गुणांक-1 के बराबर है, तो ये चर _______ है।

(a) असहसंबंधित (b) औसत दर्जे के सहसंबंधित
(c) उच्चस्तरीय सहसंबंधित (d) पूर्ण रूप में सहसंबंधित

Ans. (*) : यदि दो चरों के बीच सहसम्बन्ध गुणांक का मान (−1) हो तो ये पूर्णरूप से नकारात्मक सहसम्बन्धित होंगे। सहसम्बन्ध गुणांक का मान (−1 से +1) के बीच में होता है।

−1, +1 ⇒ पूर्ण रूप से सहसम्बन्धित
0 ⇒ दोनों चर आपस में स्वतन्त्र हैं अर्थात् कोई सहसम्बन्ध नहीं होगा।
± 0.75 ⇒ उच्चस्तरीय सहसम्बन्धित

21. निम्न में से कौन प्रायिकता प्रतिचयन है?

(a) सुविधा प्रतिचयन (b) सोद्देश्यात्मक प्रतिचयन
(c) क्रमबद्ध प्रतिचयन (d) कोटा प्रतिचयन

Ans. (c) : क्रमबद्ध प्रतिचयन में सबसे पहले समग्र को एक क्रम में व्यवस्थित कर लेते हैं उसके पश्चात् उसमें से यादृच्छिक रूप से प्रतिदर्श का चुनाव करते हैं अतः क्रमबद्ध प्रतिचयन प्रायिकता प्रतिचयन का एक रूप है।

निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें तथा प्रश्न से 22 से 26 के उत्तर इस उद्धरण के आधार पर दें–

संयुक्त राज्य अमेरिका का वास्तविक घरेलू सकल उत्पाद पिछले 40 वर्षों में 3% की औसत दर से बढ़ा। इस वृद्धि को कैसे समझा जा सकता है? वह एक ऐसी तकनीक का विकास जिसे वृद्धि लेखपाल कहा जा सकता है और जो उत्पादन में वृद्धि को तीन अलग-अलग स्त्रोतों में विभाजित करती है : पूंजी में वृद्धि; श्रम में वृद्धि और प्राद्योगिकी में प्रगति। इसे समझने के लिए, हम उत्पादन फलन को लिखें, $Y = A \cdot F(K, L)$

जहाँ A निवर्तमान प्रोद्योगिकी के स्तर का एक माप है, जिसे संपूर्ण साधन उत्पादकता कहा जाता है। अब उत्पादन में वृद्धि इस प्रकार आर्थिक वृद्धि की समीकरण बन जाती है :

$$\frac{\Delta Y}{Y} = \propto \cdot \frac{\Delta K}{K} + (1-\propto)\frac{\Delta L}{L} + \frac{\Delta A}{A}$$

उत्पादन में वृद्धि दर = पूंजी का योगदान + श्रम का योगदान + संपूर्ण साधन उत्पादकता में वृद्धि

जबकि $\propto$ पूंजी का तथा $(1-\propto)$ श्रम का उत्पादन में हिस्सा है। चूंकि संपूर्ण साधन उत्पादकता प्रत्यक्ष रूप से प्रेक्षणीय नहीं है, अतः इसे अप्रत्यक्ष रूप से मापा जाता है। हम संपूर्ण साधन उत्पादकता में वृद्धि को इस प्रकार अभिकलित (compute) कर सकते हैं जिससे आर्थिक वृद्धि में सभी का योग गणना में आ जाये।

$\frac{\Delta A}{A}$ उत्पादन में वह बदलाव बताता है जिसे आगतों (inputs) में बदलाव से नहीं आंका जा सकता। $\frac{\Delta A}{A}$ को रॉबर्ट सोलो के नाम पर अक्सर सोलो अवशेष भी कहा जाता है क्योंकि सर्वप्रथम सोलो ने ही बताया था कि इसका अभिकलन कैसे किया जाय।

संपूर्ण साधन उत्पादकता में बदलाव कई कारणों से हो सकता है। ये बदलाव बहुत या उत्पादन के तरीकों के विषय में ज्ञान में वृद्धि से आते हैं और सोलो अवशेष को अक्सर प्रोद्योगिकीय प्रगति को मापने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तथापि, शिक्षा तथा सरकारी विनियमन (government regulation) जैसे अन्य कारक भी संपूर्ण साधन उत्पादकता को प्रभावित करते हैं।

22. A इसका माप है–

(a) प्रोद्योगिकी में बदलाव
(b) पूंजी की उत्पादकता में बदलाव
(c) श्रम की उत्पादकता में बदलाव
(d) संपूर्ण साधन उत्पादकता

Ans. (d) : Note – 22–26 तक के उत्तर का स्त्रोत पैसेज है। सम्पूर्ण साधन उत्पादकता का माप है।

23. आगतों (inputs) में बिना किसी बदलाव के यदि A में 1% वृद्धि हो तो उत्पादन में वृद्धि होगी–

(a) 1 प्रतिशत (b) 1 प्रतिशत से अधिक
(c) 1 प्रतिशत से कम (d) एक अनिश्चित प्रतिशत

Ans. (a) : आगतों में बिना किसी बदलाव के यदि A में 1% वृद्धि हो तो उत्पादन में भी 1% की वृद्धि होगी।

24. सोलो अवशेष है–

(a) A (b) $\frac{\Delta A}{A}$
(c) $\propto \frac{\Delta K}{K}$ (d) $(1-\propto)\frac{\Delta L}{L}$

Ans. (b) : $\frac{\Delta A}{A}$ सोलो अवशेष है।

25. सोलो अवशेष इनका माप है–

(a) संपूर्ण साधन उत्पादकता (b) तकनीकी प्रगति
(c) अज्ञान की मात्रा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : सोलो अवशेष तकनीकी प्रगति का माप है।

26. नवीन वृद्धि सिद्धान्त का मुख्य बल इस पर है–

(a) $\frac{\Delta A}{A}$ के स्त्रोतों का कूटवाचन (deciphering)
(b) नियो-केन्सीय वृद्धि सिद्धान्त का खंडन
(c) कनवर्जेंस का स्पष्टीकरण
(d) डाइवर्जेंस का स्पष्टीकरण

Ans. (a) : नवीन वृद्धि सिद्धान्त का मुख्य बल $\frac{\Delta A}{A}$ के स्त्रोतों का कूटवाचन (deciphering) है।

27. निवेश आउटपुट के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(i) केन्स का सिद्धान्त
(ii) गतिवर्धक का सिद्धान्त
(iii) गतिवर्धक का लचीला सिद्धांत
(iv) टोबिन का क्यू सिद्धांत

कूट :

(a) (iv) (i) (ii) (iii)
(b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

Ans. (c) : निवेश आउटपुट के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(i) कीन्स का सिद्धान्त
(ii) गतिवर्धक का सिद्धान्त
(iii) गतिवर्धक का लचीला सिद्धान्त
(iv) टोबिन का क्यू सिद्धांत

28. भारतीय बजट के अध्ययन के लिए निम्नलिखित अवधारणों को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) आय का घाटा (ii) बजटीय घाटा
(iii) वित्तीय घाटा (iv) प्राथमिक घाटा

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (ii) (iv) (i) (iii)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (d) : भारतीय बजट से सम्बन्धित घाटों का आरोही क्रम–
(iii) वित्तीय घाटा (i) आय का घाटा
(iv) प्राथमिक घाटा (ii) बजटीय घाटा
(i) वित्तीय घाटा = [(समग्र राजस्व प्राप्तियाँ + समग्र पूँजी प्राप्ति)–सार्वजनिक ऋण तथा अन्य देयतायें]–(समग्र व्यय)

(ii) आय घाटा = (समग्र राजस्व प्राप्तियाँ – समग्र राजस्व व्यय)
(iii) प्राथमिक घाटा = (राजकोषीय घाटा–ब्याज अदायगी)
(iv) बजटीय घाटा = (कुल प्राप्तियाँ–कुल व्यय)

29. क्षेत्रीय गुटों के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करे।

(i) आर्थिक संघ (ii) आम-बाजार
(iii) सीमा-शुल्क संघ (iv) खुला व्यापार क्षेत्र

कूट :

(a) (iii) (iv) (i) (ii)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (i) (ii) (iii) (iv)
(d) (iv) (iii) (ii) (i)

Ans. (d) : क्षेत्रीय गुटों के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(iv) खुला व्यापार क्षेत्र
(iii) सीमा-शुल्क संघ
(ii) आम-बाजार
(i) आर्थिक संघ

30. मुद्रा के लिए मांग के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) मुद्रा की एहनियाती मांग के लिए लेन-देन संबंधी मांग
(ii) मुद्रा के लिए अनुमानित मांग
(iii) मुद्रा के लिए सकल पसिम्पत्ति मांग
(iv) मुद्रा के लिए फ्रीडमैन द्वारा प्रस्तावित मांग

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (i) (ii)
(c) (ii) (iv) (iii) (i)
(d) (iii) (i) (ii) (iv)

Ans. (a) : मुद्रा के लिए मांग के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(i) मुद्रा की एहनियाती मांग के लिए लेन-देन संबंधी मांग
(ii) मुद्रा के लिए अनुमानित मांग
(iii) मुद्रा के लिए सकल पसिम्पत्ति मांग
(iv) मुद्रा के लिए फ्रीडमैन द्वारा प्रस्तावित मांग

31. जनगणना 2001 के अनुसार निम्नलिखित राज्यों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) महाराष्ट्र (ii) पश्चिम-बंगाल
(iii) उत्तर प्रदेश (iv) बिहार

कूट :

(a) (i) (iii) (ii) (iv)
(b) (iv) (ii) (i) (iii)
(c) (iii) (i) (iv) (ii)
(d) (ii) (iv) (iii) (i)

Ans. (c) : जनगणना 2001 के अनुसार घटते क्रम जनसंख्या वाले राज्य–
(iii) उत्तर प्रदेश
(i) महाराष्ट्र
(iv) बिहार
(ii) पश्चिम बंगाल

32. भुगतान में संतुलन के सिद्धान्त में निम्नलिखित को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) लोच उपागम
(ii) अवशोषण उपागम
(iii) एल.एम. तथा आई.एस. उपागम
(iv) मौद्रिक उपागम

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (iv) (i) (ii) (iii)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

Ans. (a) : भुगतान संतुलन के सिद्धान्त का आरोही क्रम–
(i) लोच उपागम
(ii) अवशोषण उपागम
(iii) I.S., L.M. उपागम
(iv) मौद्रिक उपागम

33. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें।

(i) (AAY) अन्त्योदय अन्न योजना
(ii) (SJSRY) स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना
(iii) (VAMBAY) बाल्मीकि अम्बेडकर आवास योजना
(iv) (IAY) ग्रामीण आवास - इन्दिरा आवास योजना

कूट :

(a) (ii) (iv) (i) (iii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (iii) (i) (iv) (ii)

Ans. (a) :
(iv) इन्दिरा आवास योजना (IAY) – 1999–2000
(iii) बाल्मीकि अम्बेडकर आवास योजना–Dec. 2001 (VAMBAY)
(ii) (SJSRY) स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना – 1997
(i) (AAY) अन्त्योदय अन्न योजना – Dec. 2000

34. दो पण्य-पदार्थों के बण्डलों पर कठोर रूप से उत्तल एवं एकलयी वरीयताओं को मानने पर यह लगता है कि बण्डल (10,18) तथा (6,30) के बीच उपभोक्ता तटस्थ है। निम्नलिखित बण्डलों पर विचार करें।

(i) (10,18) (ii) (8, 24)
(iii) (6, 29) (iv) (5, 18)

न्यूनतम वरीय से अधिकतम वरीय के क्रम में इन बण्डलों को व्यवस्थित करें।

कूट :

(a) (iv) (iii) (i) (ii)
(b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (iii) (iv) (i) (ii)
(d) (iv) (i) (iii) (ii)

Ans. (a)

35. मेल बैठाइए :

(A) डब्लू. डब्लू. रोस्टो (i) प्रभावी मांग
(B) रेगनर नर्क्स (ii) दुर्बल क्रम
(C) जे.आर. हिक्स (iii) संतुलित वृद्धि
(D) जे.एम. केन्स (iv) वृद्धि की अवस्थाएँ
(v) संरक्षणवाद

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(b)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(v)	(i)	(iv)

Ans. (c) :
(a) डब्लू. डब्लू. रोस्टो – वृद्धि की अवस्थाएँ
(b) रैगनर नर्क्स – संतुलित वृद्धि
(c) जे.एम. केन्स – प्रभावी मांग
(d) जे.आर. हिक्स – दुर्बल क्रम

36. मेल बैठाइए :

(A) डब्लू.जे. बॉमोल (i) एथिक्स आफ इकोनॉमिक्स
(B) बी. अहि्लन (ii) इण्टर-रीजनल एण्ड इण्टर-नेशनल ट्रेड
(C) गुन्नार मिर्डाल (iii) ऐन इन्क्वायरी इन्टू नेचर एण्ड कॉलेज ऑफ वेल्थ ऑफ नेशन्स
(D) ए.के. सेन (iv) एशियन ड्रामा
(v) इकोनॉमिक्स थिअरी एण्ड ऑपरेशन एनालिसिस

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(v)	(ii)
(b)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(ii)	(v)	(i)	(iv)

Ans. (b) :
(a) डब्लू.जे. बॉमोल – इकोनॉमिक्स थिअरी एण्ड ऑपरेशन एनालिसिस
(b) बी. अहि्लन – इण्टर-रीजनल एण्ड इण्टर-नेशनल ट्रेड
(c) गुन्नार मिर्डाल – एशियन ड्रामा
(d) ए.के. सेन – एथिक्स आफ इकोनॉमिक्स

37. मेल बैठाइए :

(A) करारोपण का प्रनियम (i) अल्फ्रेड मार्शल
(B) संरक्षणवाद (ii) मस्ग्रेव
(C) विभेदक घटना (iii) ए. काण्टिलोन
(D) माँग का लोच (iv) मर्केण्टीलिज्म
(v) एडम स्मिथ

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(d)	(v)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (d) :
(a) करारोपण का प्रनियम – एडम स्मिथ
(b) संरक्षणवाद – मर्केण्टीलिज्म
(c) विभेदक घटना – मश्ग्रेव
(d) माँग का लोच – अल्फ्रेड मार्शल

38. मेल बैठाइए :

(A) सापेक्षिक आय परिकल्पना (i) मिल्टन फ्रिडमैन
(B) स्थायी आय परिकल्पना (ii) जे. एम. केन्स
(C) पूँजी की सीमांत कार्यक्षमता (iii) डी. रिकार्डो
(D) तुलनात्मक कीमत फायदा (iv) जे. एस. ड्युसेनबरी
(v) आर. कैंटीलोन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (a) :
(a) सापेक्षिक आय प्राक्कल्पना – जे. एस. ड्युसेनबरी
(b) स्थायी आय परिकल्पना – मिल्टन फ्रिडमैन
(c) पूँजी की सीमांत कार्यक्षमता – जे. एम. केन्स
(d) तुलनात्मक कीमत फायदा – डी. रिकार्डो

39. मेल बैठाइए :

(A) वितरण का सीमांत उत्पादकता सीद्धान्त (i) मूल्य का श्रम सिद्धान्त
(B) तुलनात्मक लागत सिद्धान्त (ii) अतृत्पता का अनुमान
(C) तटस्थ वक्र विश्लेषण (iii) उत्पाद विभेद
(D) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा (iv) पूर्ण प्रस्पिर्धा
(v) तरलता की वरीयता

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans. (d) :
(a) वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त – पूर्ण प्रतिस्पर्धा
(b) तुलनात्मक लागत सिद्धान्त – मूल्य का श्रम सिद्धान्त
(c) तटस्थ वक्र विश्लेषण – अतृप्तता का अनुमान
(d) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा – उत्पाद विभेद

40. मेल बैठाइए :

(A) पूर्ण प्रतिस्पर्धा (i) मुद्रा की ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता
(B) बर्नोली का प्रमेय (ii) मजदूरी दर की लचक
(C) रोजगार का शास्त्रीय सिद्धान्त (iii) संसाधनों की पूर्ण गतिशीलता
(D) किराया संबंधी रिकार्डों का सिद्धान्त (iv) लचीली विनिमय दर ह्रासमान सीमान्त मुनाफा

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

Ans. (c) :
(a) पूर्ण प्रतिस्पर्धा – संसाधनों की पूर्ण गतिशीलता
(b) बर्नोली का प्रमेय – मुद्रा की ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता
(c) रोजगार का शास्त्रीय सिद्धान्त – मजदूरी दर की लचक
(d) किराया सम्बन्धी रिकार्डो का सिद्धान्त – ह्रासमान सीमान्त मुनाफा

41. **मेल बैठाइए :**

(A) टोबिन, जेम्स तथा नार्डोस विलियम — (i) प्रामाणिक विकास
(B) सेन, अमर्त्य के. — (ii) आर्थिक सम्पन्नता की माप
(C) गोउलेट डी. — (iii) मानव विकास प्रतिवेदन
(D) महबूब-उल-हक — (iv) विकास आजादी के रूप में
(v) चयनात्मक समतावाद

कूटः	**(A)**	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(v)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

Ans. (a) :

(a)	टोबिन, जेम्स तथा नार्डोस विलियम	–	आर्थिक सम्पन्नता की माप
(b)	सेन, अमर्त्य के.	–	विकास आजादी के रूप में
(c)	गोउलेट डी.	–	प्रामाणिक विकास
(d)	महबूब-उल-हक	–	मानव विकास प्रतिवेदन

42. **मेल बैठाइए :**

(A) स्थानापन्नता की ह्रासमान सीमांत दर — (i) द्वैध अर्थव्यवस्था मॉडल
(B) श्रम की सीमांतक उत्पादकता — (ii) पूँजीगत सकंट का मार्क्सवादी सिद्धान्त
(C) अनुपातहीनता तथा अल्प उपभोग — (iii) रिकार्डो द्वारा प्रतिपादित स्थिर अवस्था
(D) सार्वभौम ह्रासमान सीमांतक फलन — (iv) तटस्थ वक्र विश्लेषण
(v) चक्रीय प्रवाह

कूटः	**(A)**	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

Ans. (c) :

(a)	स्थानापन्नता की ह्रासमान सीमांत दर	–	तटस्थ वक्र विश्लेषण
(b)	श्रम की सीमांतक उत्पादकता	–	द्वैध अर्थव्यवस्था मॉडल
(c)	अनुपातहीनता तथा अल्प उपभोग	–	पूँजीगत सकंट का मार्क्सवादी सिद्धान्त
(d)	सार्वभौम ह्रासमान सीमांतक फलन	–	रिकार्डो द्वारा प्रतिपादित स्थिर अवस्था

ध्यान दें : इस प्रश्नपत्र के शेष प्रश्न कथन और कारण प्रकार के है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न के लिए नीचे दिये विकल्पों में से सही कूट चुनिए।

कूट :

(a) (A) और (A) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (A) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं हैं
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

43. **कथन (A) : यद्यपि किसी एक सैम्पुल के लिए $\overline{X}$ तथा $\frac{X_{min}}{X}$ दोनों जनसंख्या माध्य के अनभिनत आकलन हैं,**

कारण (R) : X_{min} की तुलना में $\overline{X}$ अधिक कार्यक्षम है।

Ans. (b)

44. **कथन (A) :** मानवपूँजी को बढ़ाने के लिए हमें सामाजिक क्षेत्र में अपने खर्च को बढ़ाने की आवश्यकता है।

कारण (R) : राज्य के क्रियाकलापों की वर्धनशीलता के वेग्नर्स के सिद्धान्त की यही माँग है।

Ans. (a) : एडोल्फ वैगनर अपने बढ़ते हुए राज्य की क्रियाओं के सिद्धान्त में कहते हैं कि सार्वजनिक व्यय में होने वाली वृद्धि की दर आर्थिक संवृद्धि दर की तुलना में अधिक होती है इसलिए मानव पूँजी को बढ़ाने के लिए सामाजिक क्षेत्र पर खर्च बढ़ाना पड़ेगा।

45. **कथन (A) : आजकल ज्ञान के उत्पादक प्रिमियम पर हैं।**

कारण (R) : आग्मेण्टेड कुजनेट्स कर्व की यह मान्यता है।

Ans. (b)

46. **कथन (A) : कर्ज के बढ़ते हुए बोझ के कारण कृषक आत्महत्या कर रहे हैं।**

कारण (R) : यदि उत्पादन फलन प्रथम डिग्री का समघात है तो $F(K,L)=\frac{\partial K}{K}K+\frac{\partial L}{L}L$

Ans. (a) : उत्पादन फलन के प्रथम डिग्री समघात होने का तात्पर्य यह है कि जिस अनुपात में आगत बढ़ाते हैं उसी अनुपात में निर्गत भी बढ़ता है। जिससे कृषकों को अपनी लागत ही मिल पाती है लाभ की मात्रा शून्य होती है वे लागत को उच्च ब्याज दर पर उधार लेकर लगाते हैं जिससे उनकी लागत बढ़ती जाती है जो आत्महत्या का कारण है।

47. **कथन (A) : भारत में सर्वाधिक वितरण प्रणाली (PDS) से उठाही घट गयी है।**

कारण (R) : सरकारी आकलनों के अनुसार भारत में गरीबी घट गयी है।

Ans. (a) : भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली से गरीबों को कम लागत पर अनाज मिल रहे हैं जिससे उनके जीवन यापन करने में आसानी हुई है और PDS से उठाही भी घटी है जिसके परिणामस्वरूप भारत में गरीबी का अनुपात घटा है।

48. **कथन (A) : अवमूल्यन एक देश के भुगतान संतुलन में घाटे को कम करने में सहायक है जबकि अन्य सभी चीजें वही रहें।**

कारण (R) : अवमूल्यन से निर्यातों के मूल्य कम होते हैं और आयातों के मूल्य बढ़ जाते हैं।

Ans. (a) : जानबूझकर देश की घरेलू मुद्रा के मूल्य को विदेशी मुद्रा के मूल्य के सापेक्ष कम करना ही अवमूल्यन है इसके परिणामस्वरूप घरेलू देश का आयात महंगा हो जाता है एवं निर्यात सस्ता हो जाता है जो कि देश के भुगतान सन्तुलन पर अनुकूल प्रभाव डालता है।

49. **कथन (A) :** एक विकाशील देश, जिसका वर्तमान उपभोग पर जोर हो, वह श्रम घनित तकनीकों को चुनेगा।

कारण (R) : कीमतों को कम रखने हेतु, एक देश उस उत्पादन कारक का घनित उपयोग चुनता है जिसकी उसके पास बहुलता हो।

Ans. (a)

50. **कथन (A) :** वैश्विक प्रति व्यक्ति आयों में अपसरण (divergence) हो रहा है।

कारण (R) : राष्ट्रों के बीच बचत दरें तथा जनसंख्या वृद्धि की दरें भिन्न-भिन्न हैं।

Ans. (d) : वैश्विक प्रति व्यक्ति आय = $\frac{\text{विश्व की कुल आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$

इसमें अपसरण नहीं हो रहा है। जबकि विश्व के विभिन्न राष्ट्रों के बीच जनसंख्या वृद्धि की दर तथा बचत की दरें भिन्न-भिन्न हैं।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2005
अर्थशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः–इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मेल बैठाइए :

समूह-I		समूह-II
(A) प्रगटित अधिमान सिद्धान्त	(i)	कार्ल मार्क्स
(B) अतिरिक्त मूल्य	(ii)	पाल एम. स्वीजी
(C) विकुंचित (किंकड़ू) मांग वक्र	(iii)	पी. ए. सैम्यूलसन
(D) नियंत्रित परमानंद बिन्दु	(iv)	एडम स्मिथ
	(v)	ए. बर्गसन

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

Ans. (d) :
(a) प्रगटित अधिमान सिद्धान्त - (iii) पी. ए. सैम्यूलसन
(b) अतिरिक्त मूल्य - (i) कार्ल मार्क्स
(c) विकुंचित मांग वक्र - (ii) पाल एम. स्वीजी
(d) नियन्त्रित परमानन्द बिन्दु - (v) ए. बर्गसन

2. उपभोग की गैर प्रतिद्वंदी वस्तुओं को कहते हैं :
(a) निजी वस्तुए (b) निशुल्क वस्तुए
(c) सार्वजनिक वस्तुए (d) गैर आर्थिक वस्तुए

Ans. (c) : सार्वजनिक वस्तुओं को गैर प्रतिद्वन्दी वस्तुएं कहते हैं क्योंकि इसमें कोई अपवर्जन और प्रदिद्वन्दिता नहीं पायी जाती है इन पर सबके उपभोग करने का बराबर का अधिकार होता है। किसी को इसके उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता है।

3. जब एक प्रतियोगी फर्म, उत्पादन बाजार में दीर्घकालीन संतुलन प्राप्त करती है तब :
(a) AR = MR (b) MR = AC
(c) MR = MC (d) मूल्य = AR

Ans. (b) : MR = AC होने पर प्रतियोगी फर्म दीर्घकालीन सन्तुलन को प्राप्त करती है क्योंकि इस दशा में फर्में अपने प्लाण्ट के आकार को बाजार की माँग दशाओं के अनुरूप समायोजित कर लेती हैं तथा फर्मों को सामान्य लाभ प्राप्त होता है।

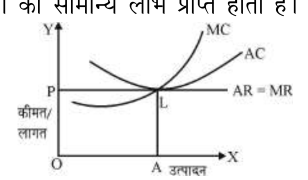

1. MR = MC
2. AR = AC
MR = MC = AR = AC

4. अल्पाधिकार के स्वीजी मॉडल के अन्तर्गत, मांग में वृद्धि, मांग वक्र के ऊपरी भाग को बनायेगी :
(a) अधिक लोचदार (b) कम लोचदार
(c) ऐकात्मक लोचदार (d) उपरोक्त से कोई नहीं

Ans. (b) : माँग में वृद्धि होने पर माँग वक्र कम लोचदार हो जाता है क्योंकि मूल्य में वृद्धि होने लगती है।

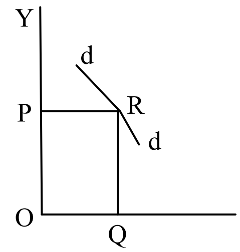

5. यह कथन कि कल्याणकारी अर्थशास्त्र का क्षतिपूर्ति सिद्धान्त विरोधी निष्कर्ष दे सकता है, इनके नाम से जुड़ा है :
(a) टी. सिटोवस्की (b) ए. परेटो
(c) ए. बर्गसन (d) पी.ए. सैम्यूलसन

Ans. (a) : अमेरिकी अर्थशास्त्री टी. सिटोवस्की कल्याण के दोहरे मापदण्ड के अपने सिद्धान्त में क्षतिपूर्ति सिद्धान्त का विरोधी निष्कर्ष देते हैं।

6. निम्न में से कौन-सा कारक, एक अल्पाधिकारी उद्योग में, अन्य फर्मों के प्रवेश को बाधित नहीं करेगा :
(a) वर्तमान फर्मों द्वारा भारी विज्ञापन व्यय
(b) पैमाने की बचतें
(c) टैक्नॉलाजी
(d) मांग में वृद्धि

Ans. (d) : अल्पाधिकारी उद्योग में फर्में अपने लाभ को अधिकतम करना चाहती हैं उत्पादों के मांग की अधिकता से फर्मों को लाभ होगा जिसको देखकर नयी फर्में प्रवेश करेंगी।

7. अनिश्चित परिणामों के बीच चयन करने वाला एक विवेकपूर्ण उपभोक्ता, अपना चयन करेगाः
(a) अपेक्षित मौद्रिक लाभों के आधार पर
(b) अपेक्षित उपयोगिता के आधार पर
(c) अपेक्षित कीमतों के आधार पर
(d) भविष्य में अपेक्षित आयों के आधार पर

Ans. (b) : एक विवेकपूर्ण उपभोक्ता अपने उपभोग का निर्धारण किसी वस्तु से प्राप्त होने वाली उपयोगिता के आधार पर करता है और उसी के बराबर कीमत का वहन करता है। कोई भी उपभोक्ता किसी वस्तु की उपयोगिता से अधिक कीमत नहीं देता है।

8. निम्न में से कौन, विक्रय लागत का भाग नहीं है?
(a) विक्रयकर्ता का वेतन (b) विज्ञापन पर किये गये व्यय
(c) यातायात लागत (d) सामान प्रदर्शन

Ans. (c) : यातायात लागत विक्रय लागत नहीं होती बल्कि यह एक प्रकार से साधन लागत है। विक्रय लागत का तात्पर्य उस लागत से होता है जिसमें कोई उत्पादक अपने तैयार उत्पाद को अधिक से अधिक मात्रा में बिक्री करने के लिए जो लागत वहन करता है।
जैसे–विज्ञापन व्यय, सामान प्रदर्शन पर व्यय

9. समग्र मूल्य स्तर का सर्वाधिक व्यापक माप है :

(a) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
(b) उत्पादक मूल्य सूचकांक
(c) सकल राष्ट्रीय उत्पाद अपस्फीतक
(d) थोक मूल्य सूचकांक

Ans. (d) : समग्र मूल्य स्तर का सर्वाधिक व्यापक माप थोक मूल्य सूचकांक द्वारा की जाती है। इस समय आधार वर्ष 2012 है।

10. कीन्स का अर्थशास्त्र अधिक बल देता है :

(a) मौद्रिक नीति पर
(b) राजकोषीय नीति पर
(c) ब्याज दर निर्धारण पर
(d) मुक्त व्यापार यन्त्रविन्यास पर

Ans. (a) : कीन्स का अर्थशास्त्र मौद्रिक नीति पर अधिक बल देता है। कीन्स अपने रोजगार सिद्धान्त में कहते है कि मुद्रा विनिमय के माध्यम के साथ-साथ मूल्य का संचय भी करती है जबकि क्लासिकल अर्थशास्त्री मुद्रा को तटस्थ मानते हैं।

11. उच्च शक्ति द्रव्य के उत्पादक है :

(a) व्यापारिक बैंक (b) सहकारी बैंक
(c) वित्त मंत्रालय (d) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

Ans. (d) : High Powred Money (उच्च शक्ति द्रव्य) का तात्पर्य उस मुद्रा से है जो आम जनता के पास विनिमय के लिए उपलब्ध होती है और इसका उत्पादक रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया होता है। R.B.I. ही इसकी मात्रा को घटा-बढ़ा सकता है।

$$H = C + RR + ER$$

H = High Powred Money
C = करेन्सी (नोट+सिक्के) जनता के पास
RR = आवश्यक जमा
ER = अतिरिक्त जमा

12. एक व्यक्ति जो अन्य कार्य तलाशने के लिये, काम छोड़ता है वह है :

(a) आंशिक रूप से बेरोजगार
(b) संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
(c) चक्रीय रूप से बेरोजगार
(d) श्रम शक्ति में सम्मिलित नहीं

Ans. (a) : एक व्यक्ति जो किसी अन्य कार्य की तलाश में किसी कार्य को छोड़ता है वह आंशिक रूप से बेरोजगार होता है क्योंकि उसको पुनः रोजगार मिलने की सम्भावना रहती है।

13. निम्न में से किस कथन से मिल्टन फ्रीडमैन असहमत होगा

(a) वास्तविक अर्थ व्यवस्था पर मौद्रिक नीति के थोड़े ही अल्पकालीन प्रभाव होते हैं।
(b) दीर्घकाल में, मुद्रा की आपूर्ति में परिवर्तन प्राथमिकरूप मूल्यस्तर को प्रभावित करते हैं।
(c) व्यापार चक्रों को निष्कोण (smooth) करने में, मौद्रिक नीति के सक्रिय उपयोग के लिये सीमित क्षेत्र है।
(d) व्यापार चक्रों को प्रभावी ढंग से निष्कोण (smooth) करने के लिये रिजर्व बैंक पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

Ans. (c) : मिल्टन फ्रीडमैन अपने सिद्धान्त में मुद्रा की मांग के वास्तविक चरों पर ध्यान देते हैं उनका मानना है कि मुद्रा की मांग का निर्धारण वास्तविक चरों द्वारा होता है न कि मौद्रिक चरों द्वारा।

$$\frac{Md}{p} = f\left(r_{m}, r_{b}, r_{e}, \frac{1}{p}\frac{dp}{dt}, y_{p}, w, u\right)$$

M_d = मुद्रा मांग का मौद्रिक स्तर
p = कीमत स्तर
r_m = मुद्रा पर प्रतिफल की दर
r_b = बाण्ड पर प्रतिफल की दर
r_e = इक्विटी पर प्रतिफल की दर
$\frac{1}{p}\frac{.dp}{dt}$ = कीमत स्तर में प्रत्याशित परिवर्तन की दर
y_p = स्थिर आय
v = रुचियाँ एवं अधिमान
w = गैर मानवीय रूप में रखी सम्पत्ति का मानवीय रूप में रखी सम्पत्ति से अनुपात

इसीलिए फ्रीडमैन व्यापार चक्रों को निस्कोण करने में मौद्रिक नीति के सक्रिय उपयोग के लिए सीमित क्षेत्र से असहमत हैं।

14. मुद्रा गुणक वांछित कोष अनुपात का गुणनात्मक प्रतिलोम तभी तक है जब तक कि :

(a) चलन और/अथवा विदेशी बाजारों में मुद्रा रिसाव नहीं होता है
(b) बैंक अतिरिक्त कोष नहीं रखते हैं
(c) वांछित कोष अनुपात, उन कोषों से ज्यादा है जिसे बैंक अपनी जमाओं के आधार पर रखना विवेकपूर्ण समझते हैं।
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d)

15. मुद्रा प्रसार तथा बेरोजगारी के बीच अदला-बदली (trade-off) स्थिर रहती है :

(a) स्टेग फ्लेशन की अवधि के दौरान
(b) जब मुद्रा प्रसार की अकर्मण्य दर अपरिवर्तित रहती है
(c) मन्द मांग की अवधि के दौरान
(d) दीर्घकाल में

Ans. (d) : मुद्रा प्रसार तथा बेरोजगारी के बीच अल्पकाल में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है परन्तु दीर्घकाल में फिलिप्स वक्र Y-अक्ष के सामान्तर हो जाता है इसके कारण दोनों के बीच trade-off समाप्त हो जाता है। मुद्रा पूर्ति में वृद्धि करने पर भी बेरोजगारी में कमी नहीं होती है।

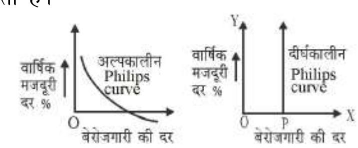

16. 'गरीबी का दुश्चक्र' प्रतिपादित किया था:

(a) ए. मार्शल द्वारा (b) जे.एम. कीन्स द्वारा
(c) रेग्नर नर्क्स द्वारा (d) एम. फ्रीडमैन द्वारा

Ans. (c) : गरीबी के दुश्चक्र का सिद्धान्त रैग्नर नर्क्स द्वारा दिया गया है ये बताते हैं कि ''एक देश गरीब है क्योंकि वह गरीब है।''

17. द्वितीय पंचवर्षीय योजना किसके द्वारा विकसित माडल पर आधारित थी?

(a) सी.एच. हनुमंतराव (b) पी.सी. महालोनोबिस
(c) ए.के. सेन (d) के.एन. राज

Ans. (b) : द्वितीय पंचवर्षीय योजना 'पी. सी. महानलोबिस' के मॉडल पर आधारित थी इसमें उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया था।

18. **असीमित श्रम पूर्ति सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया था:**
(a) जे.एम. कीन्स द्वारा (b) रार्बट सोलोव द्वारा
(c) ऐ. लेविस द्वारा (d) रॉय हेरोड द्वारा

Ans. (c) : असीमित श्रम पूर्ति का सिद्धान्त 'आर्थर लेविस' द्वारा प्रतिपादित किया गया है।

19. **हैरोड-डोमर माडल के अन्तर्गत यदि आय की वृद्धि दर 5% है और पूंजी उत्पाद अनुपात 3% है तो बचत दर होगी**
(a) 5% (b) 3%
(c) 8% (d) 15%

Ans. (d) : वास्तविक वृद्धि दर $G=\frac{S}{C} \Rightarrow S = G.C$

S = बचत की दर
C = पूँजी उत्पाद अनुपात (3%)
G = 5%
$\therefore S = G.C = 5 \times 3$
S = 15%

20. **प्रतिव्यक्ति पूंजी कम हो जाती है प्रति व्यक्ति निवल विनियोगः**
(a) जनसंख्या वृद्धि दर से कम है
(b) जनसंख्या वृद्धि से अधिक है
(c) प्रति व्यक्ति बचतों से अधिक है
(d) प्रति व्यक्ति बचतों से कम है

Ans. (a) : प्रति व्यक्ति पूँजी = $\frac{\text{कुल निबल विनियोग}}{\text{कुल व्यक्ति}}$

यदि प्रति व्यक्ति निबल विनियोग में होने वाली वृद्धि की दर जनसंख्या में होने वाली वृद्धि की दर की तुलना में कम होगा तो प्रति व्यक्ति पूँजी की मात्रा कम हो जायेगी। अतः उत्तर (a) सही है।

21. **नव-परम्परावादी विकास माडल में, सीमान्त बचत प्रवृत्ति में वृद्धि :**
(a) प्रति व्यक्ति स्थिर अवस्था उत्पादन में वृद्धि करती है
(b) स्थिर अवस्था उत्पादन विकास दर में वृद्धि करती है
(c) प्रति व्यक्ति स्थिर-अवस्था पूंजी में वृद्धि करती है
(d) (A) तथा (C) दोनों

Ans. (c) : नवपरम्परावादी अर्थशास्त्री यह मानते हैं कि बचत की सीमान्त प्रवृत्ति $\left(MPS=\frac{\Delta S}{\Delta i}\right)$ में वृद्धि होने पर निबल निवेश में वृद्धि होगी जिससे आय में वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप प्रतिव्यक्ति स्थिर-अवस्था पूँजी में वृद्धि होगी। अतः विकल्प (c) सही है।

22. **दसवीं पंचवर्षीय योजना में गरीबी घटाने का लक्ष्य है:**
(a) 2% (b) 5%
(c) 8% (d) 9%

Ans. (b) : दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002–2007) में गरीबी को 5% तक करने का लक्ष्य रखा गया था।

23. **केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भाग हैं, केन्द्रीय सरकार कीः**
(a) गैर कर आय के (b) कर आय के
(c) पूंजी प्राप्तियों के (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : सरकार विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर (tax) लगाती है उससे जो आय प्राप्त होती है उसे कर (tax) योग्य आय कहते हैं। अतः केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कर (tax) योग्य आय है।

24. **'नल चालन' (Pump priming) का प्रयोग किया जाना चाहिये :**
(a) मुद्रा प्रसार के समय (b) मुद्रा संकुचन के समय
(c) पूर्णप्रसार के समय (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : मुद्रा संकुचन के समय deflation की स्थिति आ जाती है जिससे वस्तुओं की बिक्री कम हो जाती है बेरोजगारी बढ़ जाती है इस स्थिति में RBI बाजार में प्रसारवादी मौद्रिक नीति अपनाती है जिसे यहाँ पर 'नल चालन' (Pump Priming) कहा गया है अतः विकल्प (b) सही है।

25. **वैट (VAT) लगाया जाता है:**
(a) उत्पादन के अंतिम चरण पर
(b) उत्पादन के प्रथम चरण पर
(c) सीधे उपभोक्ताओं पर
(d) उत्पादन तथा उपभोग के बीच प्रत्येक चरण पर

Ans. (d) : VAT का शाब्दिक अर्थ मूल्यवर्धित कर से है यह उत्पादन तथा उपभोग के बीच के प्रत्येक चरण पर बढ़ी हुई कीमत पर लगाया जाता है।

26. **सीमान्त कर-दर की अस्थायी वृद्धि :**
(a) रोजगार में वृद्धि करेगी (b) उत्पादन में वृद्धि करेगी
(c) घाटे को बढ़ायेगी (d) उत्पादन में कमी करेगी

Ans. (d) : उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई पर लगने वाले कर की दर को सीमान्त-कर की दर कहते हैं। कर की सीमान्त दर में वृद्धि होने पर उत्पादन लागत में वृद्धि होने लगती है जिससे लाभ घटने लगता है परिणामस्वरूप उत्पादन में कमी होने लगती है। अतः विकल्प (b) सही है।

27. **उत्तराधिकार में प्राप्त धन पर कर उदाहरण है :**
(a) बिक्री कर का (b) आयकार का
(c) सम्पत्ति कर का (d) वाट (VAT) का

Ans. (c) : सम्पत्ति व्यक्तियों को उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त होती है अतः यह उत्तराधिकार में प्राप्त धन पर कर का उदाहरण है।

28. **जब सरकार का व्यय, उसकी कुल प्राप्तियों अधिक हो जाती है, तो बजटीय घाटा होता है:**
(a) धनात्मक (b) ऋणात्मक
(c) शून्य (d) अनिर्धारित

Ans. (b) : जब सरकार की कुल आय उसके कुल व्यय से अधिक हो तो सरकार अपने व्यय को पूरा करने के लिए ऋण लेती है जिससे घाटा उत्पन्न होता है जिससे बजटीय घाटा होता है। बजटीय घाटा ऋणात्मक होने पर सरकार का व्यय उसकी आय से अधिक होता है।

29. **लेफर वक्र सम्बंध प्रदर्शित करता है :**
(a) मुद्रा प्रसार और नामीय ब्याज दर के बीच
(b) कर-दर तथा कुल आय कर के बीच
(c) वास्तविक ब्याज दर तथा विनियोग मांग के बीच
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : लेफर वक्र कर की दर तथा कर से प्राप्त होने वाली आय के बीच के सम्बन्ध को बताता है। यह कर की ऐसी विशिष्ट दर को बताता है जिससे प्राप्त होने वाली आय अधिकतम होती है। यह उल्टे 'U' आकृति का होता है।

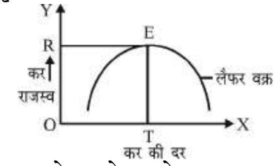

इस कर की विशिष्ट दर से घटाने बढ़ाने पर कर राजस्व घटने लगता है।

30. बाजार शक्तियों द्वारा किसी एक वर्ष में, रुपये की विनिमय दर प्रति यू.एस. डालर रु. 44 से परिवर्तित होकर रु. 46 हो जाती है। इसका अभिप्राय है :

(a) रुपये की मूल्य वृद्धि
(b) रुपये का मूल्य ह्रास
(c) रुपये का अवमूल्यन
(d) विनिमय की दर लगभग वही रहती है

Ans. (c) : रुपये का अवमूल्यन का तात्पर्य जानबूझकर रुपये के मूल्य को डालर के सापेक्ष कम करना है। अतः विकल्प (c) सही है।

31. निम्न में मेल बैठाइये :

समूह-I	समूह-II
(A) शिशु उद्योग तर्क	(i) एडम स्मिथ
(B) साधन मूल्य समता प्रमेय	(ii) जी वॉन हैरबलर
(C) अवसर लागत का सिद्धान्त	(iii) फ्रेडरिक लिस्ट
(D) निरपेक्ष लागत लाभ	(iv) हैक्सचर ओहलिन
	(v) डी. रिकार्डो

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(v)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(v)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans. (c) :

(a) शिशु उद्योग तर्क	(iii) फ्रेडरिक लिस्ट
(b) साधन मूल्य समता प्रमेय	(iv) हैक्सचर ओहलिन
(c) अवसर लागत का सिद्धांत	(ii) हैबरलर
(d) निरपेक्ष लागत लाभ	(i) एडम स्मिथ

32. अवमूल्यन, अन्य बातें समान रहने पर, किसी देश के भुगतान संतुलन को बदतर कर देगा, यदि अवमूल्यन कर्ता देश के आयातों तथा निर्यातों की लोचः

(a) एक से अधिक है
(b) एक से कम है
(c) एक के बराबर है
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : अवमूल्यन का किसी देश के भुगतान सन्तुलन पर पड़ने वाला प्रभाव घरेलू देश के आयात की मांग की लोच पर निर्भर करता है यदि आयात के मांग की लोच लोचदार (एक से अधिक) हो तो भुगतान संतुलन अनुकूल होगा। यदि $e_x + e_m > 1$ तो भुगतान संतुलन अनुकूल होगा।
$e_x + e_m < 1$ तो भुगतान संतुलन प्रतिकूल होगा।
e_x = निर्यात की मांग लोच
e_m = आयात की मांग लोच

33. व्यापार शर्तों में चक्रीय ह्रास की संकल्पना को सर्वप्रथम प्रस्तुत किया थाः

(a) रॉल प्रेबिश ने
(b) जे.एम. कीन्ज ने
(c) एडम स्मिथ ने
(d) जे.एस. मिल ने

Ans. (a) : व्यापार शर्तों में चक्रीय ह्रास की संकल्पना सर्वप्रथम रॉल प्रेबिश ने प्रस्तुत किया।

34. ब्रेटनवुडस व्यवस्था, विश्व स्तर पर , अंतिम रूप से ध्वस्त हो गई थीः

(a) 1970 में
(b) 1971 में
(c) 1972 में
(d) 1973 में

Ans. (b) : ब्रेटनवुडस व्यवस्था अन्तिम रूप से 1971 में ध्वस्त हो गयी।

35. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का हैक्सर-ओहलिन, सिद्धान्त भागीदारी देशों में व्यापार के आविर्भाव को समझाता है जिसका आधार है :

(a) अंतः क्षेत्रीय व्यापार
(b) अपूर्ण प्रतियोगी
(c) अन्तर क्षेत्रीय व्यापार
(d) रूचि एवंम टेक्नौलॉजी में परिवर्तन

Ans. (c) : हैक्सचर-ओहलिन के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त आधुनिक व्यापार का सिद्धान्त कहा जाता है। ये अपने सिद्धान्त में बताते हैं कि दो देशों के बीच व्यापार उत्पादन लागतों में अन्तर के कारण उत्पन्न होता है और यह अन्तर उत्पादन के साधनों की मात्रा पर निर्भर करता है। इनके प्रस्तुत सिद्धान्त का आधार अन्तरक्षेत्रीय व्यापार है।

36. योजना आयोग के अनुसार, भारत में (1999-2000) गरीबी अनुपात का अनुमान था :

(a) 30 प्रतिशत
(b) 40 प्रतिशत
(c) 26.9 प्रतिशत
(d) 28.9 प्रतिशत

Ans. (c) : योजना आयोग के अनुसार भारत में 1999–2000 में 26.9% गरीबी थी।

37. भारत में नवीन कृषि रणनीति (हरित क्रांति) लागू की गई थीः

(a) वर्ष 1969 में
(b) वर्ष 1966 में
(c) वर्ष 1970 में
(d) वर्ष 1960 में

Ans. (b) : भारत में हरित क्रान्ति तृतीय पंचवर्षीय योजना 1966 में लागू की गयी।

38. निम्नांकित में किस क्षेत्र को दसवीं योजना व्यय में सर्वाधिक आबंटन किया गया हैः

(a) ऊर्जा
(b) परिवहन
(c) ग्रामीण विकास
(d) सामाजिक सेवाएं

Ans. (a) : 10वीं पंचवर्षीय योजना में सर्वाधिक व्यय ऊर्जा पर हुआ था।

39. भारत में नई आर्थिक नीति लागू की गई थीः

(a) 1981में
(b) 1971 में
(c) 1991 में
(d) 2001 में

Ans. (c) : भारत में नई आर्थिक नीति 1991 से लागू की गयी।

40. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 1995-98 की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का सकल पूंजी निर्माण प्रतिशत निम्न थाः

(a) 21 प्रतिशत
(b) 30 प्रतिशत
(c) 24 प्रतिशत
(d) 28.7 प्रतिशत

Ans. (b) : आर्थिक सर्वेक्षण 1995-98 के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद का सकल पूँजी निर्माण से प्रतिशत 28.7% था।

41. भारत में 2002-2003 नई वर्ष के लिये विनिवेश का लक्ष्य थाः

(a) रु. 16,000 करोड़
(b) रु. 20,000 करोड़
(c) रु. 12,000 करोड़
(d) रु. 15,000 करोड़

Ans. (c) : भारत में 2002–03 के लिए 12000 रु. करोड़ विनिवेश का लक्ष्य रखा गया था।

42. नवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में घरेलू बचत दर थी :

(a) 23.31 प्रतिशत (b) 30.31 प्रतिशत
(c) 25.31 प्रतिशत (d) 26.41 प्रतिशत

Ans. (d) : नवीं पंचवर्षीय योजना (1997 - 2002) के दौरान घरेलू बचत की दर 26.41% थी।

43. बृहद द्रव्य (M_3) की भारत में वर्ष 2001-02 में आपूर्ति में निम्नांकित वृद्धि हुईः

(a) 6.8 प्रतिशत (b) 5.6 प्रतिशत
(c) 14.2 प्रतिशत (d) 19.3 प्रतिशत

Ans. (d) : वृहद मुद्रा (M_3) की भारत में वर्ष 2001-02 में 19.3% की वृद्धि दर्ज की गयी।

44. 100 प्रक्षणों के एक प्रतिदर्श के आधार पर x और y के मध्य सहसंबंध गुणांक शून्य के लगभग पाया गया/अतः

(a) x और y निश्चित रूप से असंबंधित हैं।
(b) x और y के मध्य रेखीय संबंध
(c) x और y के मध्य परस्पर गैर-रेखीय संबंध हो सकता है।
(d) x और y के मध्य मिथ्या सहसंबंध है।

Ans. (c): यदि दो चरों के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक का मान शून्य (0) होता है तो वे एक-दूसरे से असहसम्बन्धित (स्वतन्त्र) होते हैं और यदि 0 से 1 के बीच में होता है तो गैर-रेखीय सहसम्बन्ध होगा। यदि सहसम्बन्ध का मान (± 1) होगा तो वे एक-दूसरे रेखीय सहसम्बन्धित होंगे।

45. सरल यादृच्छिक प्रतिचयन के अन्तर्गत, जब प्रतिदर्श आमाप बढ़ाया जाता है, तो :

(a) नैकायिक त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है लेकिन प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण घटता है।
(b) नैकायिक त्रुटियों का परिमाण घटता है लेकिन प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है।
(c) नैकायिक तथा प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण घटता है।
(d) नैकायिक तथा प्रतिदर्शिक दोनों त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है।

Ans. (a) : सरल यादच्छिक प्रतिचयन (Simple Random Sampling) बढ़ाया जाता है तो नैकायिक त्रुटियों का परिमाण बढ़ता है परन्तु Sample error प्रतिदर्शिक त्रुटियों का परिमाण घटता है।

46. निहित सकल घरेलू उत्पाद अप्रसारक होता है :

(a) चालू वर्ष भारित सूचकांक
(b) आधार वर्ष भारित सूचकांक
(c) (a) तथा (b) का समांतर माध्य
(d) (a) तथा (b) का ज्यामितीय माध्य

Ans. (b) : आधार वर्ष भारित सूचकांक पर निहित सकल घरेलू उत्पाद (GDP) अप्रसारक होता है।

47. A तथा B परस्पर अपवर्जी घटनाएं हैं। निम्नांकित पर विचार करें :

(A) $P(A \cup B) = P(A) + P(B)$
(B) $P(A \cup B) = P(A) \times P(B)$
(C) $P(A \cap B) = 0$
(D) A तथा B आपस में स्वतंत्र घटनाएं हैं। सही कूट चनें:

(a) (a) और (b) ही सत्य हैं।
(b) (b) और (c) ही सत्य हैं।
(c) (c) और (d) ही सत्य हैं।
(d) (a) और (c) ही सत्य हैं।

Ans. (d) : परस्पर अपवर्जी घटनायें वे होती हैं जो एक साथ नहीं घटित हो सकती हैं जैसे–किसी सिक्के को अगर उछाला जाता है तो या तो Head आयेगा या Tell

यदि घटनायें A एवं B हों तो–

$\Rightarrow P(A \cup B) = P(A) + P(B)$

$\Rightarrow P(A \cap B) = 0$

48. यादृच्छिक चर है :

(a) एक स्वतन्त्र चर
(b) एक अन्तर्जात चर
(c) यादृच्छिकरूप से चुना गया मूल्य
(d) प्रकृति की अवस्थाओं का फलन

Ans. (a) : यादृच्छिक चर (Random Variable) से तात्पर्य एक स्वतन्त्र चर से होता है।

49. निम्न वितरणों पर विचार कीजिये :

(a) z-वितरण (b) t-वितरण
(c) बायनामियल वितरण (d) F-वितरण

उपरोक्त में से कौन प्रतिदर्शी वितरण नहीं है?

(a) केवल (a) (b) केवल (c)
(c) (a) तथा (b) दोनों (d) (a) तथा (d) दोनों

Ans. (b) : (Bionomial destribution) बायोनमियल वितरण का प्रयोग प्रतिदर्श वितरण (Sample destribution) में नहीं होता बल्कि z, t, F वितरण का प्रयोग होता है।

50. निम्नलिखित में मेल बैठाइये :

समूह-I जांच करने के लिये	**समूह-II** हम निम्न का उपयोग करते हैं
(A) विदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य	(i) t-वितरण
(B) अविदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य	(ii) F-वितरण
(C) प्रसरणों की तुलना	(iii) X^2-वितरण
(D) एक आक्षेप की समंजन सुष्ठता	(iv) z- वितरण

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

Ans. (c) :

(a) विदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य	(iv) z- वितरण
(b) अविदित प्रसरण के सहित समष्टि माध्य	(i) t-वितरण
(c) प्रसरणों की तुलना	(ii) F-वितरण
(d) एक आक्षेप की समंजन सुस्ठता	(iii) X^2-वितरण

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2006
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सार्वजनिक वस्तुओं की बाजार मांग समग्र योग द्वारा प्राप्त की जाती है, क्योंकि सार्वजनिक वस्तुऐं :

(a) निशुल्क वस्तुएँ होती है

(b) उनकी पूर्ति असीमित होती है

(c) उनके उपयोग में प्रतिरोधी नहीं होता

(d) उनका स्वामित्व सार्वजनिक क्षेत्र में होता है

Ans. (c) : सार्वजनिक या सामाजिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है, जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और यह समुदाय के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है तथा इनके सम्बन्ध में अपवर्जन सिद्धांत (Exclusion Principle) लागू नहीं होता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते है। किसी को भी इनके उपभोग से वंचित नहीं किया जा सकता है, चाहे वह इसके लिए भुगतान कर रहा हो या नहीं। इसको निम्न रेखाचित्र से स्पष्ट कर सकते है-

मान लीजिए Z सार्वजनिक वस्तु की कुल मात्रा है तथा Z_a = A का उपभोग तथा Z_b = B का उपभोग। चूंकि कुल उपभोग का बंटवारा नहीं होगा, सभी बराबर रुप से उपभोग करेंगे तथा उपभोग के संबंध में दोनों में परस्पर प्रतिद्वन्द्विता नहीं है अतः-

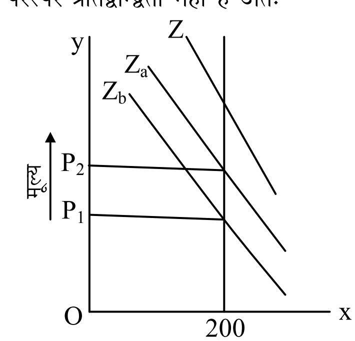

Z_a तथा Z_b को लम्बीय रूप से जोड़कर Z वक्र जो सार्वजनिक वस्तु की मांग प्रदर्शित करता है, प्राप्त किया जाता है।

2. मेल बैठाइएः

समूह-I	**समूह-II**
(A) चार उपभोक्ता अधिक्य	(i) डेविड रिकार्डो
(B) भेदात्मक लगान	(ii) जे. आर. हिक्स
(C) प्रवेश निषेध मूल्य	(iii) पी.ए. सैम्यूलसन
(D) मजबूत क्रमबद्धता	(iv) जे. एस. बेन
	(v) आर. माल्थस

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

Ans. (b) : (a) चार उपभोक्ता आधिक्य- जे. आर. हिक्स

(b) भेदात्मक लगान- डेविड रिकार्डो

(c) प्रवेश निषेध मूल्य- जे. एस. बेन

(d) मजबूत क्रमबद्धता- सैम्युलसन

3. मार्शल के मांग वक्र को प्रगटित अधिमान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है यदि निम्नलिखित में से किसी एक की उपेक्षा कर दी जायः

(a) मूल्य प्रभाव (b) आय प्रभाव

(c) प्रतिस्थापन प्रभाव (d) मांग प्रभाव

Ans. (b) : प्रो. सेमुएलसन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण मांग के सिद्धांत के संबंध में एक युगांतरकारी घटना के रूप में स्वीकार किया जाता है। क्योंकि इसने मांग के सिद्धांत का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रों के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यात्मक या क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाये हुए प्रत्यक्षरूप रूप से व्यक्त अधिमान के आधार पर किया।

सेमुएलसन यह प्रतिपादित करते है कि बाजार में उपभोक्ता अपने वास्तविक व्यवहार के ही माध्यम से यह व्यक्त कर देता है कि वह संस्थिति या अधिकतम संतुष्टि की स्थिति में 'वस्तुओं के विभिन्न संयोगों में से किस क्रय के संदर्भ में होगा।

4. यदि दो वस्तुएँ अनपयुक्त प्रतिस्थायी हैं तो तटस्थता वक्रः

(a) एक सीधी रेखा होगा

(b) सीधी रेखा के समीप होगा

(c) समकोण के समीप होगा

(d) ऊपर की ओर झुकता होगा

Ans. (c) : जब दोनों वस्तुयें पूर्णतया पूरक हो तो तटस्थता वक्र समकोणीय या 'L' आकार का होगा। क्योंकि दोनों वस्तुओं के बीच प्रतिस्थापन की संभावना ही समाप्त हो जाती है।

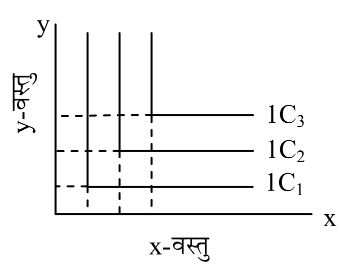

5. **दिये गये मूल्यों पर उपलब्ध साधन आगतों पर कुल परिव्यय प्रतिबिंबित होता है :**

(a) सम-आगम रेखा द्वारा (b) सम-लागत रेखा द्वारा
(c) सम-उत्पति रेखा द्वारा (d) उत्पति संभावना वक्र द्वारा

Ans. (c) : सम उत्पाद वक्र उत्पादन के दो साधनों के उन संभावित संयोगों को प्रदर्शित करता है जिसके प्रयोग से उत्पादक को समान उत्पादन प्राप्त होता है। अतः इनको सममात्रा वक्र (Iso Quants) भी कहते है। चूंकि इनके बीच चुनाव करने में उत्पादक तटस्थ होगा, इसलिए इन वक्रों को तटस्थता वक्र भी कहते है।

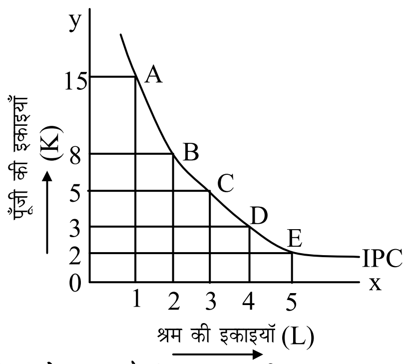

रेखाचित्र से स्पष्ट है कि कलम की 100 इकाइयों प्राप्त करने के लिए A बिन्दु पर फर्म 1 श्रम तथा 15 पूंजी, B बिन्दु पर 8 पूंजी व 2 श्रम, C बिन्दु पर 5 पूंजी व 3 श्रम, D पर 3 पूंजी व 4 श्रम, E पर 2 पूंजी व 5 श्रम का प्रयोग कर रही है। इन विभिन्न बिन्दुओं A, B, C, D, E से होकर जाने वाला वक्र को सममात्रा वक्र कहते है।

6. **द्विधाधिकार के स्टेकलबर्ग माडल के अन्तर्गत यदि दोनों विक्रेता अनुगामी होकर कार्य करें तो प्राप्त होता है:**

(a) कुर्नो हल
(b) विक्रेताओं के मध्य मूल्य-युद्ध
(c) असंतुलन की स्थिति
(d) विक्रेताओं के मध्य सांठ गांठ

Ans. (b) : द्विअधिकार माडल के अन्तर्गत स्टेकलबर्ग ने प्रतिक्रिया वक्रो का प्रयोग किया, जो कि उत्पादन प्रतिक्रिया वक्र है। प्रतिक्रिया वक्र विक्रेता की स्वयं की प्रतिक्रिया को बताता है, जो उसके प्रतिद्वन्द्वी की क्रिया के परिणाम स्वरूप होता है। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते है-

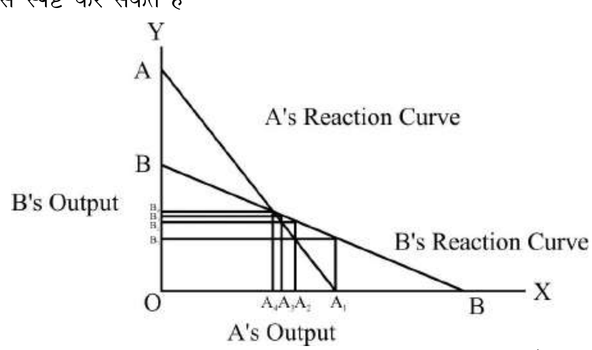

दोनों प्रतिक्रिया वक्र एक-दूसरे को जिसे बिन्दु पर काटते है, वही संतुलन कीमत एवं उत्पादन का निर्धारण होता है।

7. **प्रगटित अधिमान सिद्धान्त की पूर्व सिद्धान्तों पर अच्छाई यह है कि यह उपभोग्ता व्यवहार की बगैर संदर्भ व्याख्या करता है:**

(a) उपयोगिता के (b) उपभोक्ता की आय के
(c) उपभोक्ता अधिमानों के (d) विवेक मान्यता के

Ans. (a) : व्यक्त या प्रकटित अधिमान सिद्धांत का प्रतिपादन सेमुएलसन ने 1948 में किया। सेमुएलसन का व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण उपभोक्ता के वास्तविक व्यवहार पर आधारित है। इन्होने अपने सिद्धांत का प्रतिपादन बिना अनधिमान वक्रो के प्रयोग तथा उपयोगिता के बिना संख्यात्मक का क्रमवाचक माप को विश्लेषण में लाये हुए प्रत्यक्षरूप में व्यक्त अधिमान के आधार पर किया।

8. **एक उपभोक्ता का उपयोगिता फलन उपलब्ध किसी एक वस्तु के उपभोग की मात्राओं में एक स्वरीय रूप से वृद्धि कर रहा है। यह उपयोगिता फलन सदैव ही होगा:**

(a) एक नतोदार फलन
(b) एक दृढतः अर्ध-नतोदर फलन
(c) एक दृढतः नतोदर फलन
(d) एक रेखीय फलन

Ans. (d) : एक उपभोक्ता का उपयोगिता फलन उपलब्ध किसी एक वस्तु के उपभोग की मात्राओं में एक स्वरीय रूप से वृद्धि कर रहा है तो यह उपयोगिता फलन एक रेखीय फलन होगा।

9. **मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का पुनः कथन है :**

(a) ब्याज दर सिद्धान्त (b) आय निर्धारण सिद्धान्त
(c) मुद्रा-मांग का सिद्धान्त (d) उपभोग मांग का सिद्धान्त

Ans. (c) : शिकागो विश्वविद्यालय के प्रो. मिल्टन फ्रीडमैन ने 'Monetary History of United States' में मुद्रा परिमाण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या (Re-Statement of the Quantity theory) की। अपने सैद्धांतिक तथा अनुभवगम्य दोनों तरह के विश्लेषणों में उन्होंने मुद्रा की मांग और आय प्रचलन वेग पर ध्यान केन्द्रित किया तथा विभिन्न काल श्रेणियों से सम्बन्धित समीकरणों द्वारा यह दिखाया कि एक दीर्घकालीन समयावधि में मुद्रा आय का प्रचलन वेग (V) सामान्यतया स्थायी (Stable) रहता है।
सैद्धांतिक विश्लेषण में फ्रीडमैन ने कहा कि मुद्रा का परिमाण सिद्धांत कुल मिलाकर मुद्रा की मांग के अलावा और कुछ भी नहीं है।

10. **निम्न में से कौन सम्भाव्य उत्पादन वृद्धि का स्त्रोत नहीं है?**

(a) पूँजी विस्तार (b) श्रम विस्तार
(c) टैक्नॉलाजी में सुधार (d) मौद्रिक व्यवस्था में सुधार

Ans. (d) : मौद्रिक व्यवस्था में सुधार अर्थव्यवस्था के मौद्रिक नीति से सम्बन्धित है। शेष अन्य जैसे पूंजी विस्तार, श्रम विस्तार, टेक्नोलॉजी में सुधार इत्यादि संभाव्य उत्पादन वृद्धि का स्त्रोत है।

11. **विवेकशील प्रत्याशा संकल्पता की मान्यता से यह परिणाम निकलता है कि :**

(a) अधिकांश बेरोजगारी स्वेच्छित है
(b) मौद्रिक नीति अल्पकाल में कार्य कर सकती है

(c) राजकोषीय नीति अल्पकाल में कार्य कर सकती है
(d) समस्त नीति पूर्वानुमेय नीतियाँ निष्प्रभावी है

Ans. (d) : विवेकशील प्रत्याशा संकल्पना की मान्यता से यह परिणाम निकलता है कि समस्त पूर्वानुमेय नीतियां निष्प्रभावी है।

12. एक व्यक्ति जो काम की तलाश नहीं कर रहा उसे समझा जाता है :
(a) संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
(b) घर्षात्मक रूप से बेरोजगार
(c) अल्प रोजगार
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (d) : एक व्यक्ति जो काम की तलाश नही कर रहा है, अर्थात् उसे रोजगार इच्छानुसार प्राप्त है।

13. व्यापारिक बैंक वित्तीय बिचौलियों की सबसे बड़ी श्रेणी हैं, अन्य हैं :
(a) जीवन बीमा कम्पनियाँ (b) पेंशन कोष
(c) बचत एवं ऋण संस्थाए (d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : जो बैंक सामान्य बैंकिंग कार्य करते है, वे वाणिज्यिक बैंक कहलाते है। वाणिज्यिक बैंक प्रायः संयुक्त स्कन्ध बैंक (Joint Stock Bank) होते है। व्यापारिक बैंक धन जमा करने, नगद देने, चेको का संग्रहण एवं भुगतान करने तथा एजेन्सी संबंधी अनेक काम करते है।

व्यापारिक बैंक वित्तीय बिचौलियों की सबसे बड़ी श्रेणी है। इसी श्रेणी में अन्य वित्तीय संस्थाएं भी आती है, जैसे-
(1) जीवन बीमा कम्पनियां।
(2) पेंशन कोष।
(3) बचत एवं ऋण संस्थाएं।

14. रिजर्व अनिवार्यता में वृद्धि से :
(a) वित्तीय मध्यस्थता की लागत में वृद्धि होती है
(b) वित्तीय मध्यस्थता के लाभ में वृद्धि होती है
(c) वित्तीय मध्यस्थता के परिणाम में वृद्धि होती है
(d) उपरोक्त सभी

Ans. (a) : रिजर्व अनिवार्यता में वृद्धि से वित्तीय मध्यस्थता की लागत में वृद्धि होती है।

15. यदि कोई मांग अथवा पूर्ति प्रघात नहीं है तो :
(a) वास्तविक मुद्रा प्रसार लगभग शून्य तक गिर जायेगा
(b) वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर से नीचे गिर जायेगा
(c) वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर से ऊपर हो जायेगा
(d) वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर के बराबर होगा

Ans. (d) : यदि कोई मांग अथवा पूर्ति प्रघात नहीं है तो वास्तविक मुद्रा प्रसार, अपेक्षित दर के बराबर होगा।

16. त्रणमूल नियोजन से अर्थ है :
(a) पंचायत राज
(b) भू राजस्व पद्धति
(c) समुदायिक विकास कार्यक्रम
(d) क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को महत्व

Ans. (a) : जनवरी 1957, में बलवंत राय मेहता कमेटी की नियुक्ति सामुदायिक विकास एवं राष्ट्रीय विस्तार सेवा के अध्ययन के लिए की गई। कमेटी ने निम्न तीन स्तरीय स्थानीय संस्थाओं की सिफारिश की-
(i) गांव के स्तर पर ग्राम पंचायत।
(ii) विकास प्रखण्ड के स्तर पर पंचायत समिति।
(iii) जिला स्तर पर जिला परिषद।
इन तीन स्तरीय व्यवस्था को पंचायती राज कहा गया है।

17. सोलो के मतानुसार, एक विकसित अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन संवृद्धि की दर, बराबर होती है, हैरोड के:
(a) प्राकृतिक संवृद्धि दर
(b) आश्वासित संवृद्धि दर
(c) वास्तविक संवृद्धि दर
(d) तकनीकी संवृद्धि दर

Ans. (a) : राबर्ट सोलो द्वारा प्रस्तुत आर्थिक संवृद्धि माडल नव प्रतिष्ठित विचारों का बेहतर प्रतिनिधित्व करता है। आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया में पूर्ति पक्ष पर अधिक बल देने के कारण इसे आर्थिक संवृद्धि का नव-प्रतिष्ठित सिद्धांत कहा जाता है। इसमें एक स्थायी संतुलन की व्याख्या की गई है अर्थात् यह माडल हैरड-डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है।

मान्यताएं-
(1) यह माडल द्विक्षेत्रीय बंद अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित है।
(2) अर्थव्यवस्था में पूर्णरोजगार की स्थिति है।
(3) जनसंख्या की वृद्धि दर दी हुई है अर्थात् ($Lt = Loe^{nt}$)
(4) उत्पादन फलन सहजातीय है, जो अल्पकाल में ह्रासमान प्रतिफल नियम और दीर्घकाल में पैमाने का समप्रतिफल नियम प्रदर्शित करता है।
(5) बचत आय का फलन है अर्थात् $S = s\,Y$
(6) तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
(7) पूंजी-श्रम अनुपात पूर्णतः परिवर्तनशील है।
(8) उत्पादन के दो साधन पूंजी तथा श्रम है।

उपरोक्त मान्यताओं के आधार पर सोलों ने अपने संवृद्धि मॉडल की व्याख्या की।

$$\frac{dr}{dt} = s\phi(r) - n\,r$$

यह सोलो का मौलिक समीकरण है।

18. बंधित सहायता का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण है :
(a) इसे निजी क्षेत्र में ही उपयोग किया जा सकता है
(b) इसे निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों द्वारा समानरूप से बांट लिया जाता है
(c) इसे केवल सार्वजनिक क्षेत्र में ही उपयोग किया जाता है
(d) इसे उसी उद्देश्य के लिये उपयोग किया जा सकता है जिसके लिये यह दी गई है तथा निर्धारित स्त्रोतों से साधन प्राप्त करने के लिये ही उपयोग की जाती है

Ans. (d) : बंधित सहायता का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण यह है कि इसे उसी उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है, जिसके लिए यह दी गई है तथा निर्धारित स्त्रोतों से साधन प्राप्त करने के लिए ही उपयोग की जाती है।

19. संतुलित विकास का अर्थ है :

(a) सभी क्षेत्रों को आबंटित साधनों में समान वृद्धि

(b) अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में समान प्रतिशत वृद्धि

(c) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का संतुलित विकास

(d) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का समान विकास

Ans. (a) : संतुलित विकास के प्रमुख समर्थक रोजेस्टीन रोडान, आर्थर लेविस तथा रेगनर नर्क्स है जो यह मानते है कि अल्पविकसित देशों में अल्पविकास के दुश्चक्र को तोड़ने के लिए अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश करना आवश्यक है ताकि वे परस्पर पूरक रूप में विकसित हो सके।

20. प्रति व्यक्ति पूँजी घट जाती है यदि प्रति व्यक्ति विनियोगः

(a) जनसंख्या वृद्धि दर से कम है

(b) जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक है

(c) प्रति व्यक्ति बचतों से अधिक है

(d) प्रति व्यक्ति बचतों से कम है

Ans. (a) : प्रतिव्यक्ति पूंजी घट जाती है यदि प्रति व्यक्ति विनियोग जनसंख्या वृद्धि दर से कम है। क्योंकि यदि जनसंख्या की वृद्धि दर प्रतिव्यक्ति विनियोग से ज्यादा है तो प्रति व्यक्ति बचत कम होगी और विनियोग के लिए पूंजी की कमी होगी।

21. परम्परावादी विकास माडल के अन्तर्गत, सीमान्त बचत प्रवृत्ति में वृद्धिः

(a) प्रति व्यक्ति स्थिर-अवस्था उत्पादन में वृद्धि करती है

(b) स्थिर-अवस्था उत्पादन विकास दर में वृद्धि करती है

(c) स्थिर-अवस्था प्रति व्यक्ति पूँजी में वृद्धि करती है

(d) (A) तथा (C) दोनों

Ans. (d) : परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने सर्वप्रथम आर्थिक विकास का व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध सिद्धांत प्रस्तुत किया। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार लाभ की दर में वृद्धि निवेश को प्रोत्साहित करेगा व निवेश में वृद्धि पूंजी संचय में वृद्धि लाएगी तथा पूंजी संचय तकनीकी प्रगति में वृद्धि लायेगी, जो मजदूरी कोष में वृद्धि करेगा। जिसके परिणामस्वरूप श्रम की पूर्ति में वृद्धि होगी और श्रम की पूर्ति में वृद्धि के फलस्वरूप ह्रासमान प्रतिफल उत्पन्न करेगा। अतः मजदूरी लागत बढ़ेगी और लाभ घटेगा। परिणामस्वरूप स्थैतिक अवस्था आ जायेगा।

लाभ→निवेश→पूंजी संचय→तकनीकी→मजदूरी→श्रमपूर्ति→लाभ→स्थैतिक अवस्था।

22. प्रति श्रमिक उत्पादन फलन की मान्यता है :

(a) पैमाने के स्थिर प्रतिफलन तथा बढ़ते हुए सीमान्त प्रतिफल

(b) पैमाने के स्थिर प्रतिफल तथा घटते हुए प्रतिफल

(c) पैमाने के बढ़ने हुए प्रतिफल तथा घटते हुए प्रतिफल

(d) पैमाने के घटते हुए प्रतिफल तथा बढ़ते हूए प्रतिफल

Ans. (a) : प्रति श्रमिक उत्पादन फलन की मान्यता के अन्तर्गत पैमाने के स्थिर प्रतिफल तथा बढ़ते हुए सीमांत प्रतिफल होते है।

23. निम्न में से कौन कर पद्धति, अधिक समान आय वितरण को प्रोत्साहित करती है?

(a) प्रगामी (b) प्रतिगामी

(c) अनुपातिक (d) अप्रत्यक्ष

उत्तर (a)

Ans. (a) : प्रगामी कर पद्धति अधिक समान आय वितरण को प्रोत्साहित करती है।

24. लेफर वक्र सम्बंध का अध्ययन करता है :

(a) कर-दर तथा कर आय के बीच

(b) कर-दर तथा व्यय के बीच

(c) कर-दर तथा उपभोग के बीच

(d) कर-दर तथा कल्याण के बीच

Ans. (a) : लाफर वक्र कर की दर तथा कर आय के बीच सम्बन्ध व्यक्त करता है। आर्थर लेफर का कहना है कि कर की सीमांत दर एक सीमा से ज्यादा हो जाती है तो आयकर राजस्व घटने लगता है। चूंकि इस वक्र के जन्मदाता लाफेर है, इसलिए यह लाफेर वक्र के नाम से जाना जाता है।

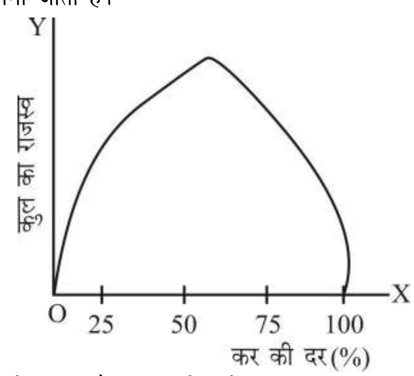

रेखा चित्र से स्पष्ट है कि, ज्यो-ज्यो कर की दर शून्य से अधिक होने लगती है, कर राजस्व में वृद्धि होती है और जब यह दर 50% हो जाती है, कर राजस्व अधिकतम रहता है इस सीमा के बाद कर की सीमांत दर के बढ़ने पर कुल कर राजस्व घटने लगता है।

25. उत्तराधिकारी में प्राप्त धन पर कर उदाहरण है :

(a) बिक्री कर का (b) आय कर का

(c) सम्पत्ति कर का (d) वैट (VAT) का

Ans. (c) : उत्तराधिकार में प्राप्त धन पर कर सम्पत्ति कर के अन्तर्गत आता है। उत्तराधिकार कर मृतक के उत्तराधिकारियों पर सम्पदा में प्राप्त उनके हिस्से पर अलग-अलग लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के लिए उत्तराधिकारियों को वर्गीकरण किया जाता है। छूट देने के बाद उत्तराधिकारी के प्रत्येक वर्ग पर कर को विशेष दर से लगाया जाता है। दूर के उत्तराधिकारी पर सामान्यतः कर की दर ऊँची रहती है।

26. सरकार द्वारा आय कर के रूप में लिया गया कुल आय का प्रतिशत कहलाता है :

(a) संपूर्ण कर (b) औसत कर-दर
(c) सीमान्त कर (d) सीमान्त कर-दर

Ans. (d) : सरकार द्वारा आय कर के रूप में लिया गया कुल आय का प्रतिशत सीमांत कर-दर कहलाता है।

27. गतिहीन अर्थव्यवस्था में सरकार को चाहिये :

(a) अधिक व्यय करना, कम कर लगाना तथा/अथवा संकुचनकारी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना
(b) कम व्यय करना, कम कर लगाना तथा/अथवा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना
(c) अधिक व्यय करना, कम कर लगाना तथा/अथवा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना
(d) अधिक कर लगाना, कम व्यय करना तथा/अथवा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना

Ans. (c) : गतिहीन अर्थव्यवस्था या मंदी की स्थिति में सरकार को अधिक व्यय करना चाहिए कम कर लगाना चाहिए तथा विस्तारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करना चाहिए ताकि लोगों के हाथों में अतिरिक्त क्रय-शक्ति होने से अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकल सके।

28. बारहवें वित्त आयोग का चैयरमैन कौन है?

(a) वी.आर. पंचमुखी (b) सी. रंगराजन
(c) बिमल जालान (d) ए. एम. खुसरो

Ans. (b) : 12वें वित्त आयोग के अध्यक्ष सी. रंगराजन है। 14वें वित्त आयोग के अध्यक्ष Y. V. रेड्डी है।

29. राजकीय ऋण का विस्तार उत्पन्न कर सकता हैः

(a) बचत में गिरावट (b) ब्याज दरों में वृद्धि
(c) विनियोग में कमी (d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : राजकीय ऋण में विस्तार किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होता है। राजकीय ऋण में विस्तार से बचत में गिरावट आती है, ब्याज दरों में वृद्धि होती है, जिससे विनियोग हतोत्साहित होता है।

30. यह किस अर्थ शास्त्री का कथन है कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार निरपेक्ष लाभ के सिद्धान्त पर आधारित है?

(a) जे.एस. मिल (b) एडम स्मिथ
(c) बर्टिल ओहलिन (d) डेविड रिकार्डो

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार निरपेक्ष लाभ के सिद्धांत पर आधारित है, यह कथन एडम स्मिथ का है।

31. संरक्षणवादी टैरिफ तथा कोटे बहुधा :

(a) सस्ते विदेशी आयातों के ज्वार को रोकने में थोड़ी ही मदद करते हैं
(b) संरक्षित श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं की वास्तविक आय को कम कर देते हैं।
(c) एक राष्ट्र का पूर्ण आर्थिक अलगाव कर देते हैं
(d) विश्वव्यापी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करते हैं

Ans. (b) : संरक्षणवादी टैरिफ तथा कोटा बहुधा संरक्षित श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं की वास्तविक आय को कम कर देते है।

32. दो वस्तुऐं, दो राष्ट्र तथा तुलनात्मक लाभ का सरल सिद्धान्त निर्धारित नहीं करने देगा :

(a) मूल्य अनुपात की ऊपरी तथा निचली सीमाओं को जिस पर व्यापार के पश्चात वस्तुओं का विनिमय होगा
(b) निश्चित कीमत अनुपात को जिस पर व्यापार के पश्चात वस्तुओं का विनिमय होना चाहिये
(c) भौगोलिक विशिष्टीकरण का प्रारूप
(d) कौन राष्ट्र किस वस्तु का निर्यात करता है

Ans. (b) : दो वस्तुएं, दो राष्ट्र तथा तुलनात्मक लाभ का सरल सिद्धांत निश्चित कीमत अनुपात को जिस पर व्यापार के पश्चात वस्तुओं का विनिमय होना चाहिये, निर्धारित करने की बात नहीं करता है। रिकार्डो का यह सिद्धांत इस बात का उल्लेख नहीं करता कि दोनों के बीच वस्तुओं की विनिमय दर क्या होगी।

33. दो राष्ट्रों में यदि एक राष्ट्र को सभी वस्तुओं के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ प्राप्त है तो :

(a) कोई तुलनात्मक लाभ प्राप्त नहीं होगा और इसीलिये व्यापार भी नहीं होगा
(b) व्यापार से कुशल राष्ट्र को लाभ होगा लेकिन अकुशल को नहीं
(c) व्यापार से अकुशल राष्ट्र को लाभ होगा लेकिन कुशल को नहीं
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का निरपेक्ष लाभ का दृष्टिकोण एडम स्मिथ द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सिद्धांत के अनुसार दो देशों के बीच व्यापार उस स्थिति में लाभप्रद होगा जब दोनों देश अलग-अलग वस्तुओं के उत्पादन में एक-दूसरे की तुलना में निरपेक्ष रूप से लाभ प्राप्त करते है।

34. तुलनात्मक लाभ के तहत, दो राष्ट्रों के बीच विशिष्ट वस्तुओं के मुक्त व्यापार से होगी :

(a) सम्पूर्ण आर्थिक कार्यक्षमता में कमी
(b) दो राष्ट्रों में से किसी एक राष्ट्र की वास्तविक मजदूरी के स्तर में कमी
(c) दोनों राष्ट्रों के वास्तविक मजदूरी के स्तरों में वृद्धि
(d) दो राष्ट्रों में से केवल एक राष्ट्र की वास्तविक मजदूरी के स्तर में वृद्धि

Ans. (c) : रिकार्डो के अनुसार, लागतों में तुलनात्मक अन्तर दो देशों के बीच व्यापार सम्बन्ध निर्धारित करता है। श्रम के भौगोलिक विभाजन तथा उत्पादन में विशिष्टीकरण के कारण विभिन्न देशों में उत्पादन लागतें भिन्न-भिन्न होती है। अतः प्रत्येक देश उन वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण करेगा जिसमें उसे तुलनात्मक लाभ अधिक अथवा तुलनात्मक हानि न्यूनतम हो। इस प्रकार कोई देश उन वस्तुओं को निर्यात करेगा जिसमें उसे अधिकतम तुलनात्मक लाभ होगा और उन वास्तुओं का आयात करेगा जिनमें उसे तुलनात्मक हानि कम से कम होगी।

35. ब्रैटनवुड्स व्यवस्था :

(a) नें करेंसियों के स्थिर समता मूल्यों को स्थापित किया

(b) को समायोजित पैग्स (Pegs) की पद्धति होना था

(c) से आशा थी कि लगातार अतिरेक वाले देश अपनी करेंसियों का अवमूल्यन करेंगें

(d) द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात मुद्रा प्रसार को कम करने के लिये स्थापित की गई थी

Ans. (a) : द्वितीय विश्व युद्ध ने विदेशी विनियम और व्यापार के क्षेत्रे में अव्यवस्था उत्पन्न कर दी, जिसके फलस्वरूप इस समस्या के दीर्घकालीन एवं स्थायी हल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की आवश्यकता अनुभव की गई। अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग की स्थापना के लिए 1944 में अमेरिका के ब्रेटनवुड्स नामक स्थान पर एक अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सम्मेलन बुलाया गया जिसमें 44 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और भुगतान की कठिनाइयों से छुटकारा प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई।

36. भारत में पंचवर्षीय योजनाओं को इनके अनुमोदन के पश्चात अंतिम रूप दिया जाता है :

(a) राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री द्वारा (b) राज्य सभा द्वारा

(c) राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा (d) लोक सभा द्वारा

Ans. (c) : भारत में पंचवर्षीय योजनाओं को अनुमोदन के पश्चात् अंतिम रूप राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा दिया जाता है।

37. नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में सेवा क्षेत्र का अंशदान सकल राष्ट्रीय उत्पाद का है;

(a) 30 प्रतिशत के लगभग (b) 40 प्रतिशत के लगभग

(c) 50 प्रतिशत के लगभग (d) 60 प्रतिशत के लगभग

Ans. (c) : नवीनतम उपलब्ध आकड़ों के अनुसार, भारत में सेवा क्षेत्र का अंशदान सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 50% के लगभग है। वर्तमान 2015 में GVA के वर्तमान मूल्यों के आधार पर 52.97% हिस्सा है।

38. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है :

(a) वित्त आयोग द्वारा

(b) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा

(c) योजना आयोग द्वारा

(d) वित्त मंत्रालय

Ans. (b) : भारत में राष्ट्रीय आय की गणना केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा किया जाता है।

39. दीर्घकालीन राजकोषीय नीति के अन्तर्गत निम्न में से किस कर को प्रस्तावित किया गया था?

(a) माडवैट (MODVAT) (b) वैट (VAT)

(c) लाभ कर (d) उत्तराधिकार कर

Ans. (b) : दीर्घकालीन राजकोषीय नीति के अन्तर्गत वैट (VAT) कर को प्रस्तावित किया गया। VAT वस्तुतः बहुल-चरण बिक्री कर है जिससे मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं की खरीद से छूट मिलती है। व्यावसायिक फर्मो को वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त राशि में से अन्य फर्मों से खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं पर किये गये व्यय को घटाने के बाद जो बच जाता है, वही मूल्य संवर्धन कर है।

40. किसानों को ऋणों में राहत देना भाग है :

(a) योजना-व्यय का (b) गैर-योजना व्यय का

(c) विकास व्यय का (d) रक्षा व्यय का

Ans. (b) : किसानों को ऋणों में राहत देना गैर-योजना व्यय का भाग है।

41. भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की रेखा का निर्धारण न्यूनतम औसत कैलोरीज के उपभोग के आधारपर किया जाता है जो है :

(a) 2000 (b) 2700

(c) 2500 (d) 2400

Ans. (d) : भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण कैलोरी के उपभोग के आधार पर किया जाता है। उस व्यक्ति को निर्धनता रेखा से नीचे माना जाता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 2400 कैलोरी व शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी भोजन प्राप्त करने में असमर्थ है।

42. भारतीय योजना आयोग है :

(a) एक संसदीय संस्था (b) तदर्थ संस्था

(c) गैर वैधानिक संस्था (d) सवैधानिक संस्था

Ans. (c) : भारतीय योजना आयोग एक गैर वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना 15 मार्च, 1950 में किया गया। योजना आयोग का नाम बदलकर 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) कर दिया गया। इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।

43. भारत में कौन से राज्य का मानव विकास सुचकांक सर्वाधिक है?

(a) आन्ध्र प्रदेश (b) दिल्ली

(c) केरल (d) उत्तर प्रदेश

Ans. (c) : भारत में केरल राज्य का मानव विकास सूचकांक सर्वाधिक है। 2015 में भी केरल ही HDI में पहले स्थान पर है।

44. $\hat{B}_{xy}$ तथा $\hat{B}_{yx}$, *x* का *y* पर तथा *y* का *x* पर प्रतीपगमन के ढाल को बताते हैं तो *x* और *y* के बीच सहसम्बंध गुणांक होगाः

(a) $\sqrt{\hat{B}_{xy}\hat{B}_{yx}}$ के बराबर

(b) $(\hat{B}_{xy}+\hat{B}_{yx})/2$ के बराबर

(c) $\hat{B}_{xy}/B_{yx}$ के बराबर

(d) x के y पर प्रतीगमन अथवा y के x पर प्रतीगमन से असम्बन्धित

Ans. (a) : $\hat{B}_{xy}$ तथा $\hat{B}_{yx}$, *x* का *y* पर तथा *y* का *x* पर प्रतीपगमन के ढाल को बताते हैं तो *x* और *y* के बीच सहसम्बंध गुणांक $\sqrt{\hat{B}_{xy}\hat{B}_{yx}}$ के बराबर होगाः

45. एक रुपये तथा पाँच रुपये के सिक्कों को एक साथ उछाला जाता है। यदि दोनों में से एक सिक्का चित्त (head) आ गया है तो दोनों सिक्कों के चित आने की संभावना है :

(a) $\frac{1}{2}$ (b) $\frac{1}{3}$

(c) $\frac{1}{4}$ (d) $\frac{2}{3}$

Ans. (a) : एक रुपये तथा पांच रुपये के सिक्कों को एक साथ उछाला जाता है। यदि दोनों में से एक सिक्का चित आ गया है तो दोनों सिक्कों के चित आने की संभावना 1/2 है।

46. $x_1, x_2, \ldots$ एक समष्टि में से यादृच्छिक रूप से चुने गये न्यादर्श हैं। $(X_{min}+X_{max})/2$ तथा $\overline{x}$ जनसंख्या माध्य के क्रमशः दो आकलक $\widehat{\mu_1}$ तथा $\widehat{\mu_2}$ हैं, तो :

(a) $\widehat{\mu_1}$ अभिनत है लेकिन $\widehat{\mu_2}$ अनभिनत है

(b) $\widehat{\mu_1}$ अनभिनत है लेकिन $\widehat{\mu_2}$ अभिनत है

(c) दोनों $\widehat{\mu_1}$ तथा $\widehat{\mu_2}$ अनभिनत है लेकिन केवल $\widehat{\mu_1}$ (BLUE) है

(d) दोनों $\widehat{\mu_1}$ तथा $\widehat{\mu_2}$ अनभिनत है लेकिन केवल $\widehat{\mu_2}$ (BLUE) है

Ans. (b) : $x_1, x_2, \ldots x_n$ एक समष्टि में से यादृच्छिक रूप से चुने गये न्यादर्श है। $(X_{min}+X_{max})/2$ तथा $\overline{X}$ जनसंख्या माध्य के क्रमशः दो आकलक μ_1 तथा μ_2 है, तो μ_1 अनभिनत है लेकिन μ_2 अभिनत है।

47. निम्न में से कौन न्यादर्श वितरण है?

(a) पायसन (b) बायनामियल

(c) मानक सामान्य (d) समरूप

Ans. (d) : समरूप न्यादर्श वितरण है।

48. सही कूट को चुनिये :

कथन (A) : चल माध्य प्रद्धति के अन्तर्गत, सम्मिलित अवधियों की संख्या जितनी ज्यादा सम्भव हो सकें, होनी चाहिये।

कारन (R) : चल माध्य समयावधियों को सम्मिलित करने से, संमकों को ज्यादा स्मूथ किया जा सकता है।

(a) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A)की सही व्याख्या है

(b) दोनों (A) तथा (R) सही हैं और (R), (A)की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : चल माध्य पद्धति के अन्तर्गत, सम्मिलित अवधियों की संख्या जितनी ज्यादा संभव हो सके होनी चाहिए क्योंकि चल माध्य समयावधियों को सम्मिलित करने से, समंको को ज्यादा स्मूथ किया जा सकता है।

49. फिशर के सूचकांक बनाने के सूत्र को आदर्श कहा जाता है क्योंकि :

(a) यह चालू वर्ष तथा आधार वर्ष दोनों की कीमतों और मात्राओं पर आधारित है

(b) यह समय उत्क्राम्यता तथा तत्व उत्क्राम्यता दोनों को संतुष्ट करता है

(c) यह ज्यामीतिय माध्य पर आधारित है जो दो समयावधियों के बीच परिवर्तन की दरों का अध्ययन करने के लिये उपयुक्त है

(d) उपरोक्त सभी

Ans. (d) : फिशर का सूचकांक लैस्पियर तथा पाशे के सूचकांको का गुणोत्तर माध्य है।

$$F = \sqrt{L.P}$$

$$F = \sqrt{\frac{\sum p_1 q_O}{\sum P_O q_O} \times \frac{\sum p_1 q_1}{\sum p_O q_1}}$$

फिशर सूचकांक को आदर्श सूचकांक कहते है, क्योंकि फिशर सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण तथा तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण का पालन करता है।

50. (a, b) समष्टि माध्य μ का 99% विश्वास्यता अंतराल है, इसका अर्थ है किः

(A) a तथा b के बीच 99% समष्टि है

(B) इस बात का 99% अवसर है कि μ, a तथा b के बीच है

(C) अंतरावलोकन 99% जैसे कि, (a, b) में μ मिलता है।

(a) (a), (b) तथा (c) सही हैं

(b) केवल (c) सही है

(c) केवल (b) सही है

(d) दोनों (a) तथा (b) सही हैं

सही कूट चुनियें :

Ans. (d) : (a, b) समष्टि माध्य μ का 99% विश्वास्यता अंतराल है, का अर्थ है कि a तथा b के बीच 99% समष्टि है। इस बात का 99% अवसर है कि μ, a तथा b के बीच है।

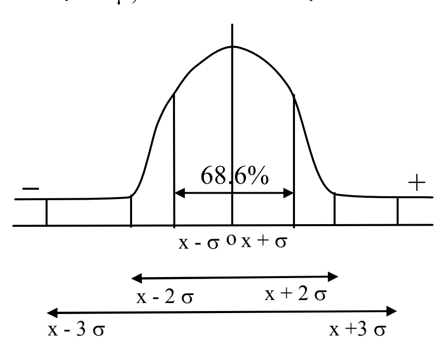

$x \pm \sigma = 68.6\%$

$x \pm 2\sigma = 95.4\%$

$x \pm 3\sigma = 99.71\%$

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2006
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. यदि दो पण्य-पदार्थ उत्तम स्थानापन्न हैं तो तटस्थ वक्र–
(a) एक सीधी रेखा के रूप में होगा
(b) एक समकोण की ओर जाएगा
(c) एक सीधी रेखा की ओर जाएगा
(d) ऊर्ध्वगामी होगा

Ans. (a) : जब दोनों वस्तुयें परस्पर पूर्ण स्थानापन्न हो तो अनधिमान (तटस्थता वक्र) वक्र एक सीधी रेखा के रूप में होगा। उपभोक्ता एक ही वस्तु पर अपनी पूरी आय व्यय कर सकता है, क्योंकि वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न है पर इस प्रकार की स्थिति व्यावहारिक जीवन में नहीं मिलती है।

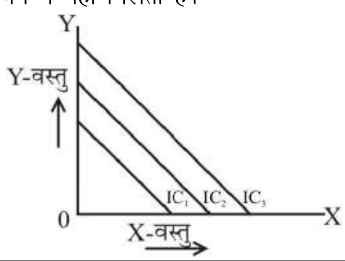

2. आधुनिक विश्व में फर्मों द्वारा आरक्षित क्षमता का उपयोग किया जाता है।
(a) कार्यसंचालन में अधिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए
(b) कीमतों को कम करने के लिए
(c) मजदूरी को कम करने के लिए
(d) करों को कम करने के लिए

Ans. (a) : आधुनिक विश्व में फर्मों द्वारा आरक्षित क्षमता का उपयोग कार्य संचालन में अधिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

3. यदि फर्म औसत कीमत सिद्धान्त के आधार पर व्यवहार कर रही हैं तो सुव्यवस्थित समन्वयन को बहुधा इसके द्वारा प्राप्त किया जाता है :
(a) कीमत नेतृत्व (b) कीमत में कटौती
(c) उच्च-कीमत फर्म (d) इनमें से किसी के द्वारा नहीं

Ans. (a) : अल्पाधिकारी बाजार में संधि सहित प्रतियोगिता का एक अन्य उदाहरण 'कीमत नेतृत्व' माडल है। इस माडल के अन्तर्गत कोई एक फर्म कीमतों का निर्धारण करती है और अन्य फर्मे उस कीमत का अनुसरण करती है, जिससे अल्पाधिकारी बाजार में अनिश्चितता की भावना को दूर किया जा सकता है। फर्मो के बीच समझौते का यह स्वरूप कार्टेल से अधिक लोकप्रिय है।
कीमत नेतृत्व माडल में फर्मे एक नेता को निर्धारक तथा अन्य फर्मे मूल्य स्वीकार करती है, जिन्हे मूल्य स्वीकारक कहते है। नेता फर्म का चुनाव तीन प्रकार से किया जाता है-
(1) कम लागत वाली फर्म द्वारा कीमत नेतृत्व।
(2) प्रधान (बड़ी) फर्म द्वारा कीमत नेतृत्व।
(3) स्थितिमान फर्म द्वारा कीमत नेतृत्व।

4. दी गई किन्हीं वैयक्तिक वरीयताओं जो परावर्ती, संक्रामी तथा पूर्ण हैं– के लिए बहुसंख्यक नियम आधारित सामाजिक वरीयताएँ हैंः
(i) परावर्ती (ii) संक्रामी (iii) पूर्ण
सही कोड चुनेः
कोडः
(a) उपरोक्त सभी सही है
(b) केवल (i) सभी (iii) सही है
(c) केवल (i) सभी (ii) सही है
(d) केवल (ii) सभी (iii) सही है

Ans. (a) : दी गई किन्ही वैयक्तिक वरीयताओं जो परावर्ती, संक्रामी तथा पूर्ण है- के लिए बहुसंख्यक नियम आधारित सामाजिक वरीयताएं परावर्ती, संक्रामी व पूर्ण है।

5. यदि मांग वक्र एक आयताकार अतिपरवलय का आकार ले लेता है तो मूल्य लोच इसके बराबर होगाः
(a) शून्य (b) एक से कम
(c) एक से अधिक (d) एक

Ans. (d) : मांग की मूल्य लोच एक प्रकार का विशिष्ट संबंध है जो वस्तु की मांग तथा वस्तु के मूल्य के बीच परिवर्तन का अनुपात या दर प्रदर्शित करता है। इस प्रकार किसी वस्तु के मूल्य में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तु की मांगी गई मात्रा में होने वाली सापेक्षिक अनुक्रिया की माप ही मांग की लोच है।

$$ep = (-)\ \frac{\text{मांगी गई मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{मूल्य में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

या, $ep = -\ \frac{\Delta q}{\Delta p} \times \frac{p}{q}$

वस्तु के मूल्य में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप वस्तु की मांग में होने वाले परिवर्तन की सापेक्षता के आधार पर मांग की मूल्य लोच को पांच भागों में बांटा जा सकता है–

(i) पूर्णतया लोचदार मांग (ep = ∞) – जब किसी वस्तु के मूल्य में अल्प वृद्धि होते ही उस वस्तु की मांग शून्य हो जाये और अल्प कमी उसकी मांग में अपरिमित वृद्धि ला दे।

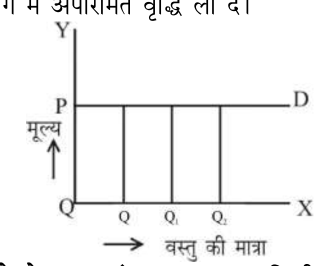

(ii) पूर्णतया बेलोचदार मांग (ep = 0) – किसी वस्तु के मूल्य में परिवर्तन के बाद भी उसकी मांग ज्यों की त्यों बनी रही, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न हो तो मांग पूर्णतया बेलोचदार होगा।

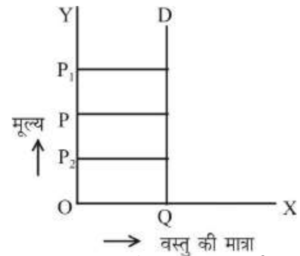

(iii) समलोच मांग का इकाई मांग की लोच (ep = 1) – जब किसी वस्तु की मांग में सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन के बराबर हो तो समलोच होगा।

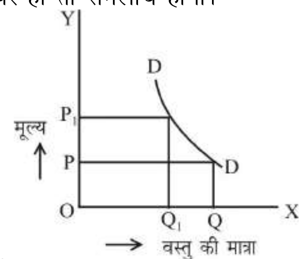

(iv) अधिक लोचदार मांग की लोच (e >1) – जब वस्तु की मांग में होने वाला सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन से अधिक हो तो उस वस्तु की मांग अधिक लोचदार होगी।

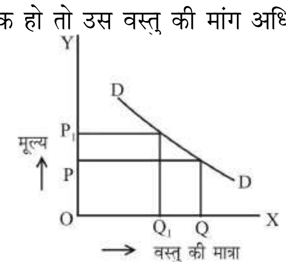

(v) बेलोच मांग लोच (ep <1) – जब किसी वस्तु की मांग में होने वाले सापेक्षिक परिवर्तन उसके मूल्य के सापेक्षिक परिवर्तन से कम हो तो उस वस्तु की मांग बेलोच कही जायेगी।

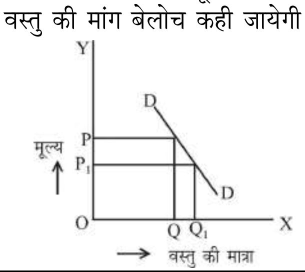

6. यदि उपभोग फलन $C = Rs.30 + 0.80Y$ और निवेश व्यय $I = Rs.70 - 2i$, यहाँ i ब्याज की दर है तो स्वायत्त निवेश में 30 रु. की बढ़ौती से IS वक्र में:

(a)150 रु. से बायें को स्थानांतरण होगा
(b)150 रु. से दायें को स्थानांतरण होगा
(c)30 रु. से दायें को स्थानांतरण होगा
(d)30 रु. से बायें को स्थानांतरण होगा

Ans. (c): यदि उपभोग फलन $C = Rs.30 + 0.80Y$ और निवेश व्यय $I = Rs.70 - 2i$, यहां i ब्याज की दर है तो स्वायत्त निवेश में 30रु. की बढ़ोत्तरी से IS वक्र 30 रु. से दाएं को स्थानांतरण होगा।

7. मिल्टन फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा के मात्रात्मक सिद्वान्त का संबंध इससे है:

(a) कीमतों (b) आय
(c) मुद्रा की आपूर्ति (d) मुद्रा की मांग

Ans. (d) : शिकागो विश्वविद्यालय के प्रो. फ्रीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या की। अपने सैद्धांतिक तथा अनुभवगम्य दोनो तरह के विश्लेषणों में उन्होंने मुद्रा की मांग और आय प्रचलन वेग पर ध्यान केन्द्रित किया। सैद्धांतिक विश्लेषण में फ्रीडमैन ने कहा कि मुद्रा का परिमाण सिद्धांत कुल मिलाकर मुद्रा की मांग के अलावा और कुछ भी नही है।

8. गुणक की अवधारणा को सबसे पहले बतलाने वाले का नाम है:

(a) आर. एफ. काह्न (b) जे. एम. केन्स
(c) आर. एफ. हारोड (d) वी.के.आर. वी. राव

Ans. (a) : 1931ई. में प्रसिद्ध कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री आर. एफ. काहन (R. F. Kohn) ने अपने एक लेख 'The Relation of Home Investment of Unemployment' में गुणक की चर्चा की, जो कि रोजगार गुणक था। बाद में कीन्स ने विनियोग गुणक की चर्चा की।

9. धारणीय विकास इनमें से किसको संबोधित है :

(a) वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताएँ
(b) आगामी पीढ़ी की आवश्यकताएँ
(c) आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौते किए बिना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताएँ
(d) वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं से समझौता किए बिना आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताएँ

Ans. (c) : 1982 के दशक में विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WCED) के द्वारा 'Our Common Future' नामक एक रिपोर्ट जारी किया गया, जिसे Brundtland रिपोर्ट भी कहते है। इसे UN ने 1987 में स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में धारणीय विकास की परिभाषा इस प्रकार दी गई ''विकास को संपोषी बनाने की क्षमता यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया जाए किन्तु साथ ही भावी पीढ़ियों द्वारा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करके उनकी क्षमताओं का अतिक्रमण न किया जाए।'' अतः यह एक बहुत ही व्यापक धारणा है।

10. सेन द्वारा सुझाए गये गरीबी की माप निम्नलिखित शामिल हैं:

(a) हेड-काउंट रेशियो
(b) हेड काउंट रेशियो तथा पावर्टी-गैप रेशियो
(c) पावर्टी-गैप रेशियो तथा गरीबों के बीच आय का वितरण
(d) हेड-काउंट रेशियो, पावर्टी-गैप रेशियो तथा गरीबों के बीच आय के वितरण का रेशियो

Ans. (d) : सेन द्वारा सुझाये गए गरीबी की माप में हेड- काउण्ट रेशियों, पावर्टी- गैप रेशियो तथा गरीबों के बीच आय के वितरण का रेशियों शामिल किया गया है। यह गरीबी की माप का अधिक व्यापक दृष्टिकोण है, क्योंकि इसमें गरीबी को केवल आयवंचन के रूपे में न लेकर बहुआयमी वंचन- खराब स्वास्थ्य तथा कुपोषण, अल्प शिक्षा तथा कौशल, अपर्याप्त जीवन निर्वाह, खराब आवासीय व्यवस्था तथा सामाजिक अपवर्जन के रूप में लेता है।

11. एक नियोजक के लिए तकनीकों के चयन के संदर्भ में, तकनीक का औचित्य इसके द्वारा निर्धारित होता है।

(a) फैक्टर इन्डोमेण्ट (साधन सम्पन्नता)
(b) विकास का स्तर
(c) तकनीकी प्रगति का अभिलक्षण
(d) योजना के उद्देश्य

Ans. (a) : हैक्शर-ओहलिन प्रमेय को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत कहा जाता है। हैक्शर तथा ओहलिन का कहना है कि दो देशों के बीच साधन सम्पन्नताओं में अंतरों के परिणामस्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति में अंतरों (साधन कीमतों) द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अन्तर ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुरन्त कारण है। जिन वस्तुओं में दुर्लभ साधनों की बड़ी मात्राएं प्रयोग होती है उन्हे आयात किया जाता है, क्योंकि उनकी कीमतें ऊँची है जबकि उन वस्तुओं को निर्यात किया जाता है जिनमें प्रचुर साधन प्रयोग होते है, क्योंकि उनकी कीमतें नीची है।
हेक्शर-ओहलिन प्रमेय की दो परिभाषाओं के रूप में व्याख्या की जाती है-
(1) साधन प्रचुरता कीमत कसौटी के रूप में।
(2) साधन प्रचुरता भौतिक कसौटी के रूप में।

12. उत्पादन की रीति संदर्भित करती है :
(a) उत्पादन के बल
(b) उत्पादन की विधियाँ
(c) उत्पादन के सम्बंध
(d) उत्पादन के बलों और उत्पादन के संबंधों के मध्य द्वैधता

Ans. (d) : उत्पादन की रीति उत्पादन के बलों तथा उत्पादन के सम्बन्धों के मध्य द्वैधता सन्दर्भित करती है।

13. श्रम की असीमित आपूर्ति पूर्वानुमान करती है :
(a) श्रम की अलोची आपूर्ति
(b) श्रम की अपरिमित लोची आपूर्ति
(c) श्रम की आवश्यकता से अधिकता
(d) छद्म बेरोजगारी

Ans. (b) : प्रो. लेविस ने अल्पविकसित देशों में आर्थिक विकास की प्रक्रिया को तेज करने के लिए एक सिद्धांत प्रतिपादित किया जिसे ''श्रम की असीमित आपूर्ति'' के नाम से जाना जाता है।
लेविस के अनुसार ''आर्थिक विकास उस समय होगा जबकि जीवन-निर्वाह क्षेत्र से अतिरिक्त श्रम को निकालकर पूंजीवादी क्षेत्र में लगाया जाता है तो जीवन निर्वाह क्षेत्र में श्रम अतिरेक समाप्त हो जायेगा तथा औद्योगिक क्षेत्र में पूंजी निर्माण की दर बढ़ती जायेगी।'' इसके लिए दो मान्यताये ली- पहला, पूंजीवादी क्षेत्र लाभ को पुनः निवेश करना है तथा दूसरा, जीवन निर्वाह क्षेत्र से श्रम की पूर्ति पूंजीवादी क्षेत्र को असीमित होती है अर्थात जीवन-निर्वाह क्षेत्र में श्रम की असीमित पूर्ति पायी जाती है।

14. निम्नलिखित में से 'लॉ ऑफ इंक्रिजिंग स्टेट ऐक्टिविटिज' का प्रतिपादक कौन है?
(a) मस्ग्रेव (b) वाइजमैन पीकॉक
(c) वेगनर (d) डाल्टन

Ans. (c) : एडॉल्फ बैगनर (1835-1917) एक जर्मन अर्थशास्त्री थे, जिन्होने आर्थिक विकास के स्तर तथा सरकारी उपभोग व्यय के बीच पाये जाने वाले कार्यात्मक सम्बन्ध के संबंध में एक आनुभविक विश्लेषण प्रस्तुत किया। वैगनर ने बढ़ती हुई राजकीय क्रियाओं का सिद्धांत (Law of Increasing stateactivity) का प्रतिपादन किया। जिसमें उन्होंने यह स्थापित किया कि 'सार्वजनिक' व्यय में वृद्धि की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है अर्थात् जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जायेगा, राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होता जायेगा।
वैगनर ने अपने सिद्धांत का जो प्रतिपादन किया वह स्पष्ट रूप से यह सामने नहीं ला पाता है कि बढ़ती हुई राज्य की क्रियाओं या सार्वजनिक व्यय के विस्तार से उनका आशय (i) सार्वजनिक व्यय के निरपेक्ष स्तर से था या (ii) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) के सार्वजनिक व्यय के प्रतिशत से था या (iii) अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्रों के अनुपात से था। इसलिए 'वैगनर नियम' के अनेक कथन मिलते है। फ्रेडरिक एल. प्रियर कहते भी है कि वैगनर के प्रतिपादन का ढंग इतना अस्पष्ट है कि इसके अनेक अर्थ निकलते है।

15. निम्नलिखित में से कौन राज्य का विकास-व्यय नहीं है?
(a) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (b) शिक्षा
(c) ऋण सेवाएँ (d) कृषि का विकास

Ans. (c) : ऋण सेवाएं राज्य का विकास व्यय नही है, जबकि अन्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा तथा कृषि के विकास इत्यादि पर किया गया व्यय राज्य के विकास-व्यय के अन्तर्गत आता है।

16. डाल्टन के अनुसार, सकल सामाजिक लाभ अधिकतम हो जाता है जब कर रोपण और व्यय को उस बिन्दु तक ले जाया जाय जहाँ :
(a) सीमांत सामाजिक कुर्बानी (MSS) > सीमांत सामाजिक लाभ (MSB)
(b) सीमांत सामाजिक कुर्बानी (MSS) < सीमांत सामाजिक लाभ (MSB)
(c) सीमांत सामाजिक कुर्बानी (MSS) = सीमांत सामाजिक लाभ (MSB)
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : प्रो. ए. सी. पीगू तथा बाद में उन्ही का अनुसरण करते हुए डाल्टन ने सीमांत उपयोगिता विश्लेषण पर आधारित अधिकतम सामाजिक कल्याण का सिद्धांत प्रतिपादित किया। सार्वजनिक वस्तुओं के आबंटन का यह दृष्टिकोण सार्वजनिक व्यय के परिणामस्वरूप उपलब्ध सार्वजनिक वस्तुओं या सेवाओं से उत्पन्न समाज को होने वाली सीमांत उपयोगिता को इन वस्तुओं को उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय आवश्यकता की पूर्ति के लिए समाज द्वारा सरकार को दी गई कर राशि से उत्पन्न सीमान्त अनुपयोगिता या सीमांत त्याग से सम्बन्धित करता है।
करारोपण के कारण समुदाय को कुछ त्याग करना पड़ता है जबकि सार्वजनिक व्यय के कारण समुदाय को लाभ या उपयोगिता प्राप्त होती है। सार्वजनिक वस्तुओं तथा सेवाओं एवं व्यक्तिगत वस्तुओं के बीच साधनों का बंटवारा तथा सामाजिक अनुकूलतम स्तर वहां होगा, जहां सार्वजनिक वस्तुओं में होने वाली सीमांत उपयोगिता करारोपण के कारण उत्पन्न सीमांत अनुपयोगिता के बराबर हो जाये। प्रो. मशग्रेव ने पीगू-डाल्टन दृष्टिकोण को रेखाचित्र के माध्यम से स्पष्ट किया है-

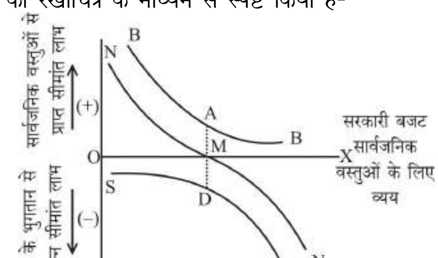

रेखाचित्र में बिन्दु M सार्वजनिक वस्तुओं की अनुकूलतम स्थिति है, क्योंकि इस बिन्दु पर सीमांत सामाजिक लाभ = सीमांत सामाजिक त्याग अर्थात AM = MD/ NN वक्र निवल सामाजिक कल्याण या लाभ प्रदर्शित करता है।

17. अवमूल्यन भुगतान घाटा के संतुलन में सुधार करेगा, यदि अवमूल्यन करने वाले देश के निर्यात और आयात के लोचों का योग है :
(a) एक से अधिक (b) एक से कम
(c) शून्य के बराबर (d) नकारात्मक

Ans. (a) : भुगतान शेष समायोजन करने की लोच विधि मार्शल लर्नर के साथ सम्बन्धित है। जब एक देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करता है, तो इसके आयातों की घरेलू कीमते बढ़ जाती है और इसके निर्यातों की विदेशी कीमते कम हो जाती है। अवमूल्यन किस सीमा तक सफल होगा, इसके बारे में मार्शल-लर्नर शर्त बताती है कि जब आयातों और निर्यातों की मांग की लोचों का जोड़ निरपेक्ष रूप में इकाई से अधिक हो तो अवमूल्यन से एक देश का भुगतान शेष सुधारेगा Ex + Em > 1
जहां Ex = निर्यातों की मांग लोच
Ex = आयातों की मांग लोच है
इसके विपरीत, यदि Ex + Em< 1 तो अवमूल्यन भुगतान शेष को बिगाड़ देगा। और यदि Ex + Em = 1, तो अवमूल्यन का भुगतान शेष स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

18. अप्रैल 1999 से जवाहर रोजगार योजना का नया नाम है:
(a) जवाहर ग्राम समृद्धि योजना
(b) जवाहर स्वर्ण जयन्ती योजना
(c) जवाहर समृद्धि योजना
(d) जवाहर ग्रामीण विकास योजना

Ans. (a) : जवाहर रोजगार योजना की शुरूआत 1989-90 के बजट में की गई थी। इसमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (NREP) और खेतिहर मजदूर रोजगार गारंटी कार्यक्रम (RLEGP) का विलय कर दिया गया था। इसमें रोजगार कार्यक्रमों को बनाने व चलाने का दायित्व पंचायतों को सौंपा गया था। अप्रैल, 1999 में जवाहर रोजगार योजना को पुनर्गठित किया गया और इसे जवाहर ग्राम समृद्धि योजना नाम दिया गया।

19. सन् 2000-2001 में भारत में बाह्य ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से अनुपात था:
(a) 15.3% (b) 9.1%
(c) 7.1% (d) 5.4%

Ans. (a) : सन् 2000-01 में भारत में बाह्य ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से अनुपात 15.3% था। वर्तमान में मार्च 2015 के अन्त तक भारत का विदेशी ऋण 475 बिलियन डालर ($) था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 23.8% है।

20. निम्नलिखित में से कौन विक्षेपण का माप नहीं है?
(a) विचलनों का माप (b) प्रसरण
(c) रेंज (d) अंतर-चतुर्थक रेंज

Ans. (b) : प्रसरण विक्षेपण का माप नही है। प्रमाप विचलन के वर्ग को प्रसरण (Variance) कहते है।

21. GDP डिफ्लेटर किस प्रकार का इंडेक्स है:
(a) पाशे इंडेक्स (b) लासपाइरेस इंडेक्स
(c) फिशर इंडेक्स (d) डिविसिया इंडेक्स

Ans. (a) : GDP डिफ्लेटर पाशे इण्डेक्स के प्रकार का इण्डेक्स है। पाशे का सूचकांक-
$$P = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$$
यहां चालू वर्ष की मात्रा q_1 को भार प्रदान किया गया है।

22. एक कक्षा में 50 छात्र हैं। उनके वजन का माध्य, μ=55 kg तथा मानक विचलक σ = 17 kg है। उस कक्षा में दो छात्र जिनके वजन 47 kg तथा 58 kg हैं स्कूल छोड़ देते हैं, तथा दो नये छात्र जिनके वजन 50 kg तथा 55 kg हैं, कक्षा में आ जाते हैं। तब वजन का नया माध्य μ_1 तथा मानक विचलक, σ_1 है,
(a) $\mu_1 = 55, \sigma = 17$ (b) $\mu_1 = 55, \sigma < 17$
(c) $\mu_1 < 55, \sigma_1 > 17$ (d) $\mu_1 > 55, \sigma_1 = 17$

Ans. (a) : एक कक्षा में 50 छात्र है। उनके वजन का माध्य μ=55 kg तथा मानक विचलन σ = 17 kg है। उस कक्षा में दो छात्र जिनके वजन 47 kg तथा 58 kg है स्कूल छोड़कर चले जाते है, तथा दो नये छात्र जिनके वजन 50 kg तथा 55 kg है, कक्षा में आ जाते है तब वजन का नया माध्य μ=55 तथा मानक विचलन σ = 17 होगा।

निम्नलिखित उद्धरण को पढ़े तथा प्रश्न संख्या 23-25 के उत्तर इस उद्धरण के आधार पर दें :
मांग वक्र के किसी खंड के अंतर्गत कीमत में परिवर्तन उपभोक्ता के सकल व्यय को अपरिवर्तित छोड़ देगा यदि, और केवल यदि चाप लोच इकाई के बराबर है। पुनः कीमत में कोई मध्यवर्ती परिवर्तन उपभोक्ता के सकल व्यय को अपरिवर्तित रखेगा। यदि मांग वक्र के प्रत्येक बिन्दु-लोच इकाई के बराबर है।

23. निम्नलिखित में से कौन सा चाप-लोच का प्रतिनिधित्व करता है?
(a) $\frac{\Delta q.}{\Delta p.} \frac{\text{कीमतों का योग}}{\text{मात्राओं का योग}}$ (b) $\frac{\Delta p.}{\Delta q.} \frac{p_1 + p_2}{q_1 + q_2}$
(c) $\frac{\Delta q.}{\Delta p.} \frac{p_1 - p_2}{q_1 + q_2}$ (d) $\frac{\Delta q.}{\Delta p.} \frac{p_1 + p_2}{q_1 - q_2}$

Ans. (d) : मांग की चाप लोच $= \frac{\Delta q}{\Delta p} \cdot \frac{p_1 + p_2}{q_1 - q_2}$
दो बिन्दुओं के मध्य मांग वक्र के भाग के 'चाप' कहा जाता है। तथा सम्बन्धित मांग की लोच को 'चाप मांग की लोच' कहा जाता है।

24. यदि एक अरेखीय मांग वक्र का लोच सदा ही स्थिर रहता है तो वक्र का ढलान :
(a) धनात्मक होगा (b) अपरिवर्तित रहेगा
(c) बिन्दु-दर बिन्दु बदलेगा (d) इनमें से कुछ नहीं होगा

Ans. (c) : यदि एक अरेखीय मांग वक्र का लोच सदा ही स्थिर रहता है तो वक्र का ढाल बिन्दु दर बिन्दु बदलेगा।

25. यदि कीमत का कोई परिवर्तन कीमत के उठाव तथा गिरावट में हमें लोच के विभिन्न मूल्य देता है तो हम निम्नलिखित का प्रयोग कर रहे हैं :
(a) बिन्दु विधि (b) चाप विधि
(c) सकल लागत (टोटल आउटले) विधि (d) व्यय विधि

Ans. (a) : यदि कीमत का कोई परिवर्तन कीमत के उठाव तथा गिरावट में हमें लोच के विभिन्न मूल्य देता है तो हम बिन्दु विधि का प्रयोग कर रहे है।

26. सबसे पहले वाले से प्रारम्भ करते हुए, निम्नलिखित को संतुलन के सामान्य सिद्धान्त के विकास के कालानुक्रम में व्यवस्थित करें
i. आर. कैण्टीलोन ii. एफ. ज्वेंसन
iii. एल. वालरस iv. डब्लू. लिओंटीफ
कूट:
(a) iv, i, ii, iii (b) iii, iv, i, ii
(c) i, ii, iii, iv (d) ii, iii, iv, i

Ans. (c) : (i) आर. कैण्टीलोन- 1680 – May, 1734, Irish French Economist and Author
(ii) एफ. ज्वेंसने
(iii) एल. वालरस- 16 Dec. 1834- 5 January, 1910 French Mathematical Economist
(iv) डब्ल्यू. लिओंटिफ- 5 August, 1906- 5 Feb, 1999, An Amrican Economist

27. सबसे पहले वाले से प्रारम्भ करते हुए, निम्नलिखित लेखकों को, कल्याण अर्थशास्त्र में उनके योगदान के कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें :

(i) जे. बेंथम (ii) वाई. पेरेटो
(iii) एम. मार्शल (iv) जे. हिक्स

कूट :

(a) (iii) (ii) (iv) (i)
(b) (i) (iii) (ii) (iv)
(c) (iv) (i) (iii) (ii)
(d) (ii) (iv) (i) (iii)

Ans. (b) : (i) जे. बेंथम- 15 feb, 1748 – 6 June 1832, was an English Philosophay, Jurist and social reformer.
(ii) अल्फेड मार्शल- 26 July, 1842- 13 July 1924, neoclassical economics.
(iii) विलफ्रेड पैरेटो- 15 July 1848- 19 Aug 1923, An Italian Engineer, Sociologist Economist, philashipy
(iv) जे हिक्स- 8 April, 1904- 20 May, 1989, was An Brifish Economist.

28. निम्नलिखित को,2002 वर्ष में वैश्विक एफ.डी.आई. प्राप्तियों में उनके शेयर के अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(i) हांग-कांग (ii) चीन
(iii) भारत (iv) कोरिया

कूट :

(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (iv) (ii) (i) (iii)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (i) (iii) (iv) (ii)

Ans. (a) : (i) चीन (ii) हांग-कांग
(iii) भारत (iv) कोरिया

29. निम्नलिखित को, 2004 वर्ष में विश्व निर्यात में उनके शेयर के अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

(i) चीन (ii) हांग-कांग
(iii) इण्डोनेशिया (iv) मलेशिया

कूट :

(a) (iii) (iv) (ii) (i)
(b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (iv) (i) (iii) (ii)
(d) (ii) (iii) (i) (iv)

Ans. (b) : (i) चीन (ii) हांग-कांग
(iii) मलेशिया (iv) इण्डोनेशिया

30. सबसे पहले वाले से प्रारम्भ करते हुए, अल्पाधिकारवाद के सिद्धान्त के संदर्भ में, निम्नलिखित लेखकों को कालानुक्रम में व्यवस्थित करें :

(i) ई. स्टेकेलबर्ग (ii) पी. स्वीजी
(iii) जे. बरट्रेण्ड (iv) ए. कूर्नोट

कूट :

(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (ii) (iv) (iii)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

Ans. (b) : (i) ए. कूर्नोट- अल्पधिकार माडल का सर्वप्रथम प्रतिपादन फेंच अर्थशास्त्री 1838 ई. में किया।
(ii) जे. बरट्रेण्ड-क्रूनों के बाद जोसेफ बरट्रेण्ड ने 1883 में किया।
(iii) पी. स्वीजी-विंकुचित मांग वक्र का प्रतिपादन 1939 ई. में किया।
(iv) ई. स्टेकलबर्ग-स्टेकलबर्ग ने अपना माडल 1934 ई. में दिया।

31. भारत में 2001 में राज्यानुसार साक्षरता दर के संदर्भ में निम्नलिखित राज्यों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) केरल (ii) मिजोरम
(iii) लक्ष्यद्वीप (iv) गोवा

कूट :

(a) (iv) (iii) (i) (ii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (i) (iv) (iii)
(d) (iii) (iv) (ii) (i)

Ans. (b) : 2001	**2011**
(i) केरल	(1) केरल-94%
(ii) मिजोरम	(2) मिजोरम- 91.3%
(iii) लक्ष्यद्वीप	(3) गोवा-88.7%
(iv) गोवा	(4) त्रिपुरा-87.2%

32. उपभोक्ता-व्यवहार के सिद्धान्त के किस के संदर्भ में, सबसे पहले वाले से प्रारम्भ कर निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित करें।

(i) मांग सिद्धान्त का संशोधन
(ii) उद्घाटित वरीयता का सिद्धान्त
(iii) तटस्थ वक्र विश्लेषण
(iv) उपभोक्ता-व्यवहार का मार्शल द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त

कूट :

(a) (iii) (iv) (i) (ii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (i) (iv) (iii)
(d) (iv) (iii) (ii) (i)

Ans. (d) : (i) उपभोक्ता-व्यवहार का मार्शल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत- अपनी पुस्तक 'Principles of Eonomics, 1890 में दिया।
(ii) तटस्थ वक्र विश्लेषण-J. R. Hicks and R.G.D. Allen, 1939
(iii) उद्घाटित वरीयता का सिद्धांत- सेम्युएलसन ने 1950 में दिया।
(iv) मांग सिद्धांत का संशोधन

33. पहले वाले से प्रारम्भ कर, निम्नलिखित योजनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें।

(i) प्रधानमंत्री रोजगार योजना
(ii) ग्रामीण रोजगारोत्पादक कार्यक्रम
(iii) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना
(iv) राष्ट्रीय भोजन एवं कार्य योजना

कूट :

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (ii) (iii) (i)
(c) (iii) (iv) (ii) (i)
(d) (i) (iii) (ii) (iv)

Ans. (a) : (1) प्रधानमंत्री रोजगार योजना- 2, Octo, 1993
(2) ग्रामीण रोजगारोत्पादक कार्यक्रम- 1 April, 1995s
(3) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना- Sep. 2001में
(4) राष्ट्रीय भोजन एवं कार्ययोजना- 2008-09*

34. मेल बैठाइए:

(A) जे. आर. हिक्स (i) विभेदक किराया
(B) कार्ल मार्क्स (ii) उपभोक्ता आधिक्य के चार माप
(C) फ्रांसिस क्वेस्मे (iii) उत्पादन की रीति
(D) डेविड रिकार्डो (iv) टैब्ल्यू एकोनॉमिक
(v) ट्रांस्फर अर्निंग्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(d)	(v)	(ii)	(iii)	(iv)

Ans. (b) :
(a) जे. आर. हिक्स- (ii) उपभोक्ता आधिक्य के चार माप।
(b) कार्ल मार्क्स- (iii) उत्पादन की रीति।
(c) फ्रांसिस क्वेस्मे- (iv) टैब्ल्यू एकोनॉमिक।
(d) डेविड रिकार्डो- (i) विभेदक किराया।

35. मेल बैठाइए:

(A) एडम स्मिथ — (i) वास्तविक संतुलन प्रभाव
(B) हेक्सर ओह्लिन — (ii) उपभोक्ता आधिक्य
(C) ई. वान स्टेकेलबर्ग — (iii) श्रम का विभाजन
(D) डी. पटिंकिन — (iv) व्यापार का फैक्टर एन्डोमेण्ट सिद्धान्त
(v) Iso-लाभ वक्र

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

Ans. (d) : (a) एडम स्मिथ (iii) श्रम का विभाजन।
(b) हेक्सर ओह्लिन (iv) व्यापार का फैक्टर एण्डोमेण्ट सिद्धांत।
(c) ई. वान स्टेकेलबर्ग (v) Iso लाभ वक्र।
(d) डी. पटिंकिन. (i) वास्तविक संतुलन प्रभाव

36. मेल बैठाइए:

(A) विक्रय लागत — (i) जे. आर. हिक्स
(B) किंकी मांग वक्र — (ii) पूर्ण प्रतिस्पर्धा
(C) स्थानापन्न प्रभाव — (iii) ई. चैम्बरलिन
(D) पूर्ण ज्ञान — (iv) अल्पाधिकार
(v) चरम लाभ

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(v)

Ans. (c) : (a) विक्रय लागत (iii) ई. चैम्बरलिन।
(b) किंकी मांग वक्र (iv) अल्पाधिकार।
(c) स्थानापन्न प्रभाव (i) जे. आर. हिक्स।
(d) पूर्ण ज्ञान (ii) पूर्ण प्रतिस्पर्धा।

37. मेल बैठाइए:

(A) रोजगार, ब्याज तथा मुद्रा का सामान्य सिद्धान्त — (i) पी. सैम्युल्सन
(B) आधिक्य मूल्य — (ii) जे.एम. किन्स
(C) उद्घाटित वरीयता सिद्धान्त — (iii) वालरस
(D) सामान्य समतुल्यता — (iv) हार्सेन
(v) कार्ल मार्क्स

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

Ans. (b) : (a) रोजगार ब्याज तथा मुद्रा का सामान्य सिद्धांत- (ii) जे. एम. कीन्स।
(b) आधिक्य मूल्य- (v) कार्ल मार्क्स।
(c) उद्घाटित वरीयता सिद्धांत- (i) पी. सैम्युल्सन।
(d) सामान्य समतुल्यता- (iii) वालरस।

38. मेल बैठाइए:

(A) उल्टा U आकारी वक्र — (i) जोन रॉबिन्सन
(B) चाकू धार समस्या — (ii) आर.जी.डी. एलेन
(C) स्वर्णिम युग — (iii) हैरोड डोमर
(D) सशक्त व्यवस्थापन — (iv) एस. कुजनेट्स
(v) पी. सैम्युल्सन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (c) : (a) उल्टा U- आकारी वक्र- (iv) साइमन कुजनेट्स।
(b) धुरी की धार समस्या- (iii) हैरोडे-डोमर।
(c) स्वर्णिम युग- (i) जॉन रॉबिन्सन।
(d) सशक्त व्यवस्थापन- (v) पी. सैम्युल्सन।

39. मेल बैठाइए:

(A) सार्वजनिक सामग्री — (i) जे.ए. शुंपीटर
(B) नवप्रवर्तन — (ii) डब्ल्यू. लियोंटिफ
(C) लाभ की अनिश्चितता का सिद्धान्त — (iii) डब्ल्यू,डब्ल्यू रोस्टो
(D) आगत-निर्गत विश्लेषण — (iv) एफ. नाइट
(v) मस्ग्रेव

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

Ans. (b) : (a) सार्वजनिक सामग्री- (v) मस्ग्रेव।
(b) नवप्रवर्तन- (i) जे. ए. शुम्पीटर।
(c) लाभ की अनिश्चितता का सिद्धांत- (iv) एफ. नाइट।
(d) आगत-निर्गत विश्लेषण- (ii) डब्ल्यू. लियोंटिफ।

40. मेल बैठाइए:

(A) रोमर, पॉल एम. — (i) करने के द्वारा छोड़ना
(B) लुकास, रॉबर्ट ई जुनियर — (ii) शोध एवं विकास
(C) ऐरो, केनेथ जे. — (iii) मानव पूंजी
(D) सोला, रॉबर्ट एम. — (iv) नवप्रवर्तन
(v) बहिर्जात तकनीकी प्रगति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(i)	(v)	(iv)	(ii)

Ans. (b) : (a) रोमर, पॉल एम.- (iii) मानव पूंजी।
(b) लुकास, राबर्ट ई. जूनियर- (iv) नवप्रवर्तन।
(c) ऐरो, केनेथ जे.- (ii) शोध एवं विकास।
(d) सोलो, राबर्ट एम.- (i) करने के द्वारा छोड़ना।

41. मेल बैठाइए :

(A) विदेशी व्यापार नीति — (i) न्यूनतम समर्थन मूल्य
(B) औद्योगिक नीति — (ii) संतुलित बजट
(C) कृषीय नीति — (iii) सीमांत उपयोगिता
(D) वित्तीय नीति — (iv) एफ. ई. एम. ए.
(v) एक्जिम नीति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(v)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(v)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans. (b) : (a) विदेश व्यापार नीति- एक्जिम नीति (Exim Policy)
(b) औद्योगिक नीति- एफ. ई. एम. ए. (FEMA)
(c) कृषीय नीति- न्यूनतम समर्थन मूल्य
(d) वित्तीय नीति- संतुलित बजट

42. मेल बैठाइए:

(A) कूर्नोट का डुओपोली मॉडल — (i) प्राक्कल्पित क्षतिपूर्ति
(B) पेरेटो इष्टमता मत — (ii) सीमित कीमत रखना
(C) नव्य कल्याण मत — (iii) सीमित अनुप्रयुक्ति
(D) बेन का मॉडल — (iv) उप इष्टतम समाधान
(v) असीमित अनुप्रयुक्ति

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(v)	(iv)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(iv)
(d)	(ii)	(v)	(iii)	(i)

Ans. (b) :
(a) कूर्नोट का डुओपोली मॉडल- (iv) उप इष्टतम समाधान।
(b) परेटो इष्टमता- (iii) सीमित अनुप्रयुक्ति।
(c) नव्य कल्याण मत- (i) प्राक्कल्पित क्षतिपूर्ति।
(d) बेन का मॉडल- (ii) सीमित कीमत रखना।

ध्यान दें: इस प्रश्नपत्र के शेष प्रश्न कथन और कारण प्रकार के हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न के लिए नीचे दिये विकल्पों में से सही कूट चुनिए

कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

43. कथन (A) : एक अधोगामी रेखीय मांग वक्र पर कीमत की लोच एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु पर बदलती रहती है।
कारण (R) : लोच मांग वक्र के ढलाव पर निर्भर नहीं करती।

Ans. (b) : एक अधोगामी रेखीय मांग वक्र पर कीमत की लोच एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु पर बदलती रहती है। कीमत की लोच मांग वक्र के ढलाव पर ही निर्भर नहीं करती। अतः (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

44. कथन (A) : स्तरित संयोगजन्य प्रतिचयन का उपयोग सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों में बहुधा किया जाता है।
कारण (R) : सामाजिक स्तरीकरण एक सामाजिक वास्तविकता है।

Ans. (a) : स्तरित संयोगजन्य प्रतिचयन का उपयोग सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों में बहुधा किया जाता है। क्योंकि सामाजिक स्तरीकरण एक सामाजिक वास्तविकता है। स्तरित प्रतिचयन (Straitified Sampling) में आकड़ो या संख्या को कई स्तर में बाटतें है और उसमें से Randomly चयन किया जाता है। इसमें प्रायिकता का गुण पाया जाता है।
अतः कथन और कारण दोनों सही है और सही व्याख्यो कर रहा है।

45. कथन (A) : स्थायी विनिमय दर प्रणाली तथा स्थिर आंतरिक कीमत और ब्याज दर वाली खुली अर्थव्यवस्था में होता हैः
(i) $S = I_d$ = रुपये 100 तथा X=M= रुपये 300 at Y_E= रुपये 1000, I_d तथा X स्वायत है तथा
(ii) एम.पी.एस. = एम.पी.एम. = 0.25 यदि X स्थायी रूप में रुपये 100 बढ़ जाता है तो आय रुपया 200 बढ़ जायेगी।

कारण (R) : गुणक है $\dfrac{1}{2\,\text{एम.पी.एस.}} = \dfrac{1}{2\,\text{एम.पी.एम.}}$

Ans. (a) : कथन और कारण दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A) की व्याख्या कर रहा है।

46. कथन (A) : हाल के भारतीय अनुभव के अनुसार रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की दर में गिरावट का संबंध आर्थिक वृद्धि की दर में गिरावट से हैं।
कारण (R) : ओकन का नियम कार्य कर रहा है।

Ans. (a) : ओकन का नियम कहता है कि जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जाता है, रोजगार के अवसर में वृद्धि होती है तथा जैसे-जैसे आर्थिक वृद्धि की दर में गिरावट होने लगती है, रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की दर में गिरावट आने लगती है।
अतः कथन और कारण दोनों सही है कारण, कथन की व्याख्या कर रहा है।

47. कथन (A) : जब आई.एस. वक्र उर्ध्व नहीं है, तो मौद्रिक नीति सकल मांग के स्तर को नहीं बदल सकती।
कारण (R) : अपनी सफलता के लिए मौद्रिक नीति किसी हित या रुचि-सोच विचार व्यय पर निर्भर है।

Ans. (d) : IS- वक्र जितना अधिक लोचदार होगा, मौद्रिक नीति उतनी ही प्रभावी होगी और विलोमतः भी। जब सरकार विस्तारवादी मौद्रिक नीति अपनाती है तो आय में वृद्धि तथा ब्याज दर में कमी करती है तथा जब संकुचनकारी मौद्रिक नीति अपनाती है तो ब्याज दर में वृद्धि एवं आय में कमी करती है। अतः कथन गलत है, परन्तु कारण सही है।

48. कथन (A) : कालडोर के अनुसार स्थिर अवस्था वाला संतुलन सदा बना रहेगा।
कारण (R) : मजदूरी-कीमत नमनीयता यह सुनिश्चित करेगी कि वितरण में परिवर्तन के माध्यम से पूर्व-निर्धारित निवेश के साथ बचत निष्क्रिय अनुक्रिया करती है।

Ans. (a) : कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है एवं कारण, कथन की व्याख्या कर रहा है।

49. कथन (A) : एक रैखिक प्रोग्रामन समस्या में कोई-ना-कोई 'कोण-बिन्दु' इष्टतम समाधान से संबंधित होगा।
कारण (R) : इष्टतम समाधान एक आख्यांतर समाधान नहीं हो सकता।

Ans. (a) : कथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही तथा R, A की व्याख्या कर रहा है।

50. कथन (A) : कॉब डग्लस उत्पादन क्रिया $Y_t = A_t K_t^{\alpha} L_t^{1-\alpha}$ हिक्स तथा हैरोड दोनों की निष्पक्षता को स्वीकार करती है।
कारण (R) : यह एक डिग्री के समघात है।

Ans. (a) : कथन (A) एवं कारण (R) दोनों सही तथा कारण (R), कथन (A) की व्याख्या कर रहा है।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2007
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित का मिलान करें:

(A) सम-लाभ वक्र	(i) एडम स्मिथ
(B) विक्रय अधिकतम सिद्धान्त	(ii) ई.वी. स्टैकेलबर्ग
(C) विक्रय लागतें	(iii) डब्ल्यू. बॉमोल
(D) कुल लाभ का सिद्धान्त	(iv) एडवर्ड चैम्बरलिन

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें :

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

Ans. (a) :
(a) सम लाभ वक्र - ई. बी. स्टेकेलबर्ग
(b) विक्रय अधिकतम सिद्धांत - डब्ल्यू बॉमोल
(c) विक्रय लागते - एडवर्ड चैम्बरलिन
(d) कुल लाभ का सिद्धांत - एडम स्मिथ

2. कथन (A) : यदि मांग में वृद्धि बहुत अधिक है तथा यह दीर्घकाल तक बना रहता है तो अल्पाधिकारियों का मांग वक्र विपर्यस्त (उल्टा) होगा।

कारण (R) : घाटा के प्रति प्रतिस्पर्धी कम चिंतित होंगे तथा अपनी क्षमता के आस-पास ही अपने व्यापार का संचालन करेंगे।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चनें :

कूटः

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (c) : अल्पाधिकार में कीमत स्थिरता के संबंध में सबसे लोकप्रिय व्याख्या विकुंचित (kinked) मांग वक्र सिद्धांत की है, जिसका प्रतिपादन Paul M. Sweezy ने की। इस सिद्धांत के अनुसार अल्पाधिकारी जिस मांग वक्र का सामना करता है, उसमें वर्तमान कीमत के स्तर पर विकुंचन होता है। विकुंचन वर्तमान कीमत स्तर पर इसलिए होता है क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत से ऊपर है अत्यंत लोचदार होता है और वर्तमान कीमत से मांग वक्र का नीचे का भाग बेलोचदार।

3. प्रकटित वरीयता सिद्धान्त का उपयोग किया जा सकता हैः

(a) एक तटस्थता वक्र की उन्नतोदरता करने के लिए।
(b) कीमत-प्रभाव को अलग करने के लिए
(c) मांग के नियम के मूलभूत साध्य (प्रस्ताव) को सिद्ध करने के लिए
(d) इनमें से सभी के लिए

Ans. (c) : प्रो. सेम्युलसन ने अपनी उद्घाटित अधिमान परिकल्पना की सहायता से मार्शल के मांग के नियम का व्युत्पादन किया। सेम्युलसन मांग के नियम को जिसको उसने उपभोग सिद्धांत का आधारभूत नियम कहा। यह सिद्धांत Market में उपभोक्ता के अवलोकित (Observed) व्यवहार के आधार पर दो वस्तुओं के एक संयोग के लिए उपभोक्ता के अधिमान का विश्लेषण करता है।

4. पूर्ण स्थानापन्नों के होने पर तटस्थता वक्र______है।

(a) समकोणीय
(b) रेखीय उर्ध्वगामी चढ़ाव
(c) रेखीय अधोगामी ढलान
(d) मूलबिन्दु से नतोदर

Ans. (a) : जब वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न हो तो इस संबंध में खींचा गया अनधिमान वक्र सीधी रेखा के रूप में होगा। जैसा कि चित्र से स्पष्ट है-

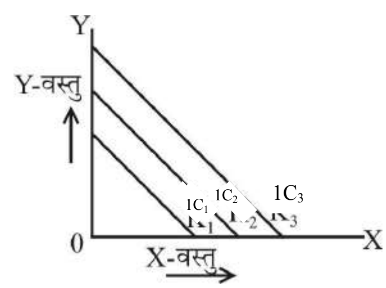

Page – 51, S.N. Lal, व्यष्टि अर्थशास्त्र

5. एक रिजलाइन ऐसे बिन्दुओंका बिन्दुपथ है जहाँ फैक्टर इंपुट की उपांतीय उत्पादकता इस प्रकार होती है :

(a) शून्य के बराबर
(b) शून्य से अधिक
(c) ऋणात्मक
(d) एक के बराबर

Ans. (a) : उत्पादन की एक प्राविधिक सीमा होती है जिसके बाहर प्रतिस्थापन नहीं किया जा सकता है, उत्पादन की इस प्राविधिक सीमा को प्रदर्शित करने वाली रेखाओं को रिज रेखायें (Ridge Line) कहते हैं। इन सीमाओं के भीतर ही साधनों का प्रतिस्थापन हो सकता है, बाहर नहीं। अर्थात् रिज लाइन विभिन्न बिंदुओं का वह बिंदुपथ होता है, जिस पर संपूर्ण साधनों की सीमांत उत्पादकता शून्य होती है।

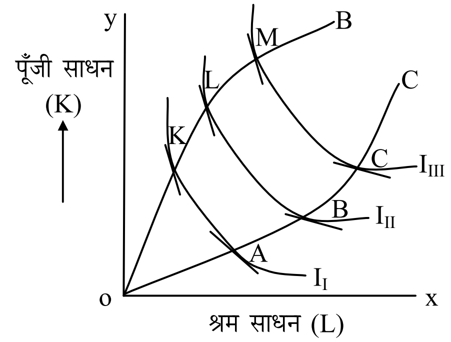

चित्र में बिंदु A,B,C, पर श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य है तथा बिंदु K,L,M पर पूंजी की सीमांत उत्पादकता शून्य है। OB तथा OC रिज रेखायें हैं।

6. निम्नलिखित में से कौन पैरेटो द्वारा प्रतिपादित ईष्टतमता की पूर्वधारणा नहीं है?

(a) पूर्ण प्रतिस्पर्धा का विद्यमान होना
(b) बहिर्मुखता का अभाव
(c) उपयोगिता की संख्यासूचक प्रकृति
(d) उपयोगिता क्रमसूचक है

Ans. (c) : प्रसिद्ध कल्याणकारी अर्थशास्त्री परेटो ने सामाजिक कल्याण के संदर्भ में जो सिद्धांत प्रस्तुत किये हैं उसे परेटो अनुकूलतम कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार जब किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो, उसे परेटो अनुकूलतम कहते हैं।
परेटो ने अपने सिद्धांत की व्याख्या के लिए-
1. वस्तु तथा साधन बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पायी जाती है।
2. उपयोगिता की क्रमवाचक माप संभव है।
3. प्रत्येक उपभोक्ता अपनी उपयोगिता को अधिकतम करना चाहता है।
4. वस्तुएं तथा साधन पूर्णतया विभाज्य है, आदि मान्यतायें लेते हैं।
अतः परेटो ने अपने सिद्धांत की व्याख्या में उपयोगिता की संख्यात्मक माप का प्रयोग नहीं किया है, बल्कि व्याख्या में क्रमवाचक विधि का प्रयोग किया है।

7. जब ऋणात्मक आय प्रभाव स्थानापन्न प्रभाव से भारी हो तो सम्बन्धित वस्तु है:

(a) गिफिन वस्तु (b) निम्नकोटि की वस्तु
(c) सामान्य वस्तु (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : जब ऋणात्मक आय प्रभाव स्थानापन्न प्रभाव से ज्यादा हो तो वस्तु गिफिन होगी अर्थात् गिफिन वस्तुओं के संबंध में आय प्रभाव धनात्मक तथा प्रतिस्थापन प्रभाव ऋणात्मक होगा।

8. मुद्रास्फीति को नान-एक्सेलरेटिंग इंफ्लेशन रेट ऑफ अनइंफ्लायमेंट (NAIRU) के नीचे बलात् ले जाने के प्रयास से ऐसी स्थिति होगी :

(a) रोजगार या उत्पादन में बिना किसी परिवर्तन के मुद्रास्फीति का त्वरण
(b) रोजगार तथा उत्पादन के बढ़ने के साथ मुद्रास्फीति का अवत्वरण
(c) रोजगार तथा उत्पादन का यथावत् हुए मुद्रास्फीति का अवत्वरण
(d) रोजगार तथा उत्पादन के साथ मुद्रास्फीति का अपरिवर्तित रहना

Ans. (a) : NAIRU का प्रतिपादन फ्रीडमैन ने किया। मुद्रा स्फीति को Non-Accelerating Inflation Rate of Unemployment (NAIRU) के नीचे बलात् ले जाने से रोजगार या उत्पादन में बिना किसी परिवर्तन के मुद्रा स्फीति के त्वरण की स्थिति होगी। **Page – 506, S.N. Lal, व्यष्टि अर्थशास्त्र**

9. मुद्रा-मांग के वर्गमूल परिसूत्र का विकास इनमें से किसके द्वारा किया गया?

(i) मिल्टन फ्रीडमैन (ii) जेम्स टॉबिन
(iii) ए.सी. पीगू (iv) विलियम बॉमोल

नीचे दिए गए कोड से उपरोक्त नामों में से सही उत्तर चुनें :
कोड :
(a) (i) तथा (ii) सही हैं (b) (i) तथा (iii) सही हैं
(c) (ii) तथा (iv) सही हैं (d) (ii) तथा (iii) सही हैं

Ans. (c) : मुद्रा मांग के वर्गमूल परिसूत्र का विकास जेम्स टॉबिन तथा बॉमोल द्वारा किया गया।

10. रोजगार के शास्त्रीय मॉडेल में उत्पादन तथा रोजगार को प्रभावित नहीं करने वाले कुछ कारकों पर विचार करें:

(i) मुद्र का परिणाम
(ii) सरकारी व्यय का स्तर
(iii) उत्पादन फलन ऊर्ध्वगामी बदलाव
(iv) निवेश वस्तुओं के लिए मांग का स्तर

इनमें से :
कोड :
(a) (i), (ii) तथा (iv) सही हैं
(b) (i), (ii) तथा (iii) सही हैं
(c) (i), (iii) तथा (iv) सही हैं
(d) (ii), (iii) तथा (iv) सही हैं

Ans. (a) : मुद्रा का परिमाण, सरकारी व्यय का स्तर तथा निवेश वस्तुओं के लिए मांग का स्तर इत्यादि रोजगार का शास्त्रीय मॉडल में उत्पादन तथा रोजगार को प्रभावित नहीं करने वाले कुछ कारक हैं।

11. उपभोग के सरल जीवन चक्र मॉडेल से सम्बन्धी कुछ विशेषताओं पर विचार करें:

(i) उपभोग व्यय जीवन काल की आय द्वारा वित्त पोषित होता है।
(ii) वर्तमान उपभोग व्यय जीवन काल की आय तथा वर्तमान धन पर आधारित होता है।
(iii) प्रति वर्ष उपभोग व्यक्ति की आयु प्रत्याशा पर निर्भर होता है।
(iv) किसी व्यक्ति का वर्तमान उपभोग उसकी वर्तमान आमदनी पर निर्भर होता है।

इनमें से :

कोड :

(a) (i) तथा (ii) सही हैं (b) (ii) तथा (iii) सही हैं

(c) (i) तथा (iii) सही हैं (d) (iii) तथा (iv) सही है

Ans. (a) : जीवन चक्र परिकल्पना का प्रतिपादन अल्बर्ट एण्डो तथा मॉद ग्लियानी ने किया। फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना की ही तरह जीवन चक्र की परिकल्पना यह प्रतिपादित करती है कि किसी दी हुई अवधि में किसी व्यक्ति का उपभोग उसकी उस अवधि की आय पर बहुत सीमा तक निर्भर नहीं करता बल्कि उसकी आय या संपत्ति के वर्तमान मूल्य पर निर्भर करता है। जीवन चक्र परिकल्पना के अनुसार आय-संबंध को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है।

$C_f = KV_f$

किसी व्यक्ति के संपूर्ण जीवन अवधि में उपलब्ध साधन, पूर्व अवधि के अंत में व्यक्ति की निबल संपत्ति तथा भविष्य में प्राप्य प्रत्याशित गैर संपत्ति स्त्रोतों से प्राप्त आय के वर्तमान मूल्य के कुल योग के बराबर होगा।

Page – 273, S.N. Lal, समष्टि अर्थशास्त्र

12. उपभोग फलन की कुछ परिकल्पनाओं पर विचार करें:

(i) स्थायी आय प्राक्कल्पना

(ii) सापेक्षिक आय प्राक्कल्पना

(iii) जीवन-चक्र प्राक्कल्पना

(iv) पूर्ण-आय प्राक्कल्पना

इन्हें इनके उद्भव के कालानुक्रम के अनुसार व्यवस्थित करते हुए निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चनेः

कोड :

(a) (i), (iii), (iv) तथा (ii)

(b) (iv), (i), (iii) तथा (ii)

(c) (iv), (ii), (iii) तथा (i)

(d) (iii), (i), (iv) तथा (ii)

Ans. (c) : 1. पूर्ण-आय प्राक्कल्पना (निरपेक्ष आय परिकल्पना)- 1936 ई.

2. सापेक्षिक आय परिकल्पना- 1949 ई.।

3. जीवन चक्र प्राक्कल्पना- 1963 ई.।

4. स्थायी आय परिकल्पना- 1975 ई.।

13. केन्स के अनुसार ब्याज का भुगतान इनके लिए किया जाता है:

(a) तरलता का त्याग

(b) लेन-देन के उद्देश्य से मुद्रा रखना

(c) परिसम्पत्ति के रूप में मुद्रा रखना

(d) अनिश्चितता पर काबू पाने के लिए मुद्रा रखना

Ans. (a) : कीन्स ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'General Theory of Employment, interest and Money, 1936 में ब्याज दर के निर्धारण का एक नया सिद्धांत प्रतिपादित किया, जिसे उन्होंने 'तरलता अधिमान सिद्धांत कहा। कीन्स के अनुसार, "किसी निश्चित अवधि के लिए तरलता के त्याग का पुरस्कार ही ब्याज है।"

14. राष्ट्रीय लेखा में व्यय-योग्य आय की गणना इस रूप में किया जाता है:

(a) जी.डी.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर – अवितरित लाभ

(b) जी.एन.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ

(c) जी.डी.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ

(d) जी.एन.पी. – विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर + अवितरित लाभ

Ans. (a) : राष्ट्रीय लेखा में व्यय-योग्य आय की गणना निम्न प्रकार की जाती है-

व्यय योग्य आय- जी.डी.पी. + विदेश से प्राप्त शुद्ध आय + हस्तांतरण भुगतान – कर – अवितरित लाभ।

15. आर्थिक विकास से संबंधित कुछ कारकों पर विचार करें:

(i) बृहत्तर आदानों के लिए बृहत्तर निवेश

(ii) तकनीकी तथा सांस्थानिक परिवर्तन जिसके द्वारा उपादान उत्पादित होता है

(iii) बृहत्तर उपादान के उत्पादन का कार्यक्षमता तथा दक्षता का स्तर

(iv) उपादान का विविधीकरण

आर्थिक विकास में से निम्नलिखित शामिल हैं:

(a) (i), (iii) तथा (iv)

(b) केवल (i) तथा (iii)

(c) (i), (ii) तथा (iii)

(d) (i), (ii), (iii) तथा (iv)

Ans. (d) : आर्थिक विकास में वृहत्तर आदानों के लिए वृहत्तर निवेश, तकनीकी तथा सांस्थानिक परिवर्तन जिसके द्वारा उपादान उत्पादित होता है, वृहत्तर उपादान के उत्पादन का कार्यक्षमता तथा दक्षता का स्तर, उपादान का विविधीकरण इत्यादि कारक आर्थिक विकास से संबंधित है।

16. 'गरीबी का दुष्चक्र' की प्राक्कल्पना इनके बीच अन्तरसंबंध को इंगित करता है।

(a) उत्पादकता तथा आय

(b) आय तथा जनसंख्या

(c) मुद्रास्फीति तथा उच्च उपभोग

(d) श्रम आधिक्य प्रच्छन्न बेरोजगारी

Ans. (a) : 'गरीबी का दुष्चक्र' की परिकल्पना का प्रतिपादन रेगनर नर्क्स ने किया। गरीबी के दुष्चक्र से अभिप्राय आर्थिक शक्तियों का इस प्रकार से घूमना है कि वे परस्पर क्रिया-प्रतिक्रिया करती हुई निर्धन देश को सदैव निर्धनता की अवस्था में बनाये रखे। इस प्रकार 'गरीबी का दुष्चक्र' की प्राक्कल्पना आय तथा उत्पादकता के बीच अंतरसंबंध को इंगित करती है नर्क्स के अनुसार- "एक देश गरीब है, क्योंकि वह गरीब है।"

17. फीजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स का परिकलन इनके द्वारा किया गया :

(a) महबूबुल हक (b) मीयर जी. एम.

(c) मौरिस डी. (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : जीवन की भौतिक गुणवत्ता निर्देशांक (PQLI) को मौलिक रूप से सोचने का श्रेय जॉन टिनवर्जन (1976) को जाता है पर इसे मॉरिश डी मारिश के नाम से जाना जाता है जिन्होंने जीवन प्रत्याशा, बाल मृत्युदर तथा साक्षरता तीनों को मिला कर PQLI का निर्माण किया।

18. एक बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन में निम्नलिखित में से कौन अप्रासंगिक है?

(a) सांकेतिक नियोजन
(b) आधारभूत संरचना का विकास
(c) किसी सरकार द्वारा आर्थिक नीति
(d) विनिमय तथा नियंत्रण

Ans. (c) : एक बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन में किसी सरकार द्वारा आर्थिक नीति का निर्माण अप्रासंगिक होता है क्योंकि बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था बाजार द्वारा निर्धारित आर्थिक शक्तियों द्वारा संचालित होती है, जिसमें सरकार की भूमिका लगभग न के बराबर होती है।

19. असंतुलित विकास के सिद्धान्त में हर्षमैन द्वारा निम्नलिखित में से किस एक पहलू पर बल नहीं दिया गया है।

(a) पश्चवर्ती तथा अग्रवर्ती संयोजन
(b) प्रत्यक्ष उत्पादकीय गतिविधियाँ
(c) सामाजिक उपरि व्यय
(d) विभिन्न क्षेत्रों में साम्यावस्था

Ans. (d) : असंतुलित विकास के प्रवर्तक हषमैन का कथन है कि- ''विकास की प्रारंभिक अवस्था में निवेश ऐसे क्षेत्रों में केंद्रित किये जाने चाहिए जो आगे चलकर विकास की दर को बढ़ाने वाले हों। चूंकि आर्थिक विकास असंतुलनों की एक श्रृंखला के द्वारा होता है। अतः एक पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार अर्थव्यवस्था का जानबूझकर असंतुलित विकास किया जाना आर्थिक विकास का सबसे अच्छा तरीका है। असंतुलित विकास के लिए हर्षमैन ने दो मार्ग बताये–
1. सामाजिक उपरिव्यय पूंजी (SOC)
2. प्रत्यक्ष उत्पादक क्रियाओं (DPA) में विनियोग किया जाए।
अतः हर्षमैन ने अपने सिद्धांत में विभिन्न क्षेत्रों के मध्य साम्यावस्था की बात नहीं की।

20. निम्नलिखित में से कौन सा राजकोषीय नीति का उद्देश्य नहीं है?

(a) परिनियमित तरलता अनुपात निर्धारित करना
(b) उपभोग-बचत अनुपात को प्रभावित करना
(c) मुद्रास्फीति तथा मंदी को रोकना
(d) आय तथा धन के वितरण में विसंगतता को कम करना

Ans. (a):विकासशील देशों में राजकोषीय नीति के निम्न उद्देश्य हैं-
1. पूर्ण रोजगार प्राप्त करना।
2. आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देना।
3. बचत, विनियोग तथा पूंजी निर्माण की दरों को बढ़ाना।
4. मूल्य - स्थायित्व।
5. आर्थिक असमान को दूर करना।
अतः परिनियमित तरलता अनुपात निर्धारित करना मौद्रिक नीति का उद्देश्य है, राजकोषीय नीति का नहीं।

21. निम्नलिखित में से कौन सा भूमण्डलीकरण का माप नहीं है?

(a) सीमा शुल्क के शीर्ष-दर को कम करना
(b) किसी देश में विदेशी सांस्थानिक निवेशों के अन्तर्प्रवाह का आकार
(c) सार्वजनिक क्षेत्र के इक्विटी का विनिवेश
(d) बृहत्तर विदेशी सहायता

Ans. (c) : भूमंडलीकरण के अंतर्गत सीमा शुल्क के शीर्ष दर को कम करना, किसी देश में विदेशी संस्थानिक निवेशों के अंतर्प्रवाह का आकार, वृहत्तर विदेशी सहायता आदि आते हैं जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के इक्विटी का विनिवेश (Disinvestment) किसी देश के औद्योगिक नीति से संबंधित है।

22. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) उत्पादन फलन में अविभाज्यता– बिग पुश सिद्धान्त
(b) क्रांतिक न्यूनतक प्रयास – आर.आर. नेलसन
(c) वर्तुल कार्यकारण – जी. मिर्डल
(d) दीर्घकालिक असाम्यावस्था – हैरोड मॉडेल

Ans. (b) : उत्पादन फलन में अविभाज्यता—बिग पुश सिद्धांत, वर्तुल कार्यकरण—जी. मिर्डाल, दीर्घकालीन असाम्यवस्था—हैरोड मॉडल इत्यादि सही सुमेलित हैं, जबकि क्रांतिक न्यूनतम प्रयास सिद्धांत आर. नेल्सन ने नहीं बल्कि प्रो. हार्वे लीविंस्टीन ने दिया।
आर. नेल्सन ने निम्न संतुलन पाश सिद्धांत दिया।

23. यदि मांग का लोच (निम्न में से कोई) है, तो वस्तु कर का बोझ पूर्णरूपेण उपभोक्ताओं पर पड़ेगा :

(a) 1 के बराबर
(b) एक से कम किंतु शून्य से अधिक
(c) शून्य के बराबर
(d) 1 से अधिक

Ans. (c) : यदि मांग की लोच शून्य के बराबर है तो वस्तु कर का बोझ पूर्णरूपेण उपभोक्ताओं (क्रेताओं) पर पड़ेगा।

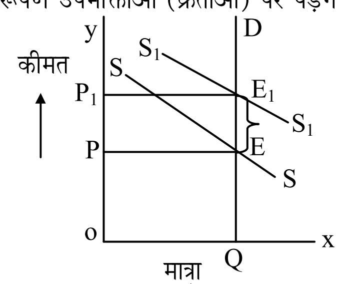

24. निम्नलिखित में से कौन पूंजी बजट में शामिल नहीं है?

(a) परिसम्पत्ति निर्माण पर व्यय
(b) ब्याज भुगतान
(c) सार्वजनिक कर्ज से प्राप्त राशि
(d) सरकार द्वारा लघु बचत से संग्रह

Ans. (b) : ब्याज का भुगतान गैर-योजनागत राजस्व व्यय (Revenue - Non- Plan Expenditure) के अंतर्गत आता है। इसके अतिरिक्त शेष परिसंपत्ति निर्माण पर व्यय, सार्वजनिक ऋण से प्राप्त राशि, सरकार द्वारा लघु बचत से संग्रह धन इत्यादि पूंजीगत बजट के अंतर्गत आता है।

25. संतुलित बजट गुणक का संख्यात्मक मान है :

(a) 1
(b) 1 से कम पर शून्य से अधिक
(c) 1 से अधिक
(d) शून्य

Ans. (a) : संतुलित बजट गुणक का संख्यात्मक मान एक है (1) है। इसे सूत्र के रूप में निम्न प्रकार लिख सकते हैं-

$$\Delta y = \frac{1}{1-c}\Delta G - \frac{c}{1-c}\Delta T$$

जहाँ y = आय, c = MPC, G = सरकारी व्यय, T = कर, Δ = परिवर्तन

26. 'कार्यशील वित्त' लोक वित्त की किस शाखा से संबंधित है?

(a) आवंटन
(b) वितरण
(c) स्थिरीकरण
(d) उपर्युक्त सभी से

Ans. (a) : कीन्स तथा लर्नर द्वारा प्रतिपादित कार्यात्मक वित्त (Functional Finance) के स्थान पर प्रो. बलजीत सिंह ने कार्यशील वित्त (Activating Finance) का दृष्टि कोण प्रस्तुत किया। उनके अनुसार- कीन्स तथा लर्नर के कार्यात्मक वित्त का विचार केवल विकसित देशों के लिए ही उपयुक्त है जबकि भारत जैसे विकासशील देशों के लिए स्फूर्तिदायक वित्त वाली राजकोषीय नीति उपयोगी सिद्ध हो सकेगी।

27. यदि करों को 'भुगतान करने की क्षमता' के अनुसार निर्धारित किया जाय तो यह होगाः

(a) समानुपातिक कर
(b) प्रगतिशील कर
(c) प्रतिगामी कर
(d) सभी व्यक्ति पर कर की समान मात्रा

Ans. (b) : यदि करों को 'भुगतान करने की क्षमता' के अनुसार निर्धारित किया जाए तो यह प्रगतिशील कर होगा। प्रगतिशील कर प्रणाली के अंतर्गत आय बढ़ने के साथ-साथ कर की दर भी बढ़ती जाती है। अर्थात् इसका गरीबों पर भार कम तथा अमीरों पर अधिक पड़ता है।

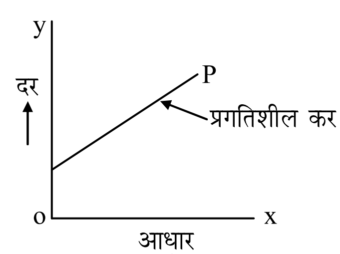

28. कर भार के आवटंन के लाभ सिद्धान्त इनमें से किसके द्वारा किया गया हैः

(a) डाल्टन (b) पिगू
(c) सेलिगमैन (d) लिंडल

Ans. (d) : कर भार के आवंटन का लाभ सिद्धांत लिंडल द्वारा अपने सिद्धांत 'स्वैच्छिक विनिमय धारणा' (Voluntary Exchange Approach) के अंतर्गत दिया। लाभ का सिद्धांत की विशेषता यह है कि सरकार तथा करदाताओं के बीच का संबंध विनिमय पर आधारित हो जाता है। अर्थात् प्रत्येक करदाता सार्वजनिक व्यय के सिलसिले में कर का भुगतान इस व्यय से प्राप्त लाभ के आधार पर करता है।

29. इनमें से कौन 'मेरिट गुड' नहीं है?

(a) डाक सेवाएँ (b) दूरसंचार सेवाएँ
(c) कृषि उत्पाद (d) रेलवेज

Ans. (c) : कृषि उत्पाद 'मेरिट वस्तु' नहीं है। शेष अन्य डाक सेवाएँ, दूर संचार सेवाएँ, रेलवे इत्यादि मेरिट वस्तुएं हो सकते हैं।

30. 2006-07 के केन्द्रीय बजट के कुछ प्रावधानों पर विचार करेंः

(i) वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर से छूट की सीमा को 1.50 लाख तक कर दिया गया।
(ii) सेवा कर की दर को 12 प्रतिशत कर दिया गया।
(iii) आयकर में मानक कटौती को हटा लिया गया।
(iv) 'सेनवॉट' को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया।

उपर्युक्त में सेः

कोड :

(a) (ii) और (iii) सही हैं
(b) (i), (ii) और (iii) सही हैं
(c) (ii), (iii) और (iv) सही हैं
(d) (i), (ii) और (iv) सही है

Ans. (a) : 2006-07 के केंद्रीय बजट में सेवा कर की दर को 12% कर दिया गया तथा आयकर में मानक कटौती को घटा दिया गया। 2016-17 के बजट में सेवाकर की दर 14.5% से बढ़ाकर 15% कर दिया गया।

31. भारत में गरीबी रेखा से नीचे के लोगों की संख्या के आकलन के लिए योजना आयोग द्वारा अपनाये गये कुछ कारकों पर विचार करें :

(i) प्रति व्यक्ति आय
(ii) ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में कैलोरी इनटेक
(iii) पारिवारिक व्यय
(iv) प्रति व्यक्ति उपभोग

उपर्युक्त में सेः

कोड :

(a) (i), (ii) और (iii) सही हैं
(b) केवल (ii) और (iii) सही हैं
(c) केवल (i) और (iv) सही हैं
(d) (i), (iii) और (iv) सही है

Ans. (b) : भारत में निर्धनता का अनुमान NSSO द्वारा प्रत्येक पांच वर्षों में किये जाने वाले पारिवारिक उपभोग व्यय के व्यापक प्रतिदर्श सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित है। इसके लिए अपनायी जाने वाली विधि समय-समय पर गठित विशेषज्ञ समूहों द्वारा दी गयी प्रविधि पर आधारित होती है। जैसे-
– Recal Period System—P.C. Mahalanobis (1954)
– MRP (Mixed Reference Period) — 1999-2000
– D.R. Gadgil Committee — 1962
– Calorie Norms — Alagh Committee, 1979
– D.T. Lakdawala Committee — 1989
– Suresh Tendulkar Committee — 2005
– C. Rengrajan Committee — 2012

32. यू.एन.डी.पी. द्वारा बनाये गये मानव विकास सूचकांक में 177 देशों में हाल के वर्षों में भारत का स्थान इनके बीच है:

(a) 111 तथा 115 (b) 116 तथा 120
(c) 121 तथा 125 (d) 126 तथा 130

Ans. (d) : 2015 में HDI में भारत का स्थान 130 है। वर्ष 2016 में HDI में भारत का स्थान 131वाँ है।

33. भारत में फरवरी 2006 में चलायी गई राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के बारे में कुछ तथ्यों पर विचार करें:

(i) यह योजना देश के 200 जिलों में चलाई गई है
(ii) इसने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम को विस्थापित किया
(iii) इस योजना में कम से कम दिनों का रोजगार आश्वस्त किया गया
(iv) इस योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकारें कर रही हैं

इनमें से:
कोड :
(a) (ii), (iii) तथा (iv) सही हैं
(b) (i), (ii) तथा (iii) सही हैं
(c) (i), (iii) तथा (iv) सही हैं
(d) (i), (ii), (iii) तथा (iv) सही है

Ans. (d) : राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (NREGA) 2 फरवरी, 2016 को लागू किया गया तथा इसका कार्यान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया गया। पहले चरण में इसे देश के 200 सबसे पिछड़े जिलों में शुरू किया गया। बाद में इसे 1 अप्रैल, 2008 से बाकी बचे हुए जिलों में लागू कर दिया गया। 2 अक्टूबर, 2009 को इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) दिया गया।
इसके अंतर्गत किसी एक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ऐसे ग्रामीण परिवार के एक वयस्क सदस्य को कम से कम 100 दिन रोजगार की गारंटी प्रदान करता है, जो अकुशल शारीरिक श्रम के लिए तैयार है। लाभार्थियों में कम से कम 33 प्रतिशत स्त्रियां होनी चाहिए। राज्य सरकारों को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रोत्साहन तथा श्रम प्रधान कार्यक्रमों को लागू करना।

34. भारत में स्थिर कीमतों पर जी.डी.पी. का आकलन करने के लिए वर्तमान में आधार वर्ष है :

(a) 1993-94 (b) 1996-97
(c) 1999-2000 (d) 2001-02

Ans. (c) : वर्तमान (2016-17) में भारत में स्थिर कीमतों पर GDP का आकलन करने के लिए आधार वर्ष 2011-12 है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा साख नियंत्रण के लिए अपनाए गए उपायों में से नहीं है?

(a) पूँजी पर्याप्तता अनुपात
(b) नगद आरक्षण अनुपात
(c) वैधानिक तरलता अनुपात
(d) नगद जमा अनुपात

Ans. (d) : RBI द्वारा साख नियंत्रण के लिए निम्न दो नीतियाँ अपनाती है-
1. परिमाणात्मक नियंत्रण
2. चयनात्मक नियंत्रण (Quantitative)- इसके अंतर्गत Selection Credit Control किया जाता है।

परिमाणात्मक के अंतर्गत-
1. Bank Rate
2. CRR
3. SLR
4. Open Market Operation
5. Repo & Reverse Repo
6. MSF

चयनात्मक के अंतर्गत-
1. नैतिब दबाव
2. मार्जिन निर्धारण
3. साख मापदंड का निर्धारण
4. साख स्वीकृति करण योजना

अत: RBI द्वारा नकद जमा अनुपात का प्रयोग साख नियंत्रण के लिए नहीं किया जाता।

36. भारत में उद्योगों तथा विदेशी मुद्रा के लिए निम्नलिखित में से कुछ अधिनियमों पर विचार करें :

(i) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)
(ii) औद्योगिक विकास एवं विनियमन अधिनियम (IDRA)
(iii) एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम (MRTP)
(iv) विदेशी मुद्रा एवं विनियमन अधिनियम (FERA)

उपरिलिखित अधिनियमों को सही कालानुक्रम में व्यवस्थित करें:

(a) (iii), (ii), (iv)तथा (i)
(b) (ii), (iii), (iv) तथा (i)
(c) (ii), (iv), (iii) तथा (i)
(d) (i), (iv), (ii) तथा (iii)

Ans. (b) :
1. औद्योगिक विकास एवं विनियमन अधिनियम (IDRA) –1951
2. एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यवहार अधिनियम (MRTP) –1969
3. विदेशी मुद्रा एवं विनियमन अधिनियम (FERA) –1973
4. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)-1999

Page – 21, झिंगन, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

37. निम्नलिखित में से कौन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 'तुलनात्मक लागत' सिद्धान्त की अवधारणा नहीं है?

(a) मूल्य का श्रम सिद्धान्त
(b) पूर्ण प्रतियोगिता
(c) रेखीय समरूप उत्पादन फलन
(d) अपूर्ण प्रतियोगिता

Ans. (d) : अपूर्ण प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय व्यापार के तुलनात्मक लागत सिद्धांत की अवधारणा नहीं है। तुलनात्मक लागत सिद्धांत का प्रतिपादन रिकार्डो ने किया। रिकार्डो के अनुसार- प्रत्येक देश उन वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण करता है जिनमें उसे तुलनात्मक लाभ अधिक अथवा तुलनात्मक हानि न्यूनतम होगी।

38. किसी देश के भुगतान संतुलन में आधिक्य होगा यदिः

(a) समायोजित करनेवाली पूँजी ऋणात्मक है
(b) समायोजित करनेवाली पूँजी धनात्मक है
(c) समायोजित करनेवाली पूँजी शून्य है
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : किसी देश के भुगतान संतुलन में आधिक्य होगा यदि समायोजित करने वाली पूंजी शून्य है।

39. पूर्वी-एशिया मुद्रा संकट में मुद्रा के ह्रास के मामले में निम्नलिखित में से किस देश को सबसे कम नुकसान हुआ?

(a) थाइलैण्ड
(b) सिंगापुर
(c) इंडोनेशिया
(d) फिलीपिंस

Ans. (b) : पूर्वी एशिया मुद्रा संकट में मुद्रा ह्रास के मामले में दिये गये देशों में सबसे कम नुकसान सिंगापुर को हुआ। यह मुद्रा संकट जुलाई, 1997 में थाईलैंड द्वारा अपनी मुद्रा 'थाई ब्हाट' के अवमूल्यन द्वारा शुरू।

40. डब्ल्यू.टी.ओ. के कैनकून सम्मेलन का आयोजन किस वर्ष में किया गया?

(a) 2003 (b) 2004
(c) 2005 (d) 2006

Ans. (a) : W.T.O. का 5वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 10 से 14 सितंबर, 2003 को कानकून (मैक्सिको) में संपन्न हुआ जो विकसित तथा विकासशील देशों के बीच भारी मतभेदों के कारण विफल रहा।

41. निम्नलिखित में से किस समिति ने सबसे पहले पूँजी खाता परिवर्तनीयता की जाँच की?

(a) मेहरोत्रा समिति
(b) रंगराजन समिति
(c) तारापोर समिति
(d) चैलैया समिति

Ans. (c) : पूंजी खाते में रुपये की परिवर्तनीयता से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जांच करने के लिए S.S तारापोर की अध्यक्षता में फरवरी, 1997 में समिति गठित की गयी।

42. विदेशी मुद्रा बाजार मे सुरक्षा (हेजिंग) किसे इंगित करता है?

(a) अवमूल्यन करना
(b) भविष्य में विदेशी मुद्रा के जोखिम से रक्षा नहीं करना
(c) भविष्य में विदेशी मुद्रा के जोखिम से रक्षा करना
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : हेजिंग भविष्य में विदेशी मुद्रा के जोखिम से रक्षा करता है।

43. व्यापार की एकल कारक शर्तें इनके द्वारा दी गई है?

(a) $\left(\frac{PX}{PM}\right)(QX)$

(b) $\left(\frac{PX}{PM}\right)(ZX)$

(c) $\left(\frac{PM}{PX}\right)\left(\frac{ZX}{ZM}\right)$

(d) $\left(\frac{PX}{PM}\right)\left(\frac{ZM}{ZX}\right)$

जहाँ परिसूत्रों का स्थापित अर्थ है।

Ans. (a) : प्रो. वाइनर ने व्यापार की एकल घटकीय शर्तों की धारणा प्रस्तुत की। इसकी गणना के लिए व्यापार की वस्तु-शर्तों के सूचक को घरेलू निर्यात उद्योगों में उत्पादकता परिवर्तनों के सूचक से गुणा किया जाता है। अर्थात्

$$Ts = Tc \,.\, Fx$$

$$= \frac{Px}{Pm} .Fx$$

जहाँ Ts = व्यापार की एकल घटकीय शर्तें, Tc = व्यापार की वस्तु शर्तें, Fx = निर्यात उद्योगों का उत्पादकता सूचक है।

44. द्विपद वितरण का माध्य और प्रसरण इसके बराबर होता हैः

(a) $\sqrt{np}, \sqrt{npq}$

(b) $\sqrt{n^2p}, \sqrt{n.2p^2q^2}$

(c) $\sqrt{npq}, \sqrt{n^2p^2}$

(d) np, npq

Ans. (d) : द्विपद वितरण का माध्य और प्रसरण np, npq के बराबर होता है।

45. यदि किसी दिए गए वितरण का माध्य 6.0 तथा मानक विचलन 0.50 है तो प्रसरण का सहगुणांक होगा :

(a) 4.0 प्रतिशत (b) 8.3 प्रतिशत

(c) 16.0 प्रतिशत (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (d) : $\frac{\bar{x}}{\sigma} =$ प्रसरण का सहगुणांक

$$\frac{6.0}{0.50} = \frac{60}{5} = 12$$

46. एक बैग में 7 लाल, 12 सफेद तथा 4 हरी गेदें हैं। बैग में से एक गेंद निकाल ली गई। इसके सफेद होने की गुंजाइश कितनी है?

(a) 12/23 (b) 7/23

(c) 4/23 (d) 23/12

Ans. (a) : प्रायिकता $= \frac{\text{अनुकूल प्रत्याशा}}{\text{समस्त संभावित प्रत्याशा}}$

एक बैग में लाल गेंद = 7

सफेद गेंद = 12

हरी गेंद = 4

सफेद होने की प्रत्याशा = $\frac{12}{7+12+4} = \frac{12}{23}$

47. यदि X पर Y तथा Y पर X निम्नलिखित दो प्रतिपगमन रेखाएँ हो,

$3x + 2y = 26.0$

$6x + y = 31.0$

तो इनका (r) इसके बराबर होगा :

(a) 0.4 (b) 0.5

(c) 0.6 (d) 0.7

Ans. (b) : $3x + 2y = 26$

$2y = 26 - 3x$

$y = 13 - \frac{3}{2}x$

$byx = -\frac{3}{2}$

$\Rightarrow 6x + y = 31$

$6x = 31 - y$

$x = \frac{31}{6} - \frac{1}{6}y$

$bxy = -\frac{1}{6}$

$r = \sqrt{b \times y.byx}$

$= \sqrt{-\frac{3}{2} \times -\frac{1}{6}}$

$= \sqrt{0.25} = 0.5$

48. किसी दी गई प्राक्कल्पना की जाँच में अधिकतम संभाव्यता जिससे I प्रकार की त्रुटि का जोखिम उठाना चाहते हैं, उसे यह कहते हैं:

(a) रद्द (नल) प्राक्कल्पन (b) बिन्दु आकलन

(c) सार्थकता का स्तर (d) मध्यांतर आकलन

Ans. (a) : वह सांख्यिकीय परिकल्पना जिसको सत्य मानकर परीक्षण किया जाता है, शून्य परिकल्पना कहलाती है। इसे Ho से प्रदर्शित करते हैं। इस परिकल्पना की जाँच में अधिकतम संभाव्यता है, जिसमें I प्रकार की त्रुटि का जोखिम उठाना चाहते हैं।

प्रतियोगिता साहित्य

49. 'मेशोकुरटोटिक डिस्ट्रीब्यूशन' को यह भी कहते हैं:

(a) गामा डिस्ट्रीब्यूशन

(b) X^2 डिस्ट्रीब्यूशन

(c) बिटा डिस्ट्रीब्यूशन

(d) नार्मल डिस्ट्रीब्यूशन

Ans. (d) : 'मेसोकूरटोरिक डिस्ट्रीब्यूशन' को नार्मल डिस्ट्रीब्यूशन भी कहते हैं। Normal Distribution के अंतर्गत-

$\bar{x} = Md = Mode$ आपस में बराबर होते हैं। इसमें कोई विषमता नहीं पायी जाती है।

50. एक पासा को दो बार फेंकने पर 12 की कुल प्राप्ति हो (यदि E घटना है) तो 12 से कम की कुल प्राप्ति की क्या संभाव्यता है?

(a) 1/3 (b) 1/6

(c) 35/36 (d) 1/18

Ans. (c) : एक पासा को एक बार 6 प्रकार के फेंका जा सकता है एक पाशे को दो बार 36 प्रकार से फेंका जा सकता है। अंकों का योग 12 आने की संभावना केवल 1 बार है। (6 + 6) 12 से कम आने के कुल अनुकूल प्रकार (36 −1 = 35)

अर्थात् 35

अतः प्रयिकता = $\frac{\text{अनुकूल}}{\text{अनुकूल + प्रतिकूल}}$

$$= \frac{35}{35+1} = \frac{35}{36}$$

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2007
अर्थशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चैम्बरलिन ने लागत की अवधारणा को निम्न रूप में प्रस्तुत कियाः

(a) स्थायी लागत (b) चलायमान/अस्थिर लागत
(c) विक्रय लागत (d) परिवर्ती लागत

उत्तर (c)

व्याख्या : चैम्बरलिन ने एकाधिकारिक प्रतियोगिता के सिद्धांत (Theory of Monopolastic Competition) में विक्रय लागत की अवधारणा को प्रस्तुत किया। चैम्बरलिन ने कहा कि व्यवहारिक जीवन में शुद्ध पूर्ण प्रतियोगिता तथा शुद्ध एकाधिकार की स्थिति नहीं पायी जाती है, बल्कि इनके बीच की स्थिति एकाधिकारिक (एकाधिकार + प्रतियोगिता) की स्थिति पायी जाती है। एकाधिकारिक प्रतियोगिता की व्याख्या के लिए चैम्बरलिन ने 'समूह' तथा 'वस्तु-विभेद' की अवधारणा प्रस्तुत की है। समूह में क्रेताओं तथा विक्रेताओं की संख्या बहुत ही अधिक है।

2. यदि वस्तुएं पूर्ण स्थानापन्न हों तो तटस्थता वक्र बन जाती हैः

(a) अधोमुखी ढलाऊं वक्र
(b) नकारात्मक ढलान सहित सीधी रेखा
(c) समकोण
(d) समकोणीय अतिपरवलय

उत्तर (b)

व्याख्या : दो वस्तुओं के पूर्ण स्थानापन्न (Project Substitutes) होने की स्थिति में उनके अनधिमान वक्र सरल रेखा (Straight Lines) होते हैं जिन पर प्रतिस्थापन की सीमांत दर स्थिर रहती है। दो पदार्थ जितने अच्छे अथवा निकट के स्थानापन्न होंगे, उनके अनधिमान वक्र सरल रेखा के उतने ही निकट होंगे। पूर्ण स्थानापन्न वस्तुओं की दशा, जो कि एक चरम सीमा है, की स्थिति में अनधिमान वक्र सरल रेखा होती है। जैसे- रेखाचित्र में स्पष्ट है-

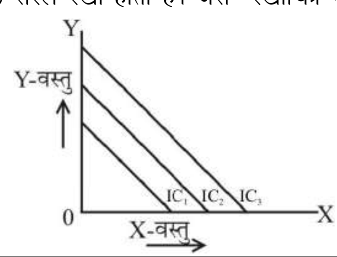

3. C E S उत्पादन फलन निम्नलिखित में से एक के नाम के साथ सम्बन्धित हैः

(a) जोन रोबिनसन (b) बी.एस. मिन्हास्
(c) मनमोहन सिंह (d) ए.के. सेन

उत्तर (b)

व्याख्या : के. जे. ऐरो, एच. बी. चेनरी, बी. एस. मिन्हास तथा आर. एम सोलो ने वर्ष 1961 में प्रकाशित अपने प्रसिद्ध लेख में प्रतिस्थापन लोच उत्पादन फलन का प्रतिपादन किया जिसे निम्नवत व्यक्त किया जा सकता है-

$$p = \gamma\left[sc^{-\alpha} + (1-\infty)N^{-\alpha}\right] - \frac{v}{\alpha}$$

$\gamma > 0, 0 < \infty < 1, \alpha > -1$

जहाँ
$p =$ उत्पादन
$c =$ पूंजी आगत
$N =$ श्रम आगत
$\alpha =$ प्रतिस्थापन प्राचल
$\gamma =$ तकनीकी दक्षता गुणांक अथवा दक्षता प्राचल
$\infty =$ पूंजी सघनता गुणांक
$1-\infty =$ श्रम सघनता गुणांक
$v =$ फलन की समांगता का अंश

4. उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम किस ने दिया?

(a) मिल्टन फ्रीडमेन (b) पीगू
(c) टॉबिन (d) कीन्स

उत्तर (d)

व्याख्या : कीन्स ने उपभोग का आधारभूत मनोवैज्ञानिक सिद्धांत प्रतिपादित किया। इसके अनुसार जैसे-जैसे लोगों की आय में वृद्धि होती जाती है, वैसे- वैसे वे अपने उपभोग में वृद्धि लाते जाते हैं पर यह वृद्धि उतनी नहीं होती है जितना कि आय में अर्थात् जिस अनुपात में आय में वृद्धि होती है, उसकी तुलना में उपभोग में अपेक्षाकृत कम व्यय होता है

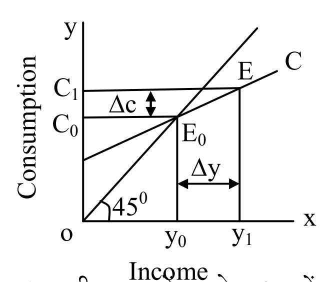

चित्र में आय Δy की तुलना में उपभोग Δc में कम वृद्धि हो रही है।

5. जब मुद्रा की मांग की ब्याज लोच शून्य होती है तो L - M वक्रः

(a) Y- अक्ष के लम्बरूप समान्तर होती है
(b) X - अक्ष के क्षितिजीय समान्तर होती है
(c) सकारात्मक ढ़लवा सीधी रेखा
(d) नकारात्मक ढ़लवा सीधी रेखा

उत्तर (a)

व्याख्या : जब मुद्रा की मांग की ब्याज लोच शून्य होती है तो LM वक्र y-अक्ष के लम्बवत समान्तर होता है। LM-वक्र मुद्रा बाजार की संस्थिति प्रदर्शित करता है, जब मुद्रा मांग (L) मुद्रा की पूर्ति (M) के बराबर हो। LM वक्र उन बिंदुओं का बिंदु पथ है जो ब्याजदर तथा आय के उन संयोगों को प्रदर्शित करते हैं, जिन पर L=M है।

6. बेरोजगारी की प्राकृतिक दर वो दर है जहाँ परः

(a) मुद्रा स्फीति की दर स्थिर होती है
(b) मुद्रा स्फीति की दर अस्थिर रही है
(c) मुद्रा स्फीति की दर गिर रही है
(d) मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है

उत्तर (a)

व्याख्या : बेरोजगारी की प्राकृतिक दर वह दर है, जहां पर मुद्रा स्फीति की दर स्थिर होती है। फिलिप्स वक्र बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी (मुद्रा स्फीति) की दर के बीच विपरीत संबंध बताता है। फिलिप्स वक्र के अनुसार जब बेरोजगारी की दर 5.5% से कम है तो श्रम की मांग श्रम की पूर्ति से अधिक है और इससे मुद्रा मजदूरी दरें बढ़ती हैं। दूसरी ओर, जब बेरोजगारी दर 5.5% से अधिक है तो श्रम की पूर्ति श्रम की मांग से अधिक है जो मजदूरी दरों को कम करती है। तात्पर्य यह है कि बेरोजगारी की OA दर जो 5.5% प्रतिवर्ष है, मजदूरी दरें स्थिर रहेंगी। जैसा कि चित्र से स्पष्ट है।

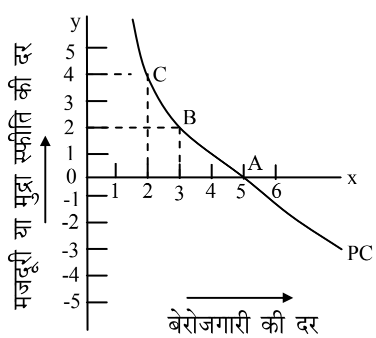

7. छुरी-धार (Knife - edge) समस्या किस मॉडल में है?

(a) सोलो मॉडल (b) काल्डर मॉडल
(c) जोन रोबिन्सन मॉडल (d) हैरोड-डोमर मॉडल

उत्तर (d)

व्याख्या : हैरोड-डोमर मॉडल कीन्सवादी मॉडल का प्रावैगिक विस्तार है और दीर्घकालीन समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है। परंतु दोनों मॉडलों के विश्लेषण की विधियां अलग-अलग परंतु निष्कर्ष समान है। हैरोड के अनुसार पूर्ण रोजगार संतुलन के लिए निम्न शर्त आवश्यक है-

$$G = Gw = Gn$$

यहाँ
G = वास्तविक संवृद्धि दर
Gw = वांछित संवृद्धि दर
Gn = प्राकृतिक संवृद्धि दर

यही चाकूधार संतुलन की अवस्था है। यदि संतुलन के इस पथ से विचलन हुआ तो ऐसी आर्थिक शक्तियां कार्यशील हो जाती हैं जो संतुलन को बिंदु पथ से दूर ही ले जाती है।

8. असंतुलित वृद्धि का सिद्धान्त किस ने प्रतिपादित किया?

(a) इ. डोमर (b) ए.के. सेन
(c) ए.ओ. हर्षमैन (d) डब्ल्यू.ए. लिविस

उत्तर (c)

व्याख्या : असंतुलित विकास सिद्धांत के प्रवर्तक हर्षमैन है। इसके समर्थक अर्थशास्त्रियों में सिंगर, मार्क्स, फ्लेमिंग, किंडलबर्जर, रोस्टोव आदि हैं। असंतुलित विकास सिद्धांत के अनुसार किसी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का एक साथ विकास न करके कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों का गहन विकास किया जाता है।

9. अर्द्ध विकसित देशों में सामाजिक कारकः

(a) वृद्धि को शिथिल करते हैं
(b) वृद्धि को बढ़ावा देते हैं
(c) वृद्धि को अधिकतम करते हैं
(d) निम्न वृद्धि की ओर प्रवृत्त करते हैं

उत्तर (a)

व्याख्या : अर्द्धविकसित देशों में सामाजिक कारक वृद्धि को शिथिल करते हैं। इसके अतिरिक्त पूंजी की कमी, तकनीकी का पिछड़ापन, बेरोजगारी, कृषि पर निर्भरता, जनसंख्या वृद्धि दर इत्यादि भी वृद्धि को प्रभावित करते हैं।

10. अपवर्जन सिद्धान्त इन पर लागू नहीं होताः

(a) योग्यता (मेरिट) वस्तुयें (b) सामाजिक वस्तुयें
(c) निजी वस्तुयें (d) समग्र वस्तुयें

उत्तर (b)

व्याख्या : सार्वजनिक या सामाजिक वस्तुओं से आशय ऐसी वस्तुओं से है जिनके उपभोग का बंटवारा नहीं किया जा सकता है और जब इनकी पूर्ति होती है तो यह उस समुदाय के सभी लोगों के लिए समान रूप से उपलब्ध होती है। इस प्रकार इन वस्तुओं का संयुक्त उपभोग होता है तथा इनके संबंध में अपवर्जन सिद्धांत लागू नहीं होता है। समाज के सभी लोग इनका उपभोग बराबर रूप से करते हैं वह चाहे भुगतान कर रहा हो या नहीं। इसको निम्न चित्र से स्पष्ट कर सकते हैं-

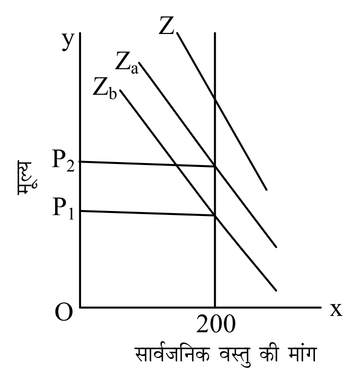

A और B दोनों के लिए सार्वजनिक वस्तु की मांग 200 है। Z_a तथा Z_b को जोड़कर Z वक्र प्राप्त किया गया है, जो सार्वजनिक वस्तु की मांग प्रदर्शित करता है।

11. कर के अति भार से बचने के लिये यह होना चाहियेः

(a) कर की निम्न सीमान्त दर

(b) कर की शून्य सीमान्त दर
(c) कर की मर्यादित/औसत दर्जे की दर
(d) कर की युक्तिसंगत सीमान्त दर
उत्तर (b)

व्याख्या : कर के अतिभार से बचने के लिए कर की सीमांत दर शून्य होनी चाहिए।

12. सार्वजनिक ऋण के शोधन का अर्थ हैः
(a) सार्वजनिक ऋण की चुकती/अदायगी
(b) सार्वजनिक ऋण का भुगतान करने से मना करना
(c) सार्वजनिक ऋण को विदेशी मुद्रा के सम्बन्ध में पुनः परिभाषित करना
(d) सार्वजनिक ऋण का मुद्रा स्फीति की दर के साथ जोड़ना
उत्तर (a)

व्याख्या : सार्वजनिक ऋण के शोधन का अर्थ सार्वजनिक ऋण की चुकती/अदायगी से है। सार्वजनिक ऋण वह ऋण होता है जिसके भुगतान के लिए कोई सरकार अपने देश के नागरिकों अथवा दूसरे देश के नागरिकों के प्रति उत्तरदायी होती है।
सार्वजनिक ऋणों का शोधन या प्रतिदान के तरीके-
1. ऋणों का प्रत्याख्यान
2. ऋण परिवर्तन
3. ऋण पुनः शोधन
4. राजकीय आय के आधिक्य
5. ऋण शोधन कोष
6. पूंजी कर

13. विश्व व्यापार में स्थायी विनिमय दर किस काल के दौरान प्रचलित थी?
(a) 1919 - 1939 (b) 1919 - 1971
(c) 1946 - 1971 (d) 1971 से आगे
उत्तर (c)

व्याख्या : विश्व व्यापार में 1946-71 के दौरान स्थायी विनिमय दर प्रचलित थी। स्थिर विनिमय दर के अंतर्गत सभी विनिमय लेन-देन उस विनिमय दर पर होते हैं जिसे मौद्रिक अधिकारी निर्धारित करता है। ये अधिकारी कानून बनाकर अथवा करेंसी बाजारों में हस्तक्षेप करके विनिमय की दर निश्चित कर सकते हैं।
1944 में ब्रेटन वुड्ज समझौते के अंतर्गत (IMF) की स्थापना की गयी तो देशों के बीच स्थिर विनिमय दरें स्थापित की गयी। जब 1971 में अमरीका के खजाने ने अल्पकालिक देयताओं को स्वर्ण में बदलने से इंकार कर दिया और डॉलर को अपरिवर्तित कर दिया तो बडेन वुड्ज प्रणाली का पतन हो गया।

14. WTO समझौते के अनुसार, भारत को अपने कुल आयात का कितने प्रतिशत खाद्यान्न आयात करना पड़ेगा?
(a) 5 प्रतिशत (b) 10 प्रतिशत
(c) 15 प्रतिशत (d) 30 प्रतिशत
उत्तर (d)

व्याख्या : WTO समझौता के अनुसार, भारत को अपने कुल आयात का 30 प्रतिशत खाद्यान्न आयात करना पड़ेगा।

15. यू.एस. डालर के विरुद्ध रुपये की जारी दृढ़ीकरण प्रक्रिया के कारण :
(a) अमेरिका को भारतीय निर्यात में वृद्धि होगी
(b) अमेरिका को भारतीय निर्यात में कमी होगी
(c) अमेरिका से भारत को आयात स्थिर रहेंगे
(d) अमेरिका को भारतीय निर्यात स्थिर रहेंगे
उत्तर (b)

व्याख्या : यू. एस. डॉलर के विरुद्ध रुपये की जारी दृढ़ीकरण प्रक्रिया के कारण अमेरिका को भारतीय निर्यात में कमी होगी, क्योंकि यू. एस. डॉलर के विरुद्ध रुपये की दृढ़ीकरण के कारण निर्यात मंहगे हो जायेंगे, जिससे निर्यात में कमी होगी।

16. औद्योगिक लाइसेन्सिंग नीति जांच कमेटी 1967 में किस की अध्यक्षता में बनी थी?
(a) आर.के. हजारी (b) पी.सी. महलानोबिस
(c) दत्त एस. (d) बी. के.आर.वी. राव
उत्तर (c)

व्याख्या : जुलाई, 1967 में डॉ. सुबिमल दत्त की अध्यक्षता में औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति जांच कमेटी गठित की गयी है जिसमें अपनी रिपोर्ट जुलाई, 1964 में पेश की। जो निम्न है-
1. लाइसेंस लेकर उनका प्रयोग न करना।
2. लाइसेंसिंग नीति का उद्देश्य आर्थिक शक्ति के केंद्रीयकरण को रोकना था, परंतु व्यवहार में इसके ठीक उल्टा हुआ।
3. औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति का एक मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था, इस नीति से क्षेत्रीय असमानताओं में वृद्धि हुई। दत्त समिति के अनुसार, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल तथा तमिलनाडु को 1955-66 के बीच दिये गये कुल लाइसेंसों में से 62.42 प्रतिशत लाइसेंस प्राप्त हुए हैं।

17. 'हिन्दु वृद्धि' दर किसके द्वारा प्रतिपादित की गई?
(a) गाडगिल (b) चक्रवर्ती
(c) भगवती (d) राजकृष्णा
उत्तर (d)

व्याख्या : प्रो. राजकृष्णा ने दिसंबर, 1981 ई. में हिंदू वृद्धि दर की संकल्पना दी। प्रो. राजकृष्णा का मानना था कि भारतीय अर्थव्यवस्था निम्न आर्थिक संवृद्धि के संतुलन जाल में उलझ कर रह गयी जो 3.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की संवृद्धि दर थी। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की एक निराशाजनक वृद्धि था। अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित अपरिवर्तनीयता की स्थिति हिंदू जीवन शैली के ही समान था। राजकृष्णा का यह विलेषण स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम 3 दशकों की समृद्धि दरों पर आधारित था-
1950 से 1960 = 3.9%
1960 से 1970 = 3.7%
1970 से 1980 = 3.1%

18. यदि $\beta_2 > 3$, तो वक्र कहलाता है :
(a) प्लेटीकुर्टिक (b) लेप्टोकुर्टिक
(c) मेसोकुर्टिक (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर (b)

व्याख्या : यदि $B_2 > 3$ हो तो वक्र लेप्टोकुर्टिक होगा। आवृत्ति वितरण की वह विशेषता, जिसके द्वारा आवृत्ति वितरण के वक्र के शीर्ष की प्रकृति (नोकदार या चपटा) का आभास होता है, ककुदता कहलाती है। ककुदता के आधार पर वितरण तीन प्रकार के होते हैं

1. $B_2 > 3$ हो तो कूट ककुदता (Leptokurtic)
2. $B_2 = 3$ हो तो वितरण वक्र मध्य ककुदता (Mesokurtic)
3. यदि $B_2 < 3$ हो तो चपर्ट या सपाट ककुदता (Platykurtic)

19. यदि दो प्रतिगमन गुणक (– 0.45) और (–0.8) द्वारा दिये गये हैं, तो सहसम्बन्ध का गुणकः

(a) 0.6 (b) 0.36
(c) –0.6 (d) –0.36

उत्तर (a)

व्याख्या : $r^2 = byx.byx$

$r^2 = \sqrt{bxy.byx}$

$r = \sqrt{(-0.45).(-0.8)}$

$r = \sqrt{0.36}$

$r^2 = 0.6$

20. साधन विपर्यय परीक्षण किस को सन्तुष्ट करता है?

(a) लैस्पियर का सूचकांक न.
(b) मार्शल एजवर्थ का सूचकांक न.
(c) फिशर का सूचकांक न.
(d) पाशे का सूचकांक न.

उत्तर (c)

व्याख्या : फिशर का सूचकांक लैस्पियर तथा पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य है जो निम्न है-

$$p = \sqrt{L.P}$$

फिशर का सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण तथा तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण का पालन करता है, यही कारण है कि इसे आदर्श सूचकांक कहा जाता है।

नीचे दो कथन दिये गये हैं एक अभिकथन (A) का और दूसरे को तर्क (R) का नाम दिया है। प्रश्न संख्या 21से 30 का उत्तर दिये कोड में से दे।

21. अभिकथन (A) : व्यक्ति विनियोग के औसत प्रतिफलन को महत्व देता है परन्तु उसके प्रतिसरण को पसंद नहीं करता।

तर्क (R) : सामान्यतः व्यक्ति जोखिम के प्रति अनिच्छुक रहते हैं।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है
(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

उत्तर (b)

व्याख्या : निवेश का आय से अनुपात औसत निवेश प्रवृत्ति कहलाता है अर्थात् Average propensity to invest (API) = $\frac{I}{Y}$ है। व्यक्ति विनियोग के औसत प्रतिफलन को महत्व देता है, परंतु उसके प्रतिसरण को पसंद नहीं करता। सामान्यतः व्यक्ति जोखिम के प्रति अनिच्छुक रहते हैं क्योंकि इनमें जोखिम उठाने का साहस नहीं होता है।

22. अभिकथन (A) : प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन में सम्पूर्ण आउटपुट कारकों के भुगतानों में खाली हो जाता है।

तर्क (R) : प्रतियोगी स्थितियों में पैमाने के प्रतिफल स्थिर होते हैं।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) सत्य है परन्तु (R) अत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों असत्य है
(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (a)

व्याख्या : प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन में संपूर्ण आउटपुट कारकों के भुगतानों में खाली हो जाता है। प्रतियोगी स्थिति में पैमाने के प्रतिफल स्थिर होते हैं। इस स्थिति में उत्पादन में आनुपातिक वृद्धि साधनों की आनुपातिक वृद्धि के बराबर होती है।

23. अभिकथन (A) : संवृद्धि के नव-क्लासीकल मॉडल, संवृद्धि की स्थिरक स्थिति की भविष्यवाणी करते हैं।

तर्क (R) : बचत विनियोग में समता की कल्पना की गई है।

निम्न में से सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है।
(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या है।
(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (a)

व्याख्या : राबर्ट सोलो द्वारा प्रस्तुत आर्थिक संवृद्धि माडल नव-प्रतिष्ठित विचारों का बेहतर प्रतिनिधित्व करता है। इसमें आर्थिक संवृद्धि का स्थायी संतुलन की व्याख्या की गयी है अर्थात् यह मॉडल हैरड -डोमर समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। सोलो ने पूंजी श्रम अनुपात को परिवर्तनशील मानते है। बचते आय का फलन है अर्थात् बचत विनियोग में समता की कल्पना की गयी है।

24. अभिकथन (A) : सेन का P-माप हेड-काउंट रेशियो और पावर्टी गेप रेशियो दोनों से ज्यादा पसन्द किया जाता है।

तर्क (R) : सेन को नोबल पुरस्कार मिला।

निचे दिये गये कथनों में सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

(d) (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (b)

व्याख्या : अमर्त्य सेन ने निर्धनता माप का फार्मूला दिया जो हेड-काउंट रेशियों तथा पावर्टी गेप रेशियो दोनों से ज्यादा पसंद किया जाता है। जो निम्न है-

$$p = H [I + (1\text{-}I) G]$$

जहाँ

p = निर्धनता की माप

H = निर्धनों की संख्या को व्यक्त करता है।

I = समग्र निर्धनता अंतराल को व्यक्त करता है

G = निर्धनता रेखा से नीचे आय विषमताओं के वितरण को व्यक्त करता है।

1998 ई. में अमर्त्य सेन को नोबेल पुरस्कार HDI के विकास के लिए मिला

25. अभिकथन (A) : उदासीनता वक्र क्षितिज के उत्तल/उदुब्ज होती हैं।

तर्क (R) : ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अपवर्जित है।

निचे दिये गये कथनों में सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(b) (A) तथा (R) दोनों असत्य है।

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(d) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

उत्तर (c)

व्याख्या : उदासीनता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर होते हैं, नतोदर नहीं। घटती हुई प्रतिस्थापन की सीमांत दर की धारणा की पूर्ति केवल ऐसी ही तटस्थता वक्र पर हो सकती है। मान लीजिए यह मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर नहीं है बल्कि नतोदर है अर्थात् प्रतिस्थापन की सीमांत दर घटेगी नहीं बल्कि बढ़ेगी। जैसे-जैसे उसके पास X वस्तु की मात्रा बढ़ती जायेगी तथा Y की मात्रा कम होती जायेगी, वैसे-वैसे उपभोक्ता Y वस्तु की उत्तरोत्तर अधिक मात्रा देने के लिए तत्पर होगा, जो तर्कसंगत तथा विवेकपूर्ण नहीं है।

26. अभिकथन (A) : भू-मंडलीय आय असमानता ने प्रवृत्ति में वृद्धि दर्शाया है।

तर्क (R) : प्रेबिश-सिंगर ने प्राथमिक उत्पादकों और निर्यातकों के लिये व्यापार की शर्तों में सतत गिरावट की परिकल्पना दी।

निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

(b) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(d) (A) और (R) दोनों सत्य हैं (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (d)

व्याख्या : प्रेबिश - सिंगर का सिद्धांत मुख्यतः यह बताता है कि विकसित देशों के साथ व्यापार करने पर विकासशील देशों को क्यों हानि होती है? व्यापार की शर्तें हमेशा विकसित देशों के क्यों पक्ष में होता है?

प्रेबिश - सिंगर अपने 100 वर्ष के सर्वे में यह पाये कि व्यापार हमेशा विकसित देशों के पक्ष में होता है तथा व्यापार जनित लाभों का वितरण भी अनुचित रूप से होता है। इसके निम्न कारण बताते हैं-

1. विकसित देशों द्वारा अपनायी गयी लाभ संबंधी नीतियां।
2. आय- मांग की लोच।
3. बाजार ढांचा।
4. प्रदर्शन प्रभाव।

27. अभिकथन (A) : पेशेवरों के लिये श्रम की आपूर्ति वक्र दीर्घीकृत आकार की अवलोकित पायी जाती है।

तर्क (R) : मजदूरी अनुपयोगिता देती है इसलिये आय क्षतिपूर्ति की आवश्यकता है।

निचे दिये कथनों से सही उत्तर का चयन करेंः

कोडः

(a) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(d) (A) सत्य है और परन्तु (R) असत्य है।

उत्तर (c)

व्याख्या : श्रम की पूर्ति से तात्पर्य श्रमिकों की उस मात्रा से है जो मजदूरी की विभिन्न दरों पर अपनी सेवा देने के लिए तत्पर हो। पूर्ति वक्र कुछ दूरी तक तो बायें से दाहिने की ओर ऊपर उठता हुआ है जो इस बात का प्रतीक है कि जब तक प्रतिस्थापन प्रभाव अधिक शक्तिशाली है तब तक तो मजदूरी बढ़ने के साथ-साथ श्रमिक अधिक कार्य करेंगे पर एक सीमा के बाद आय-प्रभाव अधिक शक्तिशाली हो जाता है, ऐसी परिस्थिति में मजदूरी की वृद्धि के बाद भी श्रम की पूर्ति कम होती जाती है।

अतः पेशेवरों के लिए श्रम की आपूर्ति वक्र दीर्घीकृत आकार की अवलोकित पायी जाती है। मजदूरी अनुपयोगिता देती है इसलिए आय क्षतिपूर्ती की आवश्यकता है।

28. अभिकथन (A) :कीमत नेतृत्व अव्यक्त है।

तर्क (R) : खुले कपटमय समझौते अधिकांश देशों में गैर कानूनी है।

निम्न दिये कथनों में से सही उत्तर दें:

कोडः

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।